



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 21, 1981 (फाल्गुन 2, 1902)
No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 21, 1981 (PHALGUNA 2, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली 110011, दिनांक 8 जनवरी 1981

सं० ए० 32014/3/79 प्रशा० 1—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के नाम के सामने निदिष्ट तारीख से अथवा आगामी आवेदनों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः अनंतिम, अस्थायी और तदर्थ आधार पर निजी सचिव (के० स० स्टे० से० का ग्रेड क) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं०	नाम	अवधि
1	2	3
1.	श्री जोगिन्दर सिंह	30-12-80 से 28-2-81 तक

1	2	3
2.	श्री आर० एल० ठाकुर	32-12-80 से 22-2-81 तक

सं० ए० 31014/1/80 प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में अस्थायी वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) तथा निजी सचिव (के० स० स्टे० से० का ग्रेड क) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री जोगिन्दर सिंह को राष्ट्रपति द्वारा 10 अगस्त, 1980 के पृथक् से संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 13 जनवरी 1981

सं० ए० 32014/1/80 प्रशा० I (ii)---संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों/वैयक्तिक सहायकों (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग) को राष्ट्रपति द्वारा नीचे उल्लिखित तारीखों से उसी संवर्ग में पूर्णतः अनन्तिम, अस्थायी और तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

क्र० सं०	नाम	अवधि	अवधि
सर्वश्री			
1. पी० पी० सिक्का	1-1-81 से 28-2-81 तक अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो	मिजी सचिवों के 4 पदों को अस्थायी रूप से पदावनत करने से उनके स्थान पर बनाए गए 4 पदों पर	
2. ओ० पी० क्षेवरा			
3. हुकम चन्द			
4. एज० सी० कटोज			
5. टी० आर० शर्मा	23-12-80 से 28-2-81 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो	शृंखलाबद्ध रिक्ति में	
6. के० एस० भूटानी	30-12-80 से 28-2-81 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो	—वही—	
7. शाम प्रकाश	23-12-80 से 22-2-81 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो	—वही—	

2. उपर्युक्त व्यक्ति अवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और उन्हें के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख में विलयन का और उक्त ग्रेड में वरिष्ठता के लिए कोई हक नहीं होगा। वर्ष 1980 में श्री टी० आर० शर्मा की के० स० स्टे० से० के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की अवधि 23-12-80 से 31-12-80 तक 120 दिन से अधिक है, जिसका अनुमोदन कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के द्वारा किया जाना है।

दिनांक 24 जनवरी 1981

1. सं० ए० 32013/2/80-प्रशा० I, 1. सं० ए० 32013/2/80-प्रशा० I, दिनांक 27-10-80, तथा 2. सं० ए० 32013/3/80-प्रशा० I, दिनांक 5-1-81 को संघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचनाओं के अनुक्रम में राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 1979 के के० स० से० के अधिकारियों की चयन सूची में सम्मिलित निम्नलिखित अधिकारियों को, ग्रेड 1 में नियुक्ति हेतु संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अवसर सचिव के पद पर नियमित/तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	अवधि (यां)
1.	श्री पी० सी० माथुर	1-11-1980 से नियमित आधार पर, आगामी आदेशों तक।
2.	श्री टी० एम० कोकल	1-11-1980 से नियमित आधार पर, आगामी आदेशों तक।
3.	श्री एस० श्रीनिवासन	29-10-80 से 31-10-80 तक तदर्थ आधार पर; तथा 1-11-1980 से नियमित आधार पर, आगामी आदेशों तक
4.	श्री एस० एस० छाबड़ा	29-11-1980 से नियमित आधार पर, आगामी आदेशों तक

एस० बालचन्द्रन,
उप सचिव (प्रशा०)

गृह मन्त्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल
नई दिल्ली-110022, दिनांक 7 जनवरी 1981

सं० श्री० वी०-568/69-स्थापना—श्री एल० पी० चन्डोला ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार 30-11-80 (अपराह्न) को त्याग दिया।

सं० श्री० वी० 1216/75-स्थापना—श्री ए० एस० राय ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार 30-11-80 (अपराह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 27 जनवरी 1981

सं० एफ०-11/41/80-इस्ट (सी० आर० पी० एफ०) (पर्स० 4)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, अजमेर के उप-पुलिस, महानिरीक्षक, श्री टी० निपाठ, श्री पी० एस०

को 25-7-1980 (अपराह्न) से 14-9-1980 तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, मोहाटी के उप पुलिस महानिरीक्षक के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 जनवरी 1981

सं० ओ० दो० 779/70-स्थापना—राष्ट्रपति डा० सत्यनन्दा पटनायक जी० डी० ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी० /कम्पनी कमान्डर) को उनकी पदोन्नति के फलस्वरूप 20-1-1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-I (सहायक कमान्डेन्ट) के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

ए० के० सूरी,
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 20 जनवरी 1981

सं० ई-38 013 (3)/12/80-कार्मिक—अधिकेश में स्थानान्तरित होने पर श्री जी० एस० मूरपुरी ने 25 अक्तूबर, 1980 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, एच० ई० सी० राबो के सहायक कमान्डेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने 4 नवम्बर, 1980 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, आई० डी० पो० एल० अधिकेश में उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई-38 013 (3)/14/80-कार्मिक—राष्ट्रपति, निरीक्षक गुरबचन सिंह, को तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक कमान्डेन्ट नियुक्त करते हैं। श्री सिंह ने 25 नवम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार के० ओ० सु० ब० यूनिट, फरक्का बरेज, फरक्का प्रोजेक्ट में सम्भाल लिया।

दिनांक 30 जनवरी 1981

सं० ई-38 013 (3)/9/80-कार्मिक—तलवर से स्थानान्तरित होने पर श्री टी० के० बनर्जी ने 29 नवम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, वी० पी० टी० विशाखा-पत्तनम के सहायक कमान्डेन्ट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

प्रकाश सिंह
महानिदेशक/के० ओ० सु० ब०

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास (म० प्र०), दिनांक 27 जनवरी 1981

सं० क्रमांक बी० एन० पी०/सी/5/80—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 26-6-80, 10-7-80 एवं 2-9-80 के अनुक्रम में निम्नलिखित अधिकारियों की तदर्थ नियुक्तियों की अवधि उनके नाम के सम्मुख दर्शायी गई तिथि तक अथवा उन अधिकारियों के वापिस लौटने तक जिनकी रिक्ति

में तदर्थ नियुक्ति की गई, अथवा सहायक कार्य प्रबन्धक के वर्ग में पदों के प्रत्यावर्तित होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाई जाती है।

क्रमांक	नाम	पद जिस पर तदर्थ नियुक्ति की गई	दिनांक जब तक तदर्थ नियुक्ति बढ़ाई गई
सबधी			
1.	वाई० जनाधनराव ।	तकनीकी आधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण)	30-9-81
2.	समरेन्द्र दास	—यथा—	30-9-81
3.	वी० वेंकट रमणी	—यथा—	31-3-81
4.	आर० सी० अप्पवाल	—यथा—	31-3-81
5.	अशोक जोशी	—यथा—	31-3-81
मु० वें चार उप-महप्रबन्धक			

महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 27 जनवरी 1981

सं० प्रशा०-I/8-132/80-81/371—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैदराबाद, कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी स्वस्थ श्री के० पारता सांगवि II को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 17-1-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ दरजों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० प्रशा०-I/8-132/80-81/371—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम० वी० सुब्बाराव को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 15-1-81 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० प्रशा०-I/8-132/80-81/371—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य, श्री टी० आर० गमनादन को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 15-1-1981 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० प्रशा०-I/8-132/80-81/371—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य

श्री सी० विश्वानाद राव-I को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 15-1-1981 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जायें, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे बरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० प्रशा०-I/8-132/80-81/371—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य, श्री एस० किष्नामाचारी-II को महालेखाकार आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 15-1-81 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जायें, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे बरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

टा० हरिहरन,
बरिष्ठ उप महालेखाकार

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-16, दिनांक 22 दिसम्बर 1980

सं० 78/80/जे—वार्षिक निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री आर० के० दास, स्थानापन्न स्टाफ अधिकारी (मौलिक एवं स्थायी ए० एस० ओ०), तारीख 31 अक्तूबर, 1980 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक।
आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता-700069, दिनांक 30 जनवरी 1981

सं० 1/81-ए०/एन०—राष्ट्रपति, जी इफ्ट गजट अधिसूचना सं० 3/80/ए/एम, दिनांक 12-6-80 में संबंधित डाक्टर के नाम में निम्न प्रकार संशोधन करते हैं:—

वास्ते—डा० विष्णु दास मंडल

पढ़ें—डा० विष्णुदास मंडल

2. राष्ट्रपति जी इफ्ट गजट अधिसूचना सं० 4/80/ए/एम, दिनांक 12-6-1980 के क्रम संख्या 7 में वर्णित डा० (कु०) आविषी हरिया, सहायक चिकित्सा अधिकारी, आर्डनेन्स, फैक्टरी, भण्डारा के संबंध में सभी प्रविष्टियों को भी निकालते हैं और तदनुसार क्रम संख्या 8 से 47 को बदल कर क्रम संख्या 7 से 46 कर दिया जाए।

ओ० पी० बहल,
सदस्य कार्मिक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1981

आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण स्थापना

सं० 6/645/61-प्रशा०-(राज०) 1/607—सेवा निवर्तन की आयु हो जाने पर संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, बम्बई के कार्यालय में कार्य कर रहे निम्नलिखित अधिकारियों को 31 दिसम्बर, 1980 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी गई है:—

1. श्री ए० जी० शिन्दे, सहायक मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात।

2. श्री एच० टी० आत्मारानी, नियन्त्रक, आयात-निर्यात।

3. श्री सी० एन० कृष्णन, नियन्त्रक, आयात-निर्यात।

दिनांक 22 जनवरी 1981

सं० 6/444/57-प्रशा० (राज०) 1/613—सेवा निवर्तन की आयु हो जाने पर, संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात बम्बई के कार्यालय में श्री के० आर० कुलकर्णी, सहायक मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, को 31 अक्तूबर, 1980 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

जे० पी० शर्मा
उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात,
हृत्ते, मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात।

(वस्त्र विभाग)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 29 जनवरी 1981

सं० सी० ई० आर०/3/80—सूती वस्त्र (नियन्त्रण) आदेश 1948 के खंड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/3/69 दिनांक 19 सितम्बर, 1969 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात्, :—

उक्त अधिसूचना में

विद्यमान पैरा दो ई की टिप्पणी एक के बाद निम्नलिखित परंतुक जोड़ दिया जाएगा :—

“परन्तु, फिर भी, नियमित टसर की वशा में अंतिम उपभोक्ता मुख्य संगणित करने में उत्पादन शुल्क की राशि वह राशि होगी जो क्लरेंस के समय उत्पादन शुल्क विभाग को वास्तव में दी गई/देय थी”।

एम० मंदुरै नाथगम
अपर वस्त्र आयुक्त

हथकरघा विकास आयुक्त, कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1981

सं० ए०-32013/5/80-प्रशा०-II(ए)—राष्ट्रपति, श्री एम० के० राव, सहायक निदेशक ग्रेड I (प्रोसेसिंग) को

9 जनवरी 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये मुनकर सेवा केन्द्र, विल्ली में उप निदेशक (प्रोसेसिंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी० शंकर,
संयुक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1981

सं० ए०-19018/54/73-प्रशासन(राज०)—राष्ट्रपति जी, भारतीय अर्थ सेवा के एक अधिकारी तथा लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई के उप निदेशक, श्री यू. बी० शेनाय को निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर, दिनांक 31 अक्टूबर, 1980 (माराह) में सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19018(494)/80-प्रशा०(राज०)—विकास आयुक्त, (लघु उद्योग) लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर के श्री आर० के० जोड़ी, लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (रसायन) को दिनांक 26 दिसम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, उसी संस्थान में सहायक निदेशक ग्रेड-2 (रसायन) के पद पर तत्काल रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 जनवरी 1981

सं० ए०-19018(49)/73-प्रशा०-(राज०)—सिचार्ज मंत्रालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (आर्थिक) के पद पर नियुक्ति होने पर पर श्री ए० ए० किदवाई ने दिनांक 31 दिसम्बर, 1980 (माराह) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर के सहायक निदेशक, ग्रेड-I (आर्थिक अन्वेषण) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

महेन्द्रपाल गुप्त, उप निदेशक,
(प्रशा०)

पूति तथा निपटान महानिदेशालय,

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1981

सं० ए०-17011/78/74-प्र-6—राष्ट्रपति, निरीक्षक निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री सुशांत कुमार बन्वोपाध्याय को दिनांक 31-12-80 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०), (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री बन्वोपाध्याय ने सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 31-12-80 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार संभाल लिया।

3. श्री बन्वोपाध्याय दिनांक 31-12-1980 से 2 वर्ष के लिये परिवीक्षाधीन रहेंगे।

दिनांक 22 जनवरी 1981

सं० ए०-17011/183-प्र०-6—महानिदेशक, पूति तथा निपटान ने पूति तथा निपटान निदेशक, मद्रास, के कार्यालय में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री के० आर० नारायणन को दिनांक 8 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से इस महानिदेशालय के अधीन कनकता निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षक अधिकारी (इंजी०) के पद पर तत्काल आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त कर दिया है।

एम० जी० मनन,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते, महानिदेशक, पूति तथा निपटान

(पूति विभाग)

(प्रशासन अनुभाग-)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1980

सं० प्र-I/1(534)—राष्ट्रपति, सहायक निदेशक पूति (ग्रेड I) भारतीय पूति सेवा ग्रुप 'ए' के (ग्रेड III) श्री एस० पी० एस० भाटिया को दिनांक 5 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक उप निदेशक पूति (भारतीय पूति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड II) के रूप में तत्काल आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री एम० पी० एस० भाटिया ने सहायक निदेशक पूति (ग्रेड I) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 5 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्न से पूति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक पूति का कार्यभार संभाल लिया।

एम० जी० मनन
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 30 जनवरी 1981

सं० ए-19011/266/80-स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सफाई पर राष्ट्रपति, श्री आर० के० सिन्हा, को दिनांक 22-12-80 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक खान नियन्त्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एस० बी० अली
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

कलकत्ता-16, दिनांक 30 जनवरी 1981

सं० 4-174/80/स्था०—निदेशक, भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण, श्री बी० संजीव रेड्डी, को इस सर्वेक्षण के अण्डमान और निकोबार क्षेत्र, पोर्ट ब्लेयर में सहायक मानवविज्ञानी (सांस्कृतिक मन्त्रव्यवस्था विभाजन) के पद पर अस्थायी रूप में 6 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया है।

एम० आर० आईच
प्रशासनिक अधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1981

सं० 6(17)/60-एस-I—श्रीमती के० बी० मांजरेकर, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, बम्बई, 31 दिसम्बर, 1980 को अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गई हैं।

सं० 5(59)/68-एस०-एक—सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर, कुमारी जी० ई० मेहरजी कार्यक्रम निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा आकाशवाणी, बम्बई 30 दिसम्बर, 1980 की अपराह्न से सरकारी सेवा से मुक्त हो गई हैं।

दिनांक 28 जनवरी 1981

सं० 4(71)80-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री एच० के० मोहन राम की आकाशवाणी, गुलबर्गा में 2-1-1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(72)80-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री ए० कृष्णमूर्ति, को आकाशवाणी, धारवाड़ में 30-12-1980 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल
प्रशासन उप निदेशक,
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय,

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 जनवरी 1981

सं० ए०-12026/15/80-स्था०—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, बरिष्ठ लेखाकार तदर्थ श्री बी० एस० नेरी, को 8 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्न से 31 मार्च, 1981 तक या जब तक वह निष्पत्ति रूप से भरा जाए, जो भी पहले हो, लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 जनवरी 1981

सं० ए०-12026/14/80-स्थापना—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी श्री एम० एस० शान्ताराम

को 21 जनवरी, 1981 के अपराह्न से अगले आदेश तक सहायक प्रोडक्शन अधिकारी (बाह्य प्रचार) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 जनवरी 1981

सं० ए०-42022/1/81-स्थापना—इस निदेशालय के अस्थायी सहायक वितरण अधिकारी श्री के० के० बबूटा का दिनांक 13-1-81 को निधन हो गया।

जनक राज लिखी
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1981

सं० ए०-19010/48/76-जे० आई० पी०-प्रशा०-I—भारत सरकार बड़े खेव के साथ यह घोषणा करती है कि जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडेचेरी, के कनिष्ठ क्लीनिकी जीव-रसायनशास्त्र डा० ए० भास्कर राव का 28 दिसम्बर, 1980 को निधन हो गया है।

सं० ए०-35019/2/79-एस०जे० एच० प्रशासन-1—श्री बी० डी० उषल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, सफवरजंग, अस्पताल, नई दिल्ली स्वच्छता से 31 दिसम्बर, 1980 अपराह्न को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 30 जनवरी 1981

सं० ए०-19019/1/81-(मुख्यालय) प्र०-I—केन्द्रीय औषध मानक नियन्त्रण संगठन, पूर्वी जोन, कलकत्ता से डा० एल० वी० कानन का स्थानान्तरण हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 1 जनवरी, 1981 से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में औषध नियन्त्रक (भारत) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

शामलाल कुठियाला,
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1981

सं० ए० 19012/1/80-एस०आई०—सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार डिपू, करनाल के डिपू प्रबन्धक श्री सोहनलाल की सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने के फलस्वरूप वह 31 दिसम्बर, 1980 के अपराह्न से सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

शिव दयाल,
उप निदेशक प्रशासन

कृषि मंत्रालय

विस्तार निदेशालय

कृषि एवं सहकारिता विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1981

मि० सं० 2(2)/77-स्था०-(2)—श्री रामप्रकाश चन्द्र ने सरकारी सेवा से त्याग पत्र स्वीकार किये जाने पर मुख्य शिक्षक

(वर्कशाप) विस्तार शिक्षा संस्थान, नोलोखेडी, हरियाणा जो कि विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) का अधीनस्थ, कार्यालय है का कार्यभार 5 जनवरी, 1981 की अपराल्प से छोड़ दिया है।

कृष्ण कुमार शर्मा,
निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

मुम्बई-400 001, दिनांक 6 जनवरी 1981

सं० डी० पी० एस० 23/8/77-स्था०/322—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने इस निदेशालय के निम्नलिखित सहायक लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी अवधि के लिये उसी निदेशालय में रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	से	तक
1.	श्री ए० ए० शेष	24-5-80	7-7-80
2.	श्री बी० बी० व्यापारी	8-7-80	18-8-80

सं० डी० पी० एस०/23/8/77-स्था०/334—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने इस निदेशालय के उन सहायक लेखापालों में से प्रत्येक को जिनके नाम नीचे दिए जा रहे हैं, उनके नाम के सामने लिखी अवधि के लिये उसी निदेशालय में रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	से	तक
1.	श्री दर्शन सिंह	1-5-1980	15-6-1980
2.	श्री बी० जी० पिपलकर	5-5-1980	7-6-1980

सी० बी० गोपालकृष्णन,
सहायक कार्मिक अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपाक्कम-603 102, दिनांक 8 नवम्बर 1980

सं० एम० ए० पी० पी०/3(1341)/80-प्रशासन—महाराष्ट्र के महालेखाकार-II के नागपुर स्थित कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री सी० कृष्णामूर्ति, को उनकी प्रतिनियुक्ति महाराष्ट्र

के महालेखाकार-II के नागपुर स्थित कार्यालय से होने पर इस परियोजना में 11 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त किया गया है।

आर० पी० हरन,
प्रशासन अधिकारी,
कृते मुख्य परियोजना इंजीनियर

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-30, दिनांक 31 जनवरी 1981

सं० ए० 31013/111/79-स्था०-I—राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से मौसम विज्ञानी ग्रेड-II के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	स्थायी नियुक्ति की तारीख
1	2	3
1.	श्री नूतन दास	1-5-1971
2.	डा० ए० एस० रामनाथन	1-5-1971
3.	डा० एस० एम० कुलश्रेष्ठ	1-6-1971
4.	श्री एस० एन० सिपाठी	1-3-1972
5.	डा० एन० सेन राय	1-3-1972
6.	श्री जी० पी० श्रीवास्तव	1-4-1972
7.	श्री टी० एस० एस० अंजनेयुलु	18-9-1972
8.	डा० बी० एन० दत्ता	30-5-1973
9.	श्री एन० शेषाद्रि	1-5-1974
10.	डा० एन० एस० भास्करराय	1-7-1974
11.	श्री सी० ई० जे० डेनियल	1-7-1974
12.	श्री सी० पी० राव	1-7-1974
13.	डा० डी० बी० एल० एन० राव	1-9-1974
14.	श्री जी० आर० गुप्ता	1-10-1974
15.	श्री एस० बी० दातार	1-10-1974
16.	डा० बी० पद्मनाभमूर्ति	1-10-1974
17.	श्री आर० सी० महेश्वरी,	1-10-1974
18.	श्री एस० डी० एस० अम्बी	1-10-1974
19.	डा० आर० एन० केशवमूर्ति	30-10-1973
20.	डा० एच० एन० श्रीवास्तव	1-3-1975
21.	श्री बी० बी० डी० भार्गव	1-11-1975
22.	श्री एम० जयराम	1-11-1976
23.	श्री एस० राघवन	1-1-1977
24.	श्री यू० बी० गोपालराव	1-2-1977
25.	श्री आर० के० दत्ता	21-7-1977
26.	श्री जी० अरुणाचलम	21-7-1977

1	2	3
27.	श्री डी० के० मिश्र	21-7-1977
28.	श्री ए० के० सेन शर्मा	21-7-1977
29.	श्री पी० वी० जोसफ	21-7-1977
30.	श्री के० चटर्जी	21-7-1977
31.	डा० सी० आर० श्रीधरन	21-7-1977
32.	श्री सी० एम० शर्मा	21-7-1977
33.	श्री वी० पी० काम्बले	21-7-1977
34.	श्री बी० आर० अवस्थी	21-7-1977
35.	डा० वी० वेंकटेश्वरलु	21-7-1977
36.	श्री एम० सी० सिन्हा	21-7-1977
37.	श्री ए० बन्धोपाध्याय	21-7-1977
38.	श्री यू० एस० दास	21-7-1977
39.	श्री वी० बालसुब्रह्मण्यम	21-7-1977
40.	श्री सुरेन्द्र कुमार	21-7-1977
41.	श्री पी० के० मिश्र	21-7-1977
42.	श्री डी० वी० सुब्रह्मण्यन	21-7-1977
43.	श्री एस० आर० पुरी	31-7-1977
44.	श्री एस० के० घोष	21-7-1977
45.	श्री ए० आर० रामकृष्णन	21-7-1977
46.	श्री एस० एम० ए० अल्वी	21-7-1977
47.	श्री एस० जे० मस्के	21-7-1977
48.	श्री जितेन्द्र लाल	21-7-1977

दिनांक 31 जनवरी 1981

सं० ए० 32013(मौ०वि०उ०म०नि०)/आई/80-स्था-I—
राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित
निदेशकों की उसी विभाग में उनके नामों के सामने दी
गई तारीख से तीन महीने की अवधि के लिए या
इन पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले
हो (श्री के० वी० राव को छोड़कर जो 31-11-80 की
सेवा निवृत्त हो गए हैं) मौसम विज्ञान के उपमहा-
निदेशक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति करते हैं:-

1.	श्री ए० एम० चौधरी	26-11-1980 (अपराह्न)
2.	डा० ए० के० मुखर्जी	27-11-1980
3.	डा० ए० ए० रामणास्वामी	27-11-1980
4.	श्री के० वी० राव	27-11-1980
5.	डा० ए० एस० रामनाथन	26-11-1980 (अपराह्न)
6.	डा० एस० एस० कुलश्रेष्ठ	28-11-1980
7.	श्री एस० एन० त्रिपाठी	27-11-1980
	पी० के० दास	
	मौसम विज्ञान के महानिदेशक	

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1981

सं० ए-35018/4/80-ई०ए०—श्री आर० के० सरिन,
विमानक्षेत्र अधिकारी जो इस समय लखिया में प्रतिनियुक्ति
पर हैं, दिनांक 30-11-1980(अपराह्न) से मूल नियम
56(के) के परन्तुक के अधीन सरकारी सेवा से निवृत्त
हो गए हैं।

सुधाकर गुप्ता
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1981

सं० ए-44014/2/79-ई०सी०(पार्ट)—राष्ट्रपति ने वैमा-
निक संचार स्टेशन, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास के श्री एम०
दीनदयालन, वरिष्ठ संचार अधिकारी को दिनांक 27-12-80
(पूर्वाह्न) से अपने पद का कार्यभार छोड़ने और भारत सर-
कार के विद्युत विभाग, नई दिल्ली के कार्यालय में रु०
1500-60-1800 के वेतनमान में संयुक्त निदेशक के ग्रेड में
नियुक्ति पर जाने की मंजूरी प्रदान की है।

श्री एम० दीनदयालन दिनांक 1-7-1978 से संचार
अधिकारी का स्थायी पद ग्रहण किए हुए हैं। गृह मंत्रालय
के दिनांक 14-7-1967 के का० जा० सं० 60/37/63-स्था(प्र)
के पैरा 1 के (ii) में विहित आदेशों की शर्तों के अनु-
सार (सिविल सेवा नियम खण्ड 1 के अनुच्छेद 67 के
नीचे भारत सरकार का निर्णय सं० 9) उनका इस कार्यालय
में पुनर्गणनाधिकार दो वर्ष की अवधि के लिए रखा जाएगा।

सं०-32013/5/80-ई०सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित
अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख
से छः मास की अवधि के लिए उपनिदेशक/नियंत्रक
संचार के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और
उन्हें उन के नामों के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात
किया है :-

क्र० सं०	नाम और पदनाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य करने की तारीख
1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
1.	वी०के० वर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	निदेशक वैमानिक निरीक्षण, नई दिल्ली	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	30-12-80 (पूर्वाह्न)
2.	ए०वी० सुदर्शन सहायक निदेशक, संचार	डॉ जो सीए (मुख्यालय) दिल्ली	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	22-12-80 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4	5
3.	ए.मं.के. वरिष्ठ नागर विमानतः तकनीकी नन प्रशिक्षण अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, (पूर्वाह्न) केन्द्र, हलाह्ला- कलकत्ता बाद		17-12-80
4.	के.बी.राव, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, हैदराबाद नई दिल्ली	वैमानिक संचार स्टेशन, (पूर्वाह्न)	17-12-80
5.	ए.के. मिश्रा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	महानिदेशक नागर विमानतः (मुख्यालय)	महानिदेशक नागर विमानतः (मुख्यालय)	24-12-80 (पूर्वाह्न)

क्रम सं०	नाम और पदनाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारीख
1.	श्री एन० के० नानू, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	रेडियो निर्माण और विकास एकक, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।	रेडियो निर्माण और विकास एकक, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।	5-1-81 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एम० आर० राधबेन्द्र राव, वरिष्ठ संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।	9-1-81 (पूर्वाह्न)

सं० ए०-38013/1/80-ई० सी०—नागर विमानतः विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित अधिकारियों ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 31-12-1980 (अपराह्न) से अपने पद का कार्य भार त्याग दिया है :—

क्रम सं०	नाम और पदनाम	स्टेशन
1.	श्री पी० आर० सुवर्णनन्दन, उपनिदेशक	रेडियो निर्माण और विकास एकक, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।
2.	श्री एज० डी० वाडिया, सहायक तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई।
3.	श्री डी० डे०, सहायक संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।

सं० ए-38015/32/80-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानतः ने वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता के श्री बी० के० दास, सहायक संचार अधिकारी को दिनांक 30-9-80 (अपराह्न) से मूल नियम 56(के) के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दे दी है।

आर० एन० दास,
सहायक निदेशक प्रशासन

सं० ए-38015/3/80-ई० एस०—क्षेत्रीय निवेशक, मद्रास क्षेत्र मद्रास एयरपोर्ट के कार्यालय के श्री के. सी. मोनडेल, प्रशासनिक अधिकारी (समूह 'ख' पद) ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 31 दिसम्बर, 1980 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार दिया है।

दिनांक 31 जनवरी 1980

सं० ए-32013/5/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की अवधि के लिए उपनिदेशक/नियंत्रक संचार के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक

सं० 1/481/80-स्था—मद्रास शाखा के स्थानापन्न उप परियात प्रबंधक, श्री एम० बालकृष्णन निवर्तन की आयु के हो जाने पर 30 नवम्बर, 1980 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

सं० 1/114/80-स्था—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री आर० एन० कुलकर्णी को 23 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक आर्वी शाखा में अस्थायी तौर पर सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/181/81-स्था—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री के० जे० मोहन राव को 22 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक आर्वी शाखा में अस्थायी तौर पर सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 जनवरी 1981

सं० 1/256/80-स्था—मुख्य कार्यालय, बम्बई के स्थानापन्न परियात लेखा अधिकारी, श्री जे० जी० आवतारामानी निवर्तन की आयु के हो जाने पर 31 दिसम्बर, 1980 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

पा० कि० गोविन्द नायर,
निदेशक (प्रशासन)
उत्ते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय, बम्बई-1

बम्बई, दिनांक 28 जनवरी 1980

फा०सं० II/3ई(ए) 2/77 पाटें—निम्नलिखित प्रवरणक कोटि निरीक्षकों के प्रोन्नति पर उनके नामों के आगे दर्शाई गई तिथि से बम्बई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय-1 में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क स्थानापन्न अधीक्षक वर्ग "ख" के रूप में कार्यभार ग्रहण किया—

क्रम सं०	नाम	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1.	श्री वी०एस० प्रभु	15-12-1980 अपराह्न
2.	श्री वी०एस० दानी	16-12-1980 पूर्वाह्न
3.	श्री एन०वी० बाडकर	16-12-1980 पूर्वाह्न
4.	श्री के०जी० दातार	27-12-1980 पूर्वाह्न

कु० श्री० धिलीपसिंहजी

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बम्बई-1

मदुराई-2, दिनांक 28 जनवरी 1981

सं० 1/81—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निम्नलिखित वरिष्ठ श्रेणी निरीक्षकों की नियुक्ति अगले आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान पर स्थानापन्न रूप में अधीक्षक ग्रुप "बी" के रूप में की गई है। अधीक्षकों के रूप में कार्यभार ग्रहण किए गये स्थान एवं तारीख उनके नाम के सामने दिए गए अनुसार है :-

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्त स्थान	कार्यभार ग्रहण की गई तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
सर्वश्री			
1.	आर० पीटर आंतोनी	मुख्यालय, मदुराई	15-10-80
2.	डी०वी० मुब्बरायन	निवारक दल, दिन्डीगल	27-11-80
3.	आर० एस० पोन्-राज पाण्डी	शिवकाशी रेंज-4	20-10-80
4.	टी० राजन	शिवकाशी रेंज-7	16-10-80
5.	एम० शक्तिवेलु	मुख्यालय, मदुराई	8-10-80
6.	आर० वेंकटाचलम	सीमा शुल्क प्रभाग, रामनाथपुरम	1-11-80
7.	जी० श्रीनिवासन	मुख्यालय रेंज, मदुराई	30-10-80
8.	टी०एस० कृष्णमूर्ती	मुख्यालय, मदुराई	18-12-80
9.	एम० कायाम्ब	विरुधुनगर प्रभाग	20-12-80

(1)	(2)	(3)	(4)
10.	पी०एस० श्रीनिवासन	मुख्यालय, मदुराई	2-12-80
11.	ई०पी० एतिराजुलु	मुख्यालय मदुराई	19-12-80
12.	ए० बालसुब्रमणियम	रामेश्वरम सीमा शुल्क सिकल	19-12-80
13.	एम० कृष्णसामी	रामेश्वरम सीमा शुल्क सिकल	20-12-80
14.	जी० रामसामी	रामेश्वरम सीमा शुल्क सिकल	7-12-80
15.	के० तिरुमेनी	निवारक दल, नाग-पट्टिणम	4-12-80
16.	एन० कृष्णमूर्ती	सीमा शुल्क प्रभाग नागपट्टिणम	4-12-80
17.	वी०जे० क्सेवियर	विरुधुनगर प्रभाग	17-12-80
18.	जी० बालसुब्रमणियम	निवारक दल, विरुधुनगर	31-12-80
19.	के०एम० मोन्ना अहमद	राजपालयम प्रभाग	19-12-80
20.	एम० एबीनेजर	राजपालयम प्रभाग	7-1-81
21.	एस० वेलायुथम पिल्लै	पुदुग्रामम रेंज स्थान-कोविलपट्टी	12-12-80
22.	ए०टी०नूर मुहम्मद	परमकुडी रेंज	15-12-80
23.	जी० विजय राघवन	सीमाशुल्क निवारक, अरंतांगी	27-12-80
24.	एम० एस० रामनाथन	शिवकाशी 'डी' रेंज	3-12-80
25.	डी० रंगनाथन	दिन्डीगल प्रभाग	11-12-80

सं० 2/81—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निम्नलिखित कार्यालय अधीक्षकों की नियुक्ति अगले आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान पर स्थानापन्न रूप से प्रशासनिक अधिकारी (ग्रुप 'बी') के रूप में की गई है। प्रशासनिक अधिकारियों के रूप में कार्यभार ग्रहण किए गए स्थान एवं तारीख उनके नाम के आगे दिए गए अनुसार है :-

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्त स्थान	कार्यभार ग्रहण की गई तारीख
सर्वश्री			
1.	पी०एम० रामसुब्रमणियम	राजपालयम प्रभाग	10-12-80
2.	पी० अरुणाचलम	मदुराई ग्रामीण प्रभाग	5-12-80
3.	वी० ईश्वरन	मुख्यालय, मदुराई	16-12-80
			आर० जयरामन, समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय
सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क
नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1981

सं० 1/81—श्रीमती कुसुम सत्पथी ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, भुवनेश्वर में अधीक्षक ग्रुप 'क' के पद पर कार्यरत थीं, राजस्व विभाग के दिनांक 15-10-1980 आदेश सं० 151/80 (फा० सं० व० 22012/31/80-प्रश्ना II), द्वारा निरीक्षण निदेशालय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के, नयी दिल्ली स्थित मुख्यालय में स्थानान्तरण होने पर, दिनांक 9-1-81 (पूर्वाह्न) से, निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप 'क' के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

ह० अपठनीय
निरीक्षण निदेशक

ऊर्जा मंत्रालय
कोयला विभाग

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

सं० प्रशासन-12(30)81—आगामी आदेश जारी होने तक श्री एस० एस० सनेजा, स्थायी सहायक, दत्तान प्रशासन को तारीख 30-12-80 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर कल्याण प्रशासन के पद पर नियुक्त किया गया।

दामोदर पण्डा,
आयुक्त

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 15 जनवरी 1981

सं० ए-32014/1/80-प्रशा० पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, निम्नलिखित अधिकारियों को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थायी आधार पर उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से छः महीने की अवधि के लिए अथवा इन पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं :-

क्र० सं०	अधिकारी का नाम तथा पदनाम	अतिरिक्त सहायक निदेशक/ सहायक इंजीनियर के रूप में कार्यग्रहण करने की तारीख
1.	श्री एस०के० नम्बूरी, अभिकल्प सहायक	20-12-80 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एम०एस० अन्सारी, पर्यवेक्षक	15-12-80 (पूर्वाह्न)

ए० भट्टाचार्य,
अवर सचिव

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय
पूर्ति विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1981

सं० ए-32013/3/80-स्था० I—राष्ट्रपति भारतीय पूर्ति सेवा ग्रेड- अधिकारी श्री एस०बी० सुन्दरम् को 13-1-1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में उप महानिदेशक (पूर्ति) के पद पर नियुक्त करते हैं।

केवल कृष्ण शर्मा,
अवर सचिव

राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर

कलकत्ता-27, दिनांक 31 जनवरी 1981

सं० जी-65/बी(गो०)—महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता, श्री ए० अम्बेश्वर, वैज्ञानिक सहायक (यान्त्रिक), राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता को वैज्ञानिक अधिकारी (यान्त्रिकी) के पद पर राष्ट्रीय परीक्षण गृह, उत्तरी क्षेत्र, गाजियाबाद में दिनांक 30-10-80 (पूर्वाह्न) से विधिवत रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० जी० 65/बी० (गो०)—महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता, श्री आर० रामकृष्ण, विज्ञान सहायक (विद्युत्) राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता को राष्ट्रीय परीक्षण गृह, नारदन रोजन, गाजियाबाद में विज्ञान अधिकारी (विद्युत्) के पद पर दिनांक 5-12-80 (मध्याह्न) से नियमित नियुक्त करते हैं।

सं० जी०-65/बी० (गो०)—महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता, श्री डी० एस० माजूमदार, वैज्ञानिक अधिकारी (यान्त्रिकी) (तदर्थ) राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता को तथा कार्यत कार्यालय में दिनांक 31 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्न) में नियमित रूप से नियुक्त करते हैं।

ए० बेनर्जी, उप निदेशक (प्रशासन)
उत्ते महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता

विधि न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जेय नीदेल घेरुज कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलूर, दिनांक 23 जनवरी 1981

सं० 3365/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एनडूदारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जेय नीदेन धेरन्ज कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

पी० टी० गजवाबी,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
बंगलूर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स जोगिन्द्रा प्रिन्टर्स
प्रा० लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1981

सं० 4512-1981—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स जोगिन्द्रा प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जी० बी० सक्सेना,
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स कमानी इन्डस्ट्रीयल
कारपोरेशन लिमिटेड, के सम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 30 जनवरी 1981

सं० सांख्यिकी/1128/जयपुर,—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स कमानी इन्डस्ट्रीयल कारपोरेशन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स वन्दना पिक्चर्स
लिमिटेड के सम्बन्ध में

जयपुर, दिनांक 30 जनवरी 1981

सं० सांख्यिकी/1270—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स वन्दना पिक्चर्स लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स की बी शोल्वस
प्राइवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 30 जनवरी 1981

सं० सांख्यिकी/1703—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स की बी शोल्वस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जी० सी० गुप्ता,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
जयपुर।

आयकर आयुक्त का कार्यालय

कोचिन-682016, दिनांक 21 जनवरी 1981

आदेश

विषय : संस्थापन-आयकर अधिकारी, श्रेणी "बी"—
पदोन्नति और तैनाती—आदेश जारी करना

सं० 2/एस्ट/80-81—निम्नलिखित पदोन्नति और तैनातियों का आदेश एतद्वारा दिया जाता है :—

2. श्री एम० एस० सामुबल, आयकर निरीक्षक, आयकर कार्यालय, आलुवाई को तारीख 31-1-1981 के अपराह्न से या उनके कार्यभार लेने को तारीख से जो बाद में आता है और आगामी आदेशों तक रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में आयकर अधिकारी, श्रेणी 'बी' के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए एतद्वारा नियुक्त किया जाता है। वह दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षा पर होंगे।

3. उपर्युक्त पद की नियुक्ति बिलकुल अस्थायी और सामयिक है, जो किसी सूचना के बिना समाप्त करने लायक है। इनकी नियुक्ति उच्च न्यायालय केरल में फायल किए हुए मूल याचिका सं० 4023/1978 के फल पर आधारित है।

4. श्री एम० एस० सामुबल को पदोन्नत करके 31-1-1981 के अपराह्न से सेवा निवृत्त होने वाले श्री टी० मुत्तुस्वामी के स्थान पर, आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, तिरुवनन्तपुरम के रूप में नियुक्त किया जाता है। यदि आवश्यक है तो श्री टी० मुत्तुस्वामी, आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, तिरुवनन्तपुरम का कार्यभार अस्थायी रूप में श्रीमती जयश्री रामचन्द्रन, आयकर अधिकारी, ए-वार्ड तिरुवनन्तपुरम को सौंप सकता है। श्री एम० एस० सामुबल को अपने कार्यभार से मुक्त करने तक श्रीमती जयश्री रामचन्द्रन, बी-वार्ड, तिरुवनन्तपुरम का कार्यभार भी अतिरिक्त रूप में संभालेंगी।

दिनांक 22 जनवरी 1981

सं० 1/80-81—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (I) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं, आयकर आयुक्त, कोच्चिन एतद्वारा आयकर सिकिल, एरणाकुलम में, ए, बी, सी० और डी०-वार्ड, एरणाकुलम के अस्तित्व को कायम रखते हुए () एफ-वार्ड, एरणाकुलम और (ii) बी-वार्ड, एरणाकुलम नामक दो नया वार्ड का सृजन करता हूँ।

2. यह आदेश 23 जनवरी, 1981 से निवृत्त होगा।

एम० एस० उणिनायर,
आयकर आयुक्त कोच्चिन।

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1981

शुद्धि-पत्र

फ० सं० जुरि०/दिल्ली-6/80-81/37566—
अधिसूचना सं०/जुरि०/दिल्ली-6/80-81/32046 दिनांक 11-12-1980 जो टी० डी० एस० (वेतन सिकिल), नई दिल्ली के अधिकार क्षेत्र से संबंधित थी, के क्रम में आयकर आयुक्त, दिल्ली नई दिल्ली निदेश देते हैं कि उक्त अधिसूचना में दी गई अनुसूची के क्र० सं० 2 पर आयकर अधिकारी टी० डी० एस० (वेतन) सिकिल-2 नई दिल्ली के अधिकार क्षेत्र के सामने अनुसूची के कालम-3 में मद सं० (II) के बाद निम्नलिखित को जोड़ दिया जाए :—

(3) "सभी हवाई लाइनें, यात्रा एवं पर्यटक अभिकरण"।
यह शुद्धि पत्र 15-12-1980 से लागू होगा।

दिनांक 29 जनवरी, 1981

फा० सं० सी० आई० टी०/जुरि०/80-81/39738—
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-6, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम 2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी के साथ उसके द्वारा निर्धारित/निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के सम्बन्ध में समवर्ती अधिकारी क्षेत्र होगा किन्तु इसमें धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गये या इसके बाद सौंपे जाने वाले मामले शामिल नहीं होंगे।

कार्य निष्पादन की सुविधा के लिए आयकर आयुक्त, दिल्ली-6, निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-1-बी, नई दिल्ली को भी आयकर अधिनियम 1961 की धारा 124 की उपधारा-2 में प्रवेशित आदेशों को पास करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

यह अधिसूचना 15-1-1981 से लागू होगी।

1	2	3
1.	आयकर अधिकारी पांचवां अतिरिक्त वेतन सिकिल	आयकर अधिकारी पहला अतिरिक्त वेतन सिकिल

डी० एन० चौधरी,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-6, नई दिल्ली

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 अक्तूबर, 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1209/ए० सी० क्यू० 23-I/80-81—यतः मुझे मांगीलाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 674/ए-1, मकान है तथा जो 2, पंचनाथ प्लाट, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-5-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शिवलाल, धनराज लाल तथा दूसरे व्यक्ति,
5, भक्तिनगर, सोसायटी, राजकोट ।
(अन्तरक)

2. श्री जेठालाल ठकरसी, (एच० यू० एफ०),
2, पंचनाथ प्लाट,
'चंदन', राजकोट ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चिन में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान जो जमीन माप 210.7-72 वर्ग गज जिसका सर्वे सं० 674/ए-1, जो 2, पंचनाथ प्लोट, राजकोट में स्थित है । मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा विधि रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेज नं० 3010, दिनांक 15-5-80 में दिया गया है ।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 31-10-80

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 अक्तूबर 1980

निवेश सं० पी० आर० 1210/ए० सी० क्यू०/23-80-81-

अतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 649, मकान है तथा जो झालोरपा रोड, जूनागढ़, में स्थित है (और इससे उपापद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उ०के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया ऐसे प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मेमन शेड मोहम्मद यूसुफ मारफतीया,
दिवान चौक, जूनागढ़ ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सोनी शान्तीलाल अर्जन भाई रानीगां
(2) श्री सोनी रहूलाल शान्तीलाल रानीगां
(3) श्री सोनी मुकताबेन शान्तीलाल रानीगां
(4) श्री सोनी मंजुलाबेन, रसीकलाल रानीगां
चौकसी गली, जूनागढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मकान जो जमीन माप 555-44 वर्ग मीटर, पर खड़ा जिसका सर्वे नं० 649, जो झालोरपा रोड, जूनागढ़, में स्थित है । भिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा विधि रजिस्टर्ड बित्री दस्तावेज नं० 950, दिनांक 13-5-1980 में दिया गया है ।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, -I, अहमदाबाद

तारीख : 31-10-80
मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 अक्टूबर 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1211/ए० सी० क्यू०/23-I/80-81—यतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लोट नं० 51-52, जिसका असल आर० एस० नं० 1832, है तथा जो बेरावल पाटण रोड, बेरावल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेरावल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-5-80

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स सनवाय फूड कॉर्पोरेशन,
51-52, जी० आई० डी० सी०, प्लोट,
बेरावल ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स अलाना फोजन फूड प्रा० लि०
424, मौलाना आजाद रोड, मुम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो जमीन माप 2065-24 वर्ग मीटर पर खड़ा जिसका प्लॉट नं० 51-52 असल आर० एस० नं० 1832 जो बेरावल पाटण रोड, बेरावल में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा विधि रजिस्टर्ड बिक्री वस्तावेज, नं० 1470 दिनांक 27-5-1980 में दिया गया है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख 31-10-80
मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 अक्तूबर, 1980

निदेश सं० पी० आर० 1212/ए० सी० क्यू०/23-I/80-81—अतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 10 पैकी खुली जमीन है तथा जो 16, भीलपरा तथा डेबर रोड, राजकोट में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-5-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

3-466GI/80

1. श्रीमती लोला बन्तो चमनलाल मोदी
44, प्रह्लाद प्लॉट, राजकोट ।

(अन्तरक)

2. (1) भानुमती डी० दत्तानी,
(2) कलावन्ती के० दत्तानी
12, जगन्नाथ प्लॉट, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 10 की खुली जमीन का माप 108 वर्ग गज जो 16, भीलपरा तथा डेबर रोड, राजकोट में स्थित है। मिलकियत का पूर्ण विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा विधि रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेज नं० 2352, दिनांक 31-5-1980 में दिया गया है ।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 31-10-1980

मोहर :

प्ररूप आई० डी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 अक्टूबर, 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1213/ए०सी०ए०/23-I/80-

81—यतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० लेख नं० 51, खुली जमीन है तथा जो डेवर रोड, राजकोट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूच में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्रीमती लीलावती चिमनलाल मोदी,
44, प्रह्लाद प्लोट, राजकोट।

(अन्तरक)

2. कलावतीदेन, कान्तीलाल दत्तानी
12, जगन्नाथ प्लोट,
राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका लेखा नं० 51, पैको माप 108 वर्गगज जो डेवर रोड, राजकोट में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन, रजिस्ट्रार की अधिकारी द्वारा विधि रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेज नं० 2353, दिनांक 16-5-1980 में दिया गया है।

मांगी लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 31-10-80

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 नवम्बर, 1980

निदेश सं० पो० आर० नं० 1220/ए० सी० व्यू०/23-I/80-81—यतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1/ज०/4, जो चयपुरोपस्टेट, सं जाननगर प्लॉट नं० 6, प्लॉट नं० 9, सब-प्लॉट नं० ज०-1, है तथा जो बेडा बंदर रोड, जामनगर में स्थित है (और इससे लगाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्जन दिनांक 21-5-80 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीत :—

1. (1) श्री जयराज नरभोराम मेहता,
(2) श्री नवीनदास जयराज मेहता,
मृत व्यक्ति के बरखुरदार
शान्ताबेन, जयराज मेहता,
शारदा सदन, 4 मजिल ,
5-ए, बेलपी रोड,
फोर्ट मुम्बई-400001

(अन्तरक)

2. श्री जल करामूर ओज बीली मोरिया,
श्रीमता चद्रिकाबेन जाल बीली मोरिया
पंडित नेहरू रोड,
जामनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विगुण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अचोक्ष्णाअरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शर्तों और पदों का, या उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूचा

एक मकान जो शान्ता के नाम से जानकारी जो जमीन माप 4500 वर्ग फीट पर खड़ा है जिसकी सर्वे नं० 2/ज०-4, प्लान नं० 6, पाटा प्लोट नं० 9-1, जो बेडा बंदर रोड, जामनगर में स्थित है । मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्र दस्तावेज नं० 13300 दिनांक 21-5-1980 में दिया गया है ।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 3-11-80
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर, 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1240/ए०सी०ए०/23-I/80-

81—यतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 3818/5 तथा 3534/2 का शीट नं० 9 तथा
16, है तथा जो द्वारका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय कल्याण पुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-5-80

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अनन्त प्रसाद पुष्पोत्तम पुरोहित
बैंक आफ बरोडा,
द्वारका ।

(अन्तरक)

2. (1) विजयकुमार गोविन्द भाई हमानी
(2) रमेशभाई गोविन्द भाई हेमानी
द्वारका ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लॉट जिसका माप 2090-56 वर्ग
मीटर जिसकी सर्वे नं० 3818/5 तथा 3534/2 जो द्वारका
ओखा हाई वे रोड, द्वारका में स्थित है । मिलकियत का पूर्ण
वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज नं० 763, दिनांक 8-5-80
में दिया गया है ।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 24-11-80
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1043/ए० इयू०/23-II/80-
1—यतः मुझे, मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एस० नं० 249 (पैकी) है तथा
वाड़ी डाक मार्केट के नजदीक, बक्रवादी रोड में
स्थित है (और इसमें उपायधन अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय बरोडा में रजिस्ट्रार-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
15-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अधिक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्रीमती शकुन्तला बाई, पाण्डुरंग थानवाला
शान्तिलाल त्रिभुवन दास का कुल मुख्याार
प्रताप नगरी, पोल 1
मंगल बजार,
बरोडा। (अन्तरक)
2. महाश्वर ओयल मिल्स,
भागीदारों के द्वारा
मीताराम अग्रवाल और दूसरे। (अन्तरिती)
56 विजय सोसाइटी, नजदीक वाड़ी
मार्केट, बरोडा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और गोडाउनसैड जो वाड़ी शंक मार्केट के नजदीक,
बक्रवादी रोड, आर० एस० नं० 249 (पैकी) में स्थित है। जो
बिक्री खाना नं० 3014 में सम्पूर्ण वर्णित है। जो सब रजिस्ट्रार
बरोडा का कार्यालय में तारीख 15-5-80 में रजिस्ट्रार की गई
है।

मांगीलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 3-1-1981
मोहर :

प्रकृष घाई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० आर० न० 1044/ए०सी० व्यू०/23-II/80-
81—यतः मुझे, मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिनका सं० बरोडा, नीरियल नं० 194, प्लॉट
नं० 11, है तथा जो भोजे निजामपुरी, बरोडा में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूचि में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरोडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 20-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन प्रजापत मूल्य से कम के दृष्टान्त
प्रतिकूल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे प्रष्ट विश्वास
करने का कारण है कि प्रभावित सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृष्टान्त प्रतिकूल से, जिन दृष्टान्त
प्रतिकूल का पन्द्रह प्राप्ति से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमो करके या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी प्राय या किसी वा या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चुनी भाई हरिभाई,
बसाड । (अन्तरक)

2. श्रीमती आनन्दीबेन, हंसमुखभाई, पारीख,
निजामपुरा गांव के नजदीक,
छानी रोड, बरोडा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के
पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही प्रर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और प्लॉट जो पहला जिला में निजामपुरा विस्तार
में बरोडा सोरियल नं० 194, प्लॉट नं० 11 (पैक) में
स्थित है और जो बिक्री खाता में सम्पूर्ण वर्णित है। जो बरोडा
मह रजिस्ट्रार के कार्यालय में तथा रजिस्ट्रेशन नं० 3094
तारीख 20-5-80 में रजिस्ट्री की गयी है।

मांगी लाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 3-1-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 3 जनवरी 1981

निवेदन सं० पी० आर० 1045/ए०सी०व्यू०/23-II/80-
81—यतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० बेरोडा सं० एम० नं० 194, प्लॉट नं० 11
है तथा जो नैसामपुरा, बेरोडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार प्राधिकारी
के कार्यालय बेरोडा में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 20-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
सहस्र से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री सूरिभाई, हरिभाई,
बासाड ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कैलाशबेन जेठालाल पटेल,
नैमापुरा, गांव के पाम,
चानी रोड, बेरोडा ।

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन और प्लॉट जो नीचे मजिल में नैसामपुरा विस्तार
में बेरोडा सिय० एम० नं० 194 प्लॉट नं० 11, (पक्की) में
स्थित है । जो विक्रीखत में सम्पूर्ण वर्णित है । जो सब
रजिस्ट्रार बेरोडा के कार्यालय में रजिस्ट्रीकृत नं० 3095 में
तारीख 20-5-1980 में रजिस्ट्री की गयी है ।

मांगी लाल
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 3-1-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1981

निर्देश सं० पी० आर० 1046एक्वी०/23-II/80-81

—यतः मुझे, मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 641, टिकानं० 50 (एस० नं० 2294), पक्षी जमीन में महारानी शान्तादेवी रोड, नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-6-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. (1) ईश्वरभाई नारण भाई पटेल,
वर्गहि रोड, नवसारी ।

(2) मणिबन, दयाभाई कुशल भाई का विदवा

(3) मैनर दिनुभाई दया भाई

(4) मैनर किशन कुमार,

जनकल्याण सोसायटी, नवसारी ।

(अन्तरक)

2. राम भाई तखनबुभाई नार्ईक

(2) परवीन चन्द्रा, केशवलाल उपाध्याय, के द्वारा
जन कल्याण को० ग्रो० हाउसिंग सोसायटी,
महारानी शान्तादेवी, रोड, नवसारी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जो सर्वे नं० 641, टिकानं० 50. सि० एस० नं० 2294 नवसारी में स्थित है । जो तारीख 26-6-1980 में रजिस्ट्री की गई है ।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 3-1-1981
मोहर :

प्राकृतिक बाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी, 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1047/एफ्यू/23-II/80-
81—यतः मुझे मांगी लाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जैत नं० 8, 2153-बी, नं० 8 तानी है तथा
जो चिपवाड, देवीपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 28-5-80 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात्:—

4-466GI/80

1. दिलीप कुमार बातुभाई, उमारवाडिया खुद और
सुसादिअन ऑफ माइनर प्रतीक, दिलीप कुमार
उमारवाडिया, शाहपुर सोसाइटी अहमदाबाद ।

(2) महेशकुमार बातुभाई उमरवाडिया ।

(3) मनीश महेश कुमार उमरवाडिया शाहपुर
सोसाइटी, अहमदाबाद । (अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्रा चन्द्राकान्त
कुडुमपाली, सोसायटी के नार्थ की
दर्शन सोसायटी के सामने, नानपुर, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मिलकत जो नोद नं० 215-3-बी, नं० 8, दवेसपुर, सूरत
में स्थित है । जो तारीख 28-5-1980 में रजिस्ट्री की
गयी है ।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 5-1-2980
मोहर:

प्ररूप अर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० आर० 1048/एफ्यू/23-II/80-81—यतः मुसे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 389-ए-1+2+3 है तथा जो पैकी बड आजा बिज कुमार रोड, कटुरगाव, सुरत में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-5-80 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपरोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. (1) श्री चन्द्रकान्ता, बासुभाई शाह,
वार्ड भालिया, स्टेशन रोड, सुरत।

(अन्तरिक)

2. श्री जमिलतराय तुलसीदास वाचीक,
सालावतपुरा, चौकी शेरी, सुरत।
और श्री जयनतिलाल नारबेराणी,
रमनिवाला, सुलतानपुरा,
सीधी शेरी, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो आर० एस० नं० 389 ए, 1, 2, 3, शेड नं० 59 असाकिन कुमार,
काटारगाव, सुरत में स्थित है। जो तारीख 22-8-80 में रजिस्ट्री की गई है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 5-1-1981
मोहर

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत-सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० आर० 1049/एक्यू०/23-II/80-

81—अतः मुझे मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसमें सं० जमीन एस० नं० 40, पैकी है, तथा जो
केमबीबासा-1, ब्रांच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय ब्रांच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कोर्रिज्ड नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री भागीदार रतनजी भोदुनजी और सणसका सुरेश,
दिनेश जी जीनवाला ।

(2) श्री दिनशाजी भेरदुन जी जिनवाला

(3) श्री सुरेशादिनाथजी जितवाला,

सिधिल लाइन्स, ब्रोच ।

(अन्तरक)

2. मिनर्वा कंस्ट्रक्शन्स कम्पनी प्रा. लि. :—

(1) श्री गोविन्द भाई एफ मिस्तरी

(2) दीपक कुमार गोविन्द भाई मिस्तरी,

भुलशुनी का-ग्रो० हाउसिंग सोसायटी ब्रोच ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्रवाई शुरू कराया है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आखिरी में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किन्हीं जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची.

जमीन जो एस० नं० 40, केमबीबासा, ब्रोच, प्लाट नं०
नं० 21, 20, 13, 19, 24, 22, 4, 23 में स्थित है । जो
तारीख ये महीने में रजिस्ट्रीकृत की गई है ।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 6-1-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1050/ए० ब्यू०/23-II/80-
81—यतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी ठिका नं० 10/2, एस० नं० 45, है तथा जो
दसतुवाड़, नवसारी में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नवसारी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 28-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. (1) श्री रमेशचन्द्र जमनादास, गांधी,
(2) श्रीमती सुशीलाबेन, रमेशचन्द्रा गांधी
(3) वसन्तलाल जमनादास गांधी
(4) श्रीमती जयश्रीबेन, वसन्तलाल गांधी
दसतुवाड़, नवसारी । (अन्तरक)
2. (1) नवकोवन ऐपार्टमेंट को-आपरेटिव हाउसिंग
सोसायटी लिमिटेड, ।
(2) सचिव, श्री रमनलाल जीवनजी गांधी
दसतुवाड़, नवसारी ।
प्रधान श्री चमपकलाल जे० बिस्कुट वाला
तारीटा बाजार, नवसारी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मिलकत जो ठिका नं० 10/2, एस० नं० 45, दसतुवाड़,
नवसारी में स्थित है । जो यथावत तारीख 28-5-1980 में
रजिस्ट्री की गई है ।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख 6-1-1981
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, ग्रहमवाबाव

ग्रहमवाबाव, दिनांक 3 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1051/एकबो/23-II/80981

—प्रतः मुझे, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 648 टिका नं० 54, सर्वे
नं० 2402, जमीन महारानी, शान्तादेवी रोड, है तथा जो नवसारी
में स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-5-80 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल
के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि वयापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमः :—

1. श्री रतनजी खुशाल, कुल मुख्तियार,
चगनलाल रतनजी,
(2) श्री नटवरलाल रतनजी,
(3) श्रीमती भानुमती रतनछोड़,
(4) श्री विलीप रतनछोड़,
(5) कुमारी नलिनी रतनछोड़
(6) श्रीमती इन्दुमती रामभाई
(7) कुमारी रोशनी रामभाई,
(8) कुमारी बीना रामभाई
महारानी शान्तादेवी रोड नवसारी

(अन्तरक)

2. श्री बी० एल० शाह,
के द्वारा मालाणी ट्रस्ट, दूसरा मंजिल 35/371,
चन्द्राथवन, धनजी स्ट्रीट, बम्बई-400003

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो आर० एस० नं० 648-टिका नं० 54, एस० नं०
2402, महारानी शान्तादेवी रोड, नवसारी में स्थित है। जो
तारीख 27-5-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, ग्रहमवाबाव।

तारीख : 3-1-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1052/एकवी-23-II/80-81-

अतः मुझे, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिनकी सं० आर० एम० नं० 20-21-415 (पैकी) है। तथा जो प्लॉट नं० 6 मांजालपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1), श्रीमती निर्मला हिमदलाल पोपट,
5-तुषार, विठल सोसाईटी,
अयरतना मकान के नीचे, बरोडा

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश वसन्ती ठाकर, सत्या विजय फारसन
हाउस वाला,
राजमहल रोड, दारा पोल, (हाथी पोल) बरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाही कराया है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कम में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के निम्नलिखित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रतिष्ठापित के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला जमीन जो प्लॉट नं० 6 आर० एम० नं० 20-21 415 (पैकी) मांजालपुर विस्तार बरोडा सिटी में स्थित है। जो बिक्री खत नं० 2905 में सम्पूर्ण वर्णित है और जो बरोडा रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 8-5-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 3-1-1981
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 जनवरी 1981

निवेश सं० पी० आर० नं० 1053/एचबी23-II/80-81—

धितः मुंशे मीनी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग की अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 2197, 98, वार्ड नं० 2 रुधरपुरा, है। तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-5-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए संय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आशङ्कित था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

(1) श्री माणिकशी कुलवर्जी कृष्णादेवी दासदी, कुलमुखीतयार श्री केकोबार जमशेदजी अनतिया, धनसार मोहल्ला, नानपुर, सूरत

(अन्तरक)

(2) अध्यक्ष श्री गुलामकादर अब्दुलरहमान मुशी सरामपुरा, मावी स्ट्रीट, सूरत।

(2) सचिव, मोहम्मद हुसैन अब्दुलरहमान तपाली, 2-2585, संगरमपुरा, मावी स्ट्रीट, सूरत के द्वारा धनदान कोओपरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी सूरत।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अबाध बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अधीन को० एस० नं० 2197, 2196, वार्ड नं० 2, रुधरपुरा, सूरत में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 14-5-1980 यथाविधि रजिस्ट्री की गई है।

माणिक लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 8-1-1981

मोहर :

प्रकृष भाई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 जनवरी 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1054/एकबी-23-II/80-81--

प्रतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके शब्दात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी एस० नं० 122, 124, गांव, फूलपाड़ा है। तथा
जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
21-5-1980

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वतः सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कल्पित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री हारशद नाथालाल रावल,
फूलपाड़ा, डिस्ट्रिक्ट सूरत

(अन्तरक)

(2) (1) श्री बाबूभाई दुधाभाई,
(2) श्री भिमजी भाई कल्याण जी भाई
धरमनगर को० ओप० हाऊसिंग सोसाईटी,
अश्विनकुमार, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धस्तायरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अड्डाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अड्डाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो फूलपाड़ा सर्वे नं० 122, 124 में स्थित है और
जो यथाविधि तारीख में मई 1980 में रजिस्ट्री की गई
है।

मांगी लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख: 8-1-1981

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) शर्मा बेंनिफिट ट्रस्ट, चोटापुर, सूरत।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मेमर्स आलपस एन्टरप्राइसेस, आरोग्य नगर, अथवा लाईन्स, सूरत।

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 जनवरी 1981

निर्देश सं० पी० आर० न० 1055/एवडी-23-II/80-81--

अन: मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और ज़मीन सं० नोंद, नं० 152, 153, 154, 155 और 156 (पी) है। तथा जो न्यू मोटानदिर, मन्दिर छोटा बाजार, वार्ड नं० 10 सूरत में स्थित है (और इससे उपाय अन्तर्गामी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

5-466GI/80

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

मिलकर जो नोंद नं० 15-2-156 (पी), मोटा मन्दिर के नजदीक, छोटा बाजार, सूरत में स्थित है। जो यथाविध सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 21-5-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 8-1-1981

अक्षेप :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यारम्भ, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजमेर-रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1056/एकबी-23-2/80-81

—अतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 85, अशवा बाई है तथा जो न्यू सिटी
एस० नं० 1502, आदर्श हाऊसिंग सोसाईटी अतुर सूरत में
स्थित है (और इससे उपाय अन्वेषी में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धारित्रीयों
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित स्थितियों, अर्थात्:-

(1) श्री धनसुखलाल लक्ष्मीदास शाह,
हारीपुरा, कालजास मुहल्ला, सूरत

(अन्तरक)

(2) श्री मंगनलाल ईचू भाई पटेल,
श्री सुरेशचन्द्र ईचू भाई पटेल,
आदर्शनगर, अशवा, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही प्रयुक्त होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 85, अशवा बाई, न्यू सिटी एस० नं० 15-02,
आदर्श को० ओ० हाऊसिंग सोसाईटी, अशवा, सूरत में स्थित है।
जो यथाविधि सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 29-5-80
में रजिस्ट्री की गई है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजमेर-रेज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 8-1-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1057/एकबी-23/1-II/80

81—प्रत. मुझे मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 125-1 और 126-सब प्लॉट नं० 19, है। तथा जो माजुरा सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-5-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमृतलाल कुण्ठादास माली,
ऊमालिसय, सूरत।

(अन्तरक)

(1) श्री (1) मानतप्रसाद चमपकलाल
दिवानजी खुद और एच० यू० एल० की मैनेजर,
(2) श्री राजीव मानतप्रसाद दिवानजी खुद और
गोड-डोल रोड का मैनेजर, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो माजुरा एम० नं० 125-1 और 126 सब प्लॉट नं० 19, एल० पी० 277 सूरत में स्थित है। जो तारीख 5-5-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

मांगी लाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 8-1-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 8 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० आर० 1058/एकबी-23-II-80-81—

अतः मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 45, डी० पी० एस० नं० 6, है। तथा जो एफ० पी० नं० 113 और 27, है जो माजुरा सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अब्दुलरजाक, अब्दुलरहमान वढ़िवाला का खुदमुखतयार महाराज बीबी जफरमिया और कुलसुम बीबी, फतहमुहम्मद मिस्तरी का पुत्री और अब्दुल रहमान छोटाभिया बढीवाला की विधवा, पानी-नी-भित, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री पनकज सी० जिनवाला,
श्री सी० जी० गोलावाला,
रवि दर्शन को० आप० हाऊसिंग मोसाईटी, सूरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो माजुरा आर० एस० नं० 45, टि० पी० एस० नं० 6, एफ० पी० नं० 113 और 27 सूरत में स्थित है। जो कार्यविधि तारीख 29-5-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

मांगी लाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख : 8-1-1981

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 105-9/एक्यू-23-II/80-81

—अतः मुझे मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 394-ए 1 प्लॉट नं० 83, है। तथा जो कोरिसन कोलोनी, सूरत में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन 16-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपाय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में कहीं किसी आय को बाधन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सबसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मनहरलाल रतनचोददास कापडिया,
ए-बी० 2-3, गुजरात हाऊसिंग रोड, खदोसना,
कोलोणी, सूरत
श्रीमती ललिता बेन ईश्वरलाल, जमीन टैम्पल के
मामने, साथन, सूरत

(अन्तरक)

(2) श्री लालजी इन्दरदाम, चन्दरकान्ति चुणीलाल,
ईश्वरलाल मंगललाल, माधोपुरा, जाडारवली,
सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो काटनमारू एस० नं० 394-ए पैकी नं० 83 में स्थित है। जो तारीख 16-5-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

मांगी लाल,
(सक्षम प्राधिकारी)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 8-1-1981

मोहर:

प्रकृष घाई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1060/एकवी-23-II/80-81

—अतः मुझे मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 35 62 (एस० नं० 47) एस० नं० है। तथा जो 4/11/114 रिमाल लैन (लाति) नं० है जो तालुका में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हीमा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीनता

26-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी घाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कथी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मोनीबाल मोहनलाल रमाणा,
हीमा तालुका

(अन्तरक)

(2) श्री नानाबाल नागिनदास शाह,
के द्वारा श्री विनोद चन्द्रा नागिनदास, नावापुरा,
नागरदास जोली सुरत

(अन्तरिती)

को उक्त सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सकान जिनका नं० 4/11/114, सिटी सर्वे नं० 35-62 (पी) नं० 47, में जो रिमाल लैन (लाति) के पास हीमा तालुका में स्थित है जो हीमा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 26-5-80 में रजिस्ट्री की गई है।

मांगी लाल,
(सक्षम प्राधिकारी)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 9-1-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जनवरी 1981

निदेश सं० आर०नं० 1061 एक्वी/80-81--अतः मुझे,
मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम नं० 87, डी० सी० एम०नं० 9, एफ० है
तथा जो पी० नं० 166 ए० और 166 बी० मजुरा, सूरत में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री अब्दुल रसाक बानुमिया,
राणी तालाब, अहमदाबाद,
सूरत। (अन्तरक)

2. श्री देवा भाई के० पटेल,
अध्यक्ष/सचिव, स्वामी,
गुणाटीनगर कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी,
दलित चन्द नगर, नानपुरा,
सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--हमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकर जो आर० एम० नं० 87, दि० वि० एम० नं० 9
एफ० पी० नं० 166 ए० और 166 बी० मजुरा सूरत में स्थित
स्थित है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद,

दिनांक : 13-1-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जनवरी 1981

निर्देश पी० आर० नं० 1062/एकवी-23/II/80-81—अतः
मुझे, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० नं० 160 है तथा जो बेरोडा, कसबा
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय बेरोडा में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-5-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में ही, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मधुबेन विनय भाई शाह,
171, बुधादेव कोलोनी,
बेरोडा। (अन्तरक)
2. श्री प्रवीन चन्द्रा लालचन्द शाह,
रावपुरा, बेरोडा। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रयोग 20-क में परिचित
है, वही प्रर्थ होगा, जो उन प्रयोग में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो बेरोडा कसबा, आर० एम० नं०
160 बेरोडा मिटो, में स्थित है। जो बिक्रीखता नं० 3253 पर
संपूर्ण वर्णित में बेरोडा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 30
मई, 1980 में रजिस्टरी की गयी है।

मांगी लाल,
(सक्षम प्राधिकारी)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

दिनांक: 13 जनवरी, 1981
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जनवरी, 1981

पि० आर० नं० 1063/एकवी 23/II/80-81—अनः,

मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० नं० 732-2 बरोडा कासबा है। तथा जो कारेलि भाग --- बरोडा सिटी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

6-466GI/80

1. मै० भगत लाल डीपॉजिट के द्वारा भागीदार
वित्तल भाई विक्रम भाई पटेल

यावदास मोहाला,

मिया भाग, से बरोडा।

(अन्तरक)

2. श्री जसवन्त लाल चन्दुलाल कोटाडया

और दूसरे।

वार्ड 1, बरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और कन्स्ट्रक्शन चालू जो वासबा एम० नं० 7342, कारेलि भाग, बरोडा सिटी में स्थित है और जो बिक्रीखत नेम्बेन्स 2959, 2961, 2962 और 2963 सम्पूर्ण वर्णन पर सब रजिस्ट्रार बरोडा के कार्यालय में तारीख 12-5-80 में रजिस्ट्री की गयी है।

(मांगी लाल)

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 13-1-1980।

मोहर:

प्ररूप आर्द्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी, 1981

निदेश सं० पी०आर०नं० 1304 ए०सी० क्यू० 23-I/80-
81—अतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 298, टी० पी० एस० नं० 14,
सब प्लोट नं० 3 है। तथा जो सुभाष ब्रीज अहमदाबाद में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री चन्द्रकान्त विक्रमलाल,

शाहीबाग, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री प्रयोजन : हरिमंदिर कोमप्रेटिव हाऊसिंह सोसाइटी
पत्ता: पी० आर० नं० 1299 के मूतानिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन एफ० पी० नं० 298, सब प्लोट नं० 3, टी०
पी० एस० 14, जिसका माप 2158.05 वर्ग मीटर में से
366.87 वर्ग मीटर जो सुभाष ब्रीज, अहमदाबाद में स्थित है।
मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज नं० 5375/76
दिनांक 23-5-1980 में दिया गया है।

(मांगी लाल)

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -I, अहमदाबाद

तारीख 12-1-1981।

मोहर:

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद-380009

अहमदाबाद-380009, दिनांक 12 जनवरी 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1303/ए० सी० क्यू० 23—80-
81—अतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 298, टी० पी० एस० 14, सब
प्लॉट नं० 3 है। तथा जो सुभाष ब्रिज, अहमदाबाद में स्थित है
(और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-5-80
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिः--

1. श्री संदर लाल त्रिकम लाल

शाही बाग, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. प्रपोजर हरिमन्दिर कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी, लि०
पता: पी० आर० नं० 1299 के मुताबिक।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका एफ० पी० नं० 298, सब प्लॉट नं०
3 टी० पी० एस० 14, 2158.05 वर्ग मीटर में से 366.87
वर्ग मीटर जो सुभाष ब्रिज, अहमदाबाद में स्थित है। मिलकत
का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बीक्री वस्तावेज नं० 5379/80/
दिनांक 23-5-80 में दिया गया है।

(मांगी लाल)

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 12-1-1981।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1302, सी० क्यू० 23-I/

80-81—अतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 298, टी० पी० एस० 14,
सब प्लॉट नं० 3 है। तथा जो सुभाष ब्रिज, अहमदाबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-5-80

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकूल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एवं अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य व उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)-
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इन्द्रकान्त त्रिकुमलाल शाहीबाग,
अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) प्रोपराइटर्स हरीमन्दिर को० ओ० हा० सो०
पता :—पी० आर० नं० 1299 के मुताबिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका एफ० पी० नं० 298, सब प्लॉट नं०
3, टी० पी० एस० 14, 2158.05 वर्गमीटर माप में से 366.87
वर्ग मीटर, जो सुभाष ब्रिज के पास, अहमदाबाद में स्थित है।
मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज नं० 5365/
66/दिनांक 23-5-1980 में दिया गया है।

मांगीलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख : 12-1-1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री सुमन्तलाल केशवलाल पटेल
रविवारपाथ, पूना-2

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना(2) श्री समीर एपार्टमेंट ऑनर्स एसोसिएशन
पत्ता :—आर नं० 1301 तथा 1306 के
मुताबिक।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद-300009

अहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1300 ए० सी० व्यू० 23-1/

80-81—अतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 82+83 पैकी सब प्लॉट नं० 193+
194—195 टी० पी० एस० 21 एफ० नं० 115 है। तथा
जो वस्त्रापुर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन मई 1980को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
है कि स्थावर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्ति को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन माप 252 1/2+252 1/2 वर्ग गज जिसका सर्वे
नं० 82+83 पैकी सब प्लॉट नं० 193+194+195
टी० पी० एस० 21 एफ० पी० नं० 115 जो वस्त्रापुर अहमदा-
बाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
द्वारा विधी रजिस्टर्ड विक्री दस्तावेज नं० 8609/8604 मई
1980 में दिया गया है।मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख : 12-1-81

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी 1981

निदेश सं० सी० आर० नं० 1301/ए० सी० क्यू० 23-1/
80-81—अतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 82+83 पैकी सब प्लॉट नं० 193+194
+195 टी० पी० एफ० 21 एफ० पी० 115 है। तथा जो
पस्त्रापुर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन मई 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री द्वारकादास बलदेवदास मणियार
ए-8, चन्दन सड़क,
प्रथम मंजिल,
11वीं रोड, मुम्बई

(अन्तरक)

(2) श्री समीर एपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन,
प्रेसिडेंट द्वारा;
श्री जयेंद्र, चन्दुलाल देसाई
83, स्वास्तिक सोसायटी,
सेंट जेवियर्स महिला होस्टल के पीछे
नवरंगपुरा, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सपस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन माप 252 1/2 + 252 1/2 जिसका सर्वे नं०
82+83 पैकी सब प्लॉट नं० 193+194+195 टी० पी०
एस० 21 एफ० पी० नं० 15 जो वस्त्रापुर अहमदाबाद में
स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन विधि रजिस्टर्ड विक्री दस्तावेज
नं० 8607/8603 मई 80 में दिया गया है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख: 12-1-81
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी 1981

निवेश सं० पी० आर० नं० 1306 ए० सी० क्यू० 23-I/
80-81—अतः सूची, मांगी साल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 82+83 पैकी सब प्लॉट नं० 193+194 +195 पैकी है। तथा जो वस्त्रापुर, अहमदाबाद टी० पी० एस० 21 एफ० पी० 115 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री मनुभाई मोहनलाल शाह,
ए-3, चन्वन मंडल,
प्रथम मंजिल, 11वीं रोड
मुम्बई

(अन्तरक)

(2) समीर एपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन,
प्रेसिडेंट द्वारा:--
श्री जयेंद्र चन्दुलाल देसाई
83, स्वास्तिक सोसायटी,
सेन्ट जेवियर्स लेडीज होस्टल के पीछे,
नवरंगपुरा,
अहमदाबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन माप 252 1/2+252 1/2 वर्ग गज जिसका सं० नं० 82+83 पैकी सब प्लॉट नं० 193+194+195 टी पी० एस० 21 एफ० पी० नं० 115 जो वस्त्रापुर अहमदाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री वस्तावेज, जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा विधि रजिस्ट्रेशन नं० 8607/8603 मई 1980 में दिया गया है।

मांगी साल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 12-1-81

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी, 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1309/अर्जन I/80-81—अतः—
मुझे, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'आय अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, बिचका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और ज़मका सं० 211-212, 214, 215 पैकी नं० बी०-28 है तथा जो जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन 8-5-80

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और परम्पत्ति (अन्तरिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मयत इंजीनियरिंग वर्कस

पार्टनर

नयन्तालांग गोवरधमदाम और हमारे

नर जेल के पास,

जामनगर ।

(अन्तरक)

(2) श्री शक्ती

श्री शंकर इंजीनियरिंग वर्कस

जामनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किये व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जो जामनगर में और ज़मका नं० 211, 212, 213, 214 और 215 है और जो पैकी प्लॉट नं० बी-28 में स्थित है ज़मका क्षेत्रफल 829.2658 मीटर है, यह प्रोपर्टी रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी जामनगर द्वारा डब नं० 1094 के आह्वान ता० 8-5-80 के रजिस्टर्ड किया गया है ।

मांगी लाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेजI, अहमदाबाद

तारीख 12-1-81

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री खोजा नुरोशा शेरोल

सरमुख्तयार नामा धारअकरनार
खोजा मोहम्मद हुसैन शेरोल,
छावड़ी चौक के पास,
मुन्हुवा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी, 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1308/ए० सी० ब्यू० 23-I/

70-81—अतः मुझे मांगे लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लॉट नं० 16 का नूतन नगर स्कीम नं० 1 है। तथा जो नूतननगर-1 महुवा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांश के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(2) (1) श्री मणोशंकर गिरधर लाल

(2) लक्ष्मीशंकर गिरधर लाल

(3) अंबाशंकर गिरधर लाल

(4) हिरकाबज: गिरधर लाल

नाना जाहारा महुवा।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो जमीन माप 26286 वर्ग फीट पर खड़ा जोनतन नगर स्कीम नं० 1 का प्लॉट नं० 16, जो महुवा में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रि कृत बिक्री दस्तावेज नं० 2007 दिनांक 12-5-80; दिया गया है।

मांगे लाल

सक्षम प्राधिवारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख: 12-1-81

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी 1981

निर्देश सं० पा० आर० नं० 1307 ए० सं० क्यू० 23-1/80-81—अन: मुझे मांगलाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसका सं० नं० 267, प्लॉट नं० 49, एम० एम० नं० 186/ई, 1 म 8 है। तथा जो देवबाग भावनगर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-5-80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय प्राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जमवन्तलाल मोहनलाल मेहता
मृत व्यक्ति के कायदेमर वारसदार
श्रीमती ताराबेन जमवन्तराय
21/1 रफाक अहमद किरवई रोड,
रिखिव, बिल्डिंग, मुम्बई-31

(अन्तरक)

(1) (1) श्रीमती मोनबाबाबेन जेकोबभाई कोवयर
(2) कुलाराबेन जेकोबभाई कोवयर
(3) सूर्यदाबेन जेकोबभाई कोवयर
(4) अरविन्दबेन जेकोबभाई कोवयर
चावड़ा गेट के पास, चारबत्ता चौक,
वडावा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के प्रभाव 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रभाव में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो जमीन माप 682.19 वर्ग मीटर पर खड़ा, जिसका सर्वे नं० 263, शीट नं० 238, प्लॉट नं० 49, जो देवबाग भावनगर में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज नं० 1131 दिनांक 27-5-80 ; दिया गया है।

मांगलाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 12-1-81

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी, 1981

निदेश सं० पा० आ० नं० 1305 ए० सं० क्यू० 23-

I/80-81—यतः मुझे मांगीला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० नं० 267, प्लॉट नं० 50 है तथा जो देवबाग, भावनगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भावनगर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन 27-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री मेहता जमवन्तराय मोहनलाल
रफ़क अहमद किटवई रोड,
रीखीव बिल्डिंग
मुम्बई-31

(अन्तरक)

(2) (1) श्री जेमेयभाई जेकोबभाई कोवयर
(2) श्री जीवीनयन भाई जेकोबभाई कोवयर
(3) श्री जोडनाथन भाई जेकोबभाई कोवयर
बडावा, चारबर्त नं० चौा, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बुन्नी जमीन का प्लॉट जिनका माप 67'-88' वर्ग मीटर, जिसका सर्वे नं० 257, प्लॉट नं० 50, जो देवबाग भावनगर में स्थित है। निम्नलिखित का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज नं० 1132 दिनांक 27-5-80 में दिया गया है।

मांगीलाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 12-1-81

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1299 ए० सी० क्यू० 23-आई/
80-81—अतः मुझे मांगीलास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसका सं० एफ० जी० नं० 298 टी० पी० एस० 14,
सब प्लॉट नं० 3 है। तथा जो सुभाष ब्रिज, अहमदाबाद में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रारकी अधिकार के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन 23-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विनोदभाई त्रिकमलाल
शाहीबाग,
'कदम'
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) प्रोपोज्ड हरिमन्दिर को० ओ० हा० सो०
प्रमोटर द्वारा

(1) श्री अमृतलाल जोयताराम पटेल,
प्रभुनगर, असाखा अहमदाबाद

(2) श्री रामेशचन्द्र एन० पटेल
किरनपार्क के पास, नवाबदाज, कैलाश फ्लैट
अहमदाबाद।

(अन्तरितां)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका फार्मल प्लॉट नं० 298 सब प्लॉट
नं० 3 टी० पी० एस० 14, इसका माप 366.87 वर्ग मीटर,
2158.05 वर्ग मीटर का भाग, जो सुभाष ब्रिज अहमदाबाद
में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रारके दस्तवेज
नं० 5369/80 दिनांक 23-5-80 में दिया गया है।

मांगीलास
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 12-1-81

मोहर :

प्ररूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1981

निदेश सं० टी० आर० नं० 1296 ए० स० ब्यू० 23-I/

80-81—अतः मुझे मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3 है। तथा जो भीलपरा मेडल रोड राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूर्ध. में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के वायलिस राजकोट में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन 9-5-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री राजेशकुमार चंयकलाल पारेख,

सरमुख्यनारनामा धारण

(1) श्री प्रभुलाल गिरधरलाल जोशी

(2) श्री दिनमुखलाल प्रभुलाल जोशी,

पो० लाल मेन्शन,

राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्री (1) बिक्रम बंद तुलसीदास मेहता

(2) श्री बहुरि बिक्रमचन्द मेहता

जंकशन प्लॉट, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग. न. मकान जो जमीन माप 77 वर्ग गज पर खड़ा है, जिसकी सर्वे नं० प्लॉट नं० 3 का रजिस्ट्रार कम्पाउन्ड मॉल प्लॉटम जो मालपुरा मार्ग रोड, राजकोट में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रार बिक्री दस्तावेज नं० 2872 दिनांक 9-5-80 में दिया गया है।

मांगीलाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख : 7-1-81

मोहर :

प्रत्यक्ष प्रार्थी टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1981

निदेश सं० सी० आर० नं० 1295 ए० सी० क्र० 23-1/80-81—अतः मुझे मांगीलाल मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पत्रानु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रयोग तब प्रविष्टिारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसका सं० प्लॉट नं० 3 है तथा जो मोलपरा मेईस रोड राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय राजकोट, में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर के द्वादश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, 'जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राजेशकुमार चंपकलाल पारेख

सरमुक्तयार धारण

(1) श्री प्रभुलाल गिरधरलाल जोशी,

(2) श्री हितमुखील प्रभुलाल जोशी,

पी० लाल मेजसन

राजकोट

(अन्तरक)

(2) (1) श्री विक्रमसिंह तुलसीराम महेता

(2) श्री बहक विक्रमचन्द महेता

11-अंकेशन प्लाट, राजकोट

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो जमीन माप 77 वर्ग गज जिसका रघुवीर कर्मशियल मील प्लाट का प्लॉट नं० 3 जो भोलपारा मईनरोड, राजकोट में स्थित और मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रार की अधिकारी द्वारा रजिस्ट्रारिक विवरों, दस्तावेज नं० 2851 दिनांक 8-5-80 में दिया गया है।

मांगीलाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख : 7-1-81

मोहर :

प्रश्न: आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत, सराव

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1981

निदेश सं० पी० आर० 1294 एम० यू० 23-2/80-81

—अतः मुझे मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20 जगनाथ प्लाट का प्लाट नं० 4 है। तथा जो 20 जगनाथ प्लाट राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्ध 12-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जी० एम० रोड
विद्यानगर रोड,
राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश वल्लभदास पारेख
भूपेन्द्र रोड, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके, पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गामी

एक खुली जमीन का प्लाट माप 154 वर्ग गज जिसका सर्वे नं० 20 गज नाप प्लाट का प्लाट नं० 4 जो 20 गज नाप प्लाट राजकोट में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत विक्री दस्तावेज नं० 2943 दिनांक 12-5-80 में दिया गया है।

मांगीलाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

तारीख : 7-1-81

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1293 ए० एस० व्यू० 23-1
80-81—अतः मुझे मांगी लाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
हमके पञ्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 454/प्लॉक सी० पैकी प्लॉट नं० 6
है। तथा जो कालावाड रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 3-9-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन ---

- (1) श्री (1) लाउनबाई करजीभाई
- (2) जगदीश करजीभाई
- (3) सुरेश करजीभाई

कालावाड रोड, राजकोट

(अन्तरिती)

- (2) श्री मनीषेन गोविंदजीभाई
- 31, जगनाथ प्लाट,
- राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो जमीन माप 126-6-108 वर्ग गज पर
खड़ा है जिसका सर्वे नं० 454, चौकी प्लॉक सी० पैकी प्लॉट नं०
6 जो कालावाड रोड, किर्थनगर राजकोट में स्थित है। मिलकत
का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज नं० 2788 दिनांक
3-5-80 में दिया गया है।

मांगीलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 अहमदाबाद

तारीख : 7-1-81
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1981

निदेश सं० सी० आर० नं० 1292/ए० आर० क्यू०

23-1/80-81—अतः मुझे मांगीलाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 205 एफ० है तथा जो बीरानी हाई स्कूल
के पीछे, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 29-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से युक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या अन्य/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

8-466GI/80

(1) श्री कीरीटकुमार रत्तीलाल शाए
17, पंचनाथ
राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री कानजी लाधाभाई पटेल
3 रामकिसनगर, पश्चिम बिरानी हाई स्कूल के
पीछे, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो जमीन पर खड़ा है। इसकी सर्वे नं०
205-1 तथा जो उमिया कृपया नाप से जानकारी, जो बीरानी
हाईस्कूल के पीछे, राजकोट में स्थित है। मिलकत का पूर्ण
वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज नं० 3320 दिनांक
29-5-80 में दिया गया है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2 अहमदाबाद

तारीख : 7-1-81
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस्०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1981

निर्देश सं० नं० पी० आर० नं० 1291/ए० सी० ब्यू० 23-1/80-81—अतः मुझे मांगीलाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 440-पी० प्लॉट नं० 22 ए० 23 पैकी सब प्लॉट 5-बी० है तथा जो मालंदा सीसाइटी, राजकोट में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3 मई, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसंशोधन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रामजीभाई बेचरभाई बाधयर ला० मोरपी।

(अन्तरक)

2. हरजीवनभाई पोपटभाई नालंदा सोसाइटी, कालावाड़, रोड़, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूकान जो जमीन माप 133-8-0 वर्ग गज जमीन पर खड़ा है जिसका सर्वे० नं० 440-बी प्लॉट नं० 22 और 23 पैकी सब प्लॉट नं० 5-बी, जो मालंदा सोसाइटी, राजकोट में स्थित है। मिलकल का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकरण बिक्री दस्तावेज नं० 2325 दिनांक 3-5-80 में दिया गया है।

मांगी लाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

दिनांक : 7-1-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1981

निर्देश सं० नं० पी० आर० नं० 1290 ए० सी० क्यू० 23-1/
80-81—प्रतः मुझे मांगी लाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है:

और जिसकी सं० 39 अ (भाग) एफ० पी० एस० 22 है तथा
जो अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 2 मई, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संबंध का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चतुभुज प्रेमजी बिस्ती,
26, चौकसी पार्क,
ईसनपुरा रोड,
मणिनगर,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. चतुभुज फलेट्स तथा शोपस ओनर एसोसिएशन
श्री डी० सी० मिस्त्री, चेयरमैन,
रेलवे क्लब के सामने,
मणीनगर,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात्ती व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन माप 744.15 वर्ग मीटर जिसका सर्वे०
नं० 39-ए (भाग) टी० जी० एस० नं० 22 एफ० सी० नं०
177-ए, जो नारायणनगर रोड के पास, अहमदाबाद में स्थित
है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा
रजिस्ट्रीकरण बिक्री वस्तुवेष नं० 7944 दि० 7-5-80 में
दिया गया है।

मांगीलाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

दिनांक: 3-1-1981

मोहर:

प्ररूप आर्टि.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जनवरी, 1981

निर्देश सं० नं० जी० आर० नं० 1289/80-81 ए० सी०

क्यू० 23-1—अतः मुझे भांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 429 पैकी हिस्सा नं० 2 और सं० नं० 430 पैकी हिस्सा नं० 2 है तथा जो वेजलपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित :-

1. श्री मानेकलाल लालदास पटेल बंगला नं० 9 भुवनंघर पार्क सोसायटी, नारायणपुरा, अहमदाबाद-13।

(अन्तरक)

2. स्वतमद पार्क को० ओ० रा० सो० चेंबरमैन द्वारा; श्री बालुभाई प्रभुदास वेसाई, 1152, झुपड़ीयास पोल, मांडवी पोल, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे० नं० 429 पैकी हिस्सा नं० 2 तथा सर्वे० नं० 430 पैकी हिस्सा नं० 2 माप, 7388 वर्ग गज जो वेजलपुर अहमदाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा रजिस्ट्रीकरण बिक्री दस्तावेज 8044/वि० 9-5-80 में दिया गया है।

भांगी लाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

दिनांक : 3-1-1981

मोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1287/ए० सी० क्यू० 23-I/
80-81—अतः मुझे मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 33 एफ० सी० नं० 15, बी० टी० पी०
एस० 7 है तथा जो खोखरा महेमदाबाद अहमदाबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
29 मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री रसीकलाल अंबालाल 'परमेश्वर' भारत सोसायटी,
काकरीया, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री गीता टी० ट्रेडिंग का० भागीदार द्वारा; श्री पीयूष
कुमार ओ० देसाई तथा दूसरे मीहाखली, छः रस्ते के
पास, अहमदाबाद-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक मकान जो जमीन माप 551 वर्ग मीटर पर खड़ा
है तथा सं० नं० 33 पंकी टी० जी० एस० नं० 7 एफ० जी०
नं० 15-बी, जो खोखरा महेमदाबाद, अहमदाबाद में स्थित है ।
मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा रजिस्ट्री-
करण बिक्री वस्तावेज नं० 8782 दि० 29-5-80 (37-जी०
फार्म जून 1980 के पहले पन्द्रह दिन में आया हुआ, दिया गया
है ।

मांगीलाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 30-12-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० 104/मई/80—यतः, मुझे, टी० ई० एस० आर० लक्ष्मी नरसिंहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5 है तथा जो हेरिंगटन रोड, 9वीं एवेन्यू चेटपत, मद्रास में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियामे मद्रास (डाक नं० 592/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) टी० पी० डोरैराज (2) टी० पी० सुन्दरम (3) टी० पी० रामकृष्णन (4) टी० पी० मीनाबाल (5) टी० के० कोकिला (6) टी० एन० नीला (7) टी० एन० बालसुब्रमनियन् (8) टी० एन० स्वामीनाथन (9) टी० एन० नटराजन (10) टी० एन० बालगोपालन (11) पी० गिराजा देवी (12) पी० रविचन्द्रन (12) पी० जमुना (14) पी० देवी (15) पी० विजयकुमारी (16) पी० राजेन्द्रन (17) पी० राजेश्वरी (18) पी० बाबुसुन्दरम (19) बी० भाग्य-लक्ष्मी (20) पी० परमसिवम (21) के० टी० राजन (22) के० जयरामन, नं० 5, हेरिंगटन रोड 9वीं एवेन्यू चिटपत, मद्रास।

(अन्त रक)

2. श्री बी० वैद्यनाथन्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 592/80 एस० आर० ओ० वेरिमपेट मद्रास
भूमि और निर्माण डोर व 5 हेरिंगटन रोड 9वीं एवेन्यू, चेटपत
मद्रास।

टी० ई० एस० आर० लक्ष्मी नरसिंहन्,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 19-12-1980

मोहर:

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कन्नामाई बिल्डिंग, वूसरी मन्जिल

621, माउन्ट रोड, मद्रास 600006

मद्रास 600006, दिनांक 12 जनवरी 1981

निर्देश सं० 20/मई, 1980--यतः मुझे, टी० ई० एस०

आर० लक्ष्मी नरसिंहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 31, 32, और टी० एस० नं० 710/1 है, जो पेराची ग्रामन कोइल स्ट्रीट, बनारपत, तिरुनेलवेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-I पालायमकोट्टाई (डाकु नं० 1070/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री टी० सुब्बैय्य मुदलियार

नं० 8, तरुमल नोरथ माडा स्ट्रीट, तिरुनेलवेली टाऊन
(अन्तरक)

2. श्रीमती अमुदा राजेन्द्रन।

पत्नी श्री के० वी० राजेन्द्रन, नं० 76, सेलवीनगर,
तिरुनेलवेली-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तक्षेप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1070/80 जे०एस०आर०ओ० I, पालयमकोट्टाई भूमि और निर्माण डोर नं० 21 और 32 और टी० एस० नं० 710/1, पेराची ग्रामन कोइल स्ट्रीट, बनारपत, तिरुनेलवेली।

टी० ई० एस० आर० लक्ष्मी नरसिंहन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास 600006

दिनांक : 12-1-1981
मीहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री टी० रामस्वामी, मुवलयार

(अन्तरक)

2. श्री वी० सुब्बराज ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

म द्रास, दिनांक 12 जनवरी 1981

निर्देश सं० 22/मई/1980/यतः मुझे, टी० ई० एस० आर०
लक्ष्मी नरसिंहन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 23, 24, 27, 28, 29, 30 और टि० एस०
नं० 710/1 पेराची अम्मन कोईल स्ट्रीट है जो पालयमकोट्टे
तिरुनेलवेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जे० एस० आर० I पालयमकोट्टे (झाक नं० 1072/
80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1072/80 जे० एस० आर० I पालयमकोट्टे
भूमि और निर्माण डोर नं० 23, 24, 27, 28, 29, 30 और
टी० एस० नं० 710/1, पेराची अम्मन कोईल स्ट्रीट, पालयमकोट्टे
तिरुनेलवेली ।

टी० ई० एस० आर० लक्ष्मी नरसिंहन्,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 12-1-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

1. श्री एस० टी० तीतारप्प मुदलिमार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री के० वेंकटसामी नामुद्रु

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाखेप :—

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1981

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० 114/मई/1980—यतः मुझे, टी० ई० एस०
आर० लक्ष्मी नरसिंहन्
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति त्रिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 710/1 पेराची ग्रामन् कोयिल
स्ट्रीट पालमम्कोट्टे तिरुनेलवेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-I पालयमकोट्टे (डाक नं०
1069/80) में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन मई, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब : उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रमाणनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-446 GI/80

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1069/80 जे० एस० आर० I पालयमकोट्टे
काली भूमि टी० एस० नं० 710/1, बेल, एककतिरीक मोटार
पंपसेट, पेराची ग्रामन् कोयिल स्ट्रीट, पालमम्कोट्टे तिरुनेलवेली।

टी० ई० एस० आर० लक्ष्मी नरसिंहन्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 12-1-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-; मद्रास

मद्रास-1, दिनांक 15 जनवरी 1981

निर्देश सं० 96/मई/1980—यतः, मुझे, टी० ई० एस० आर० लक्ष्मी नरसिंहन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16 और 17 (टी० एस० नं० 32) तिरुप्पी मेन रोड़ है, जो कुगी, सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (डाक नं० 2833/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. (1) वी० एन० वी० श्रीनिवास चेट्टीमार (2) श्रीमती एस० वजिरम्माल (3) एस० रंगराजु (4) एस० रामचन्द्रन ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एस० विजयकुमारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आकुमेंट नं० 2833/80 एस० आर० ओ० सेलम भूमि और निर्माण डोर नं० 16 और 17 (टी० एस० नं० 32) तिरुप्पी मेन रोड़, कुगी सेलम ।

टी० ई० एस० आर० लक्ष्मी नरसिंहन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

दिनांक: 15-1-1981

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 जनवरी 1981

निर्देश सं० 111/मई/1980—यतः, मुंबई, टी० ई० एस०

आर० लक्ष्मी नरसिंहन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1, वीर रागवन रोड़ टोडिमारपट है, जो मद्रास
81 में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जे० एस० आर०-II मद्रास नार्थ (डाक न० 2043/80) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अर्धीन मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके ह्यमान प्रतिफल से ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियमित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1 श्री विलसन 8 को० (पी०) लिट चैयरमैन श्री के०
वी० शेटी दी कडप्पा स्टार बेरीटैस (पी) लि० ।

(अन्तरक)

2 मेनेजिंग डायरेक्टर जनाब रहमतुल्ला साहिब ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट न० 2043/80 जे० एस० आर०-II मद्रास नार्थ
भूमि और निर्माण आर० एस० न० 4062 और न० 1 वीर
रागवन रोड़, टोडिमारपट मद्रास-1 ।

टी० ई० एस० आर० लक्ष्मी नरसिंहन्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजमेर रेज-I, मद्रास

दिनांक 15-1-1981
मोहर

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

1 श्री एस० रागवन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2 कुमारी प्रेमा सुन्दरपांडी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1981

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

निर्देश सं० 17/मई/1980—यतः, मुझे, टी० ई० एस०
आर० लक्ष्मी नरसिंहन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 46 (आर० एस० नं० 146/688)
के० के० नगर है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, के० के० नगर टल्लाकुलम मदुरै (डाब नं०
2353/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन मई, 1980 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

डाकुमेंट नं० 2353/80 एस० आर० ओ० के० के० नगर
टल्लाकुलम मदुरै, भूमि और निर्माण प्लॉट नं० 46 (आर०
एस० नं० 146/688) के० के० नगर मदुरै-20 ।

टी० ई० एस० आर० लक्ष्मी नरसिंहन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I मद्रास ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 16-1-1981
मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

- 1 (1) श्री जे० रामसामी पिल्लै (2) आर० श्रीदरन्
(3) जे० पलनिसामी (4) पी० किरुप्पनन (5) जे०
दनकोटी (6) पी० परमसिवम।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

- 2 दी मबुरा हिंदु परमनंट फंड लिमि०।

(अन्तरिस्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-I, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1981

निदेश सं० 5/मई/1980—यतः, मुझे, टी० ई० एस० आर०

लक्ष्मी नरसिंहन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० नई डोर नं० 59 (टी० एस० नं० 1122/1)
नमी जेल रोड है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, पुदुमंडपम (डाक नं० 919/80) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई,
1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिस्ती
(अन्तरिस्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 919/80 एस० आर० श्री० पुदुमंडपम, भूमि
और निर्माण डोर नं० 267 (पुराना) नमी डोर नं० 59
(टी० एस० नं० 1122/1) नमी जेल रोड, मदुरै।

टी० ई० एस० आर० लक्ष्मी नरसिंहन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 16-1-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1981

निर्देश सं० 32/मई/80—यतः, मुझे, टी० ई० एस० आर० लक्ष्मी नरसिंहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 179 टी० एस० नं० 281/1) वकील नमी स्ट्रीट है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1 श्री एस० सोमसुन्दरम,

(अतिरिक्त)

2 श्रीमती आर० सुशीला,

(अतिरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मध्योद्देशाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयुक्त होगा जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

डॉकुमेंट नं० 2491/80 जे० एस० आर० आ०-1 मदुरै
भूमि और निर्माण डोर नं० 179 (टी० एस० नं० 281/1)
वकील नमी स्ट्रीट, मदुरै।

टी० ई० एस० आर० लक्ष्मी, नरसिंहन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज-I मद्रास

दिनांक : 16-1-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1981

निर्देश सं० 33/मई/80—यतः, मुझे टी० ई० एस० आर० लक्ष्मी नरसिंहन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 179 (टी० एस० नं० 281/1) वकील नमी स्ट्रीट है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एम० आर०-I मदुरै (डाक नं० 2492/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1 श्री एम० सोममुद्रम् ।

(अन्तरक)

2 श्रीमती जानकी अम्माल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2492/80 जे० एस० आर० 1 मदुरै भूमि और निर्माण डोर नं० 179 (टी० एस० नं० 281/1) वकील नमी स्ट्रीट, मदुरै।

टी० ई० एस० आर० लक्ष्मी नरसिंहन्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 16-1-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1 श्रीमती अलिकार शांतकुमार ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2 श्री रेजी जान ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1981

क्रे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

निर्देश सं० 10834--यतः, मझे, राधा बालकृष्णन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 1035 और 1036 कुन्नूर
ठकन है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कुन्नूर (डाक नं० 655/80) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई,
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 655/80 एस० आर० ओ० कुन्नूर भूमि-आर०
एस० नं० 1035 और 1036 कुन्नूर ठकन ।

राधा बालकृष्णन्,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I मद्रास

दिनांक : 20-1-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1981

निर्देश सं० 15479—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 149/1, 149/2, 149/3, तञ्जावन कोइलजा है बट्टम, सीकाली (सीकालिए) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० II, मद्रास नार्थ (डाक नं० 1854/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन भई, 1980।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1 (1) एन० वी० कायरोगनम (2) ए० रामसामि चेट्टियार (3) एन० ए० नारायणसामि चेट्टियार (अन्तरक)
- 2 श्रीमती (1) सरोजा (2) सरस्वती। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1854/80 जे० एस० आर० II मद्रास नार्थ भूमि आर० एस० नं० 149/1, 149/2, 149/3 तञ्जावन काइल, सीकाली।

राधा बालकृष्णन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 20-1-1981
मोहर :

प्रत्येक आर्द्र० टी० एम० एस० —————

1 श्री आर० लक्ष्मणन्

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2 श्री के० नागराजन्

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जनवरी 1981

निर्देश सं० 10815—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उक्त बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एम० नं० 11/1271, सेट नं० 15 गांधीपुरम सैकिड स्ट्रीट है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इसमें उपाक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम कोयम्बटूर (डाक नं० 1748/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन बर्द, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी क्रय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के हस्ताक्षरार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1748/80 एस० आर० ओ० गांधीपुरम
कोयम्बटूर भूमि और निर्माण टी० एस० नं० 11/1271
सेट नं० 15, गांधीपुरम 11वीं स्ट्रीट कोयम्बटूर ।

राधा बालकृष्णन्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 23-1-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ग (1) के अधीन सूचना:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी 1981

निर्देश सं० 10793—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 341/5बी कृष्णरामपुरम कोयम्बतूर है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर 80 (डाक नं० 2684/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 (1) पी० बी० गोविंदस्वामी नायडू (2) जी० जगदीशन
(3) जी० मनोहरन।

(अन्तरक)

2 श्रीराम फाऊंड्री

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2684/80 भूमि—सर्वे० नं० 341/5बी, कृष्णरामपुरम कोयम्बतूर।

राधा बालकृष्णन्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 17-1-1981

मोहर:

रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1981

निर्देश सं० 10816—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णनन्,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 305 गणपति गांव है, जो कोयम्बतूर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर
(डाक नं० 1694/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 सेलवी टेकस्टैलस (पी०) लि०

(अन्तरक)

2 श्री सि० रतिनम

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1694/80 भूमि और निर्माण सं नं० 305
गणपति गांव, कोयम्बतूर।

राधा बालकृष्णनन्
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 16-1-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्रीमती (1) पा० कलावता (2) एच० तुलसा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी 1981

निर्देश सं० 10800—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसको सं० 11/30 किरास कट रोड आनिवासपुरम है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाक नं० 3022/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980 । को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवगतः—

2. श्री वो० लक्ष्मनन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

डाकुमट नं० 3022/80 भूमि और निर्माण—डोर नं० 11/30, किरास कट रोड आनिवासपुरम कोयम्बतूर ।

राधा बालकृष्णन्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 17-1-1981

मोहर :

प्रूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री गिराश कुश्तिबला तामस ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जनवरी 1981

निर्देश सं० 15404—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर दिसकी सं० डोर नं० 102 बेलचेरी रोड है, जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार-अधिकांश के कार्यालय, सैदापट, मद्रास (डाकु नं० 1369/80) में भारतीय रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री एम० अशोक कुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

डाकुमट नं० 1367/80 भूमि श्रीर निमाँण डोर नं० 102, बेलचेरी रोड, मद्रास ।

राधा बालकृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 20-1-1981

मोहर :

अक्षय आई० टी० एन० एस०—

1. श्री रबेका एम० मनि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री सी० हरिदास

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जनवरी 1981

निर्देश सं० 15405—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 102 बेलचेरी रोड है, जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार कार्यालय के कार्यालय, सैदापटा मद्रास (डाकु नं० 1370/80) में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताधरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1370/80 भूमि डोर नं० 102, बेलचेरी रोड मद्रास।

राधा बालकृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 23-1-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जनवरी 1981

निर्देश सं० 15406—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 102 वेलचेरी रोड है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैदापट, मद्रास (डाकु नं० 1368/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उममे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डाक्टर के० चाको कुरुविला

(अन्तरक)

2. श्री सी० वी० वेलायुदन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1368/80 भूमि 102, वेलचेरी रोड, मद्रास।

राधा बालकृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 20-1-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. डाक्टर सुलोचना अररररर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री एम० गोविंदन

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निररीक्षण)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रैंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

मद्रास, दिनांक 23 जनवरी 1981

निर्देश सं० 15407—यतः, : मुझे, राधा बालकृष्णन्,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसको सं० 102, वेलचेरो रोड है, जो मद्रास में स्थित है और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सैदापट, मद्रास (डाकु नं० 1367/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैः--

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

डाकुमेंट नं० 1267/80 भूमि नं० 102, वेलचेरो रोड, मद्रास।

राधा बालकृष्णन्

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निररीक्षण)

अर्जन रैंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--

दिनांक : 23-1-1981

मोहर :

प्रमाण माई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1981

निर्देश सं० 9008—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन उक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आर० एम० नं० 85/2 है तथा जो 36 रेडियारपालयम गांव, पोंडिचेरी में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओझुकराई (डाक नं० 574/80) में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए उक्त प्राप्ति, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तर लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर से हुआ उक्त प्राप्ति का वाहन, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहेगा था, उक्त प्राप्ति में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सरियो जोसफैन

(अन्तरक)

2. आइडेंटिटी रिमर्च इंस्टीट्यूट ट्रस्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अओहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 574/80 एम० आर० ओ० ओझुकराई भूमि आर० एम० नं० 85/2, 36, रेडियारपालयम गांव पोंडिचेरी ।

राधा बालकृष्णन
महाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 20-1-1981

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1981

निर्देश सं० 9008—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 85/1, है तथा जो 36,
रेडियार पालयम गांव पांडिचेरी में स्थित है (और इससे
उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीमुकराई (डाक नं० 626/80)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिश्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि ६—

1. श्रीमती सुसानी हरदपमेरी

(अन्तरक)

2. एंडटीटी रिसर्च इंस्टीट्यूट टिरुस्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 626/80 एस० आर० ओ० श्रीमुकराई
भूमि आर० एस० नं० 85/1, 36 रेडियारपालयम् पांडिचेरी ।

राधा बालकृष्णन्,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 20-1-1981
मोहर :

प्रकरण आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1981

निर्देश सं० 10821—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मजूम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० स० नं० 279/1, कोट्टम्पट्टी है, जो पोल्लाची
में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाची
(डाकु नं० 1463/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन आई, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किन्हीं धन या अन्य वास्तविकियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, डिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) बालसामी गण्डुर (2) सुब्रमणियम् गण्डुर (3)
कृष्णस्वामी गण्डुर ।

(अन्तरक)

2. श्री एस० रामजगन् ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्माग के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारणा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में
हितवाला किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें ;

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1463/80 भूमि सं० नं० 279/1, कोट्टम्पट्टी,
पोल्लाची ।

राधा बालकृष्णन्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 20-1-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1), के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1981

निर्देश सं० 15461—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 117/1 है, तथा जो तिरुवनमियूर मद्रास
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक,
मद्रास (डाक नं० 2562/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने
का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के कच्चे
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती श्यामला ।

(अन्तरक)

2. श्री डी० आर० एस० नारायणन्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियाँ करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अछोहस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 29-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2562/80 भूमि सं० नं० 117/1 तिरुवनमियूर।

राधा बालकृष्णन्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 5-1-1981

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी, 1981

निर्देश सं० 8998—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 96 इरवान कोयिल स्ट्रीट पांडिचेरी में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी (डाक नं० 994/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन आई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री वी० आर० देवनातन (2) मुत्तुसामी (2) चोकनातन (3) कोतडंपानी (4) कम्पन (5) आरमुगम (अन्तरक)

2. श्री एम० हरिकृष्णन् उद्धार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों 45 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोषिततापूर्वक के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 994/80 भूमि और निर्माण और नं० 96 ईस्वरण कायिल स्ट्रीट, पांडिचेरी ।

राधा बालकृष्णन्,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 17-1-1981
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री आर० पेचिमस लेवर,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्रीमति वी० तुलसियम्माल ।

(अन्तरिती)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1981

निर्देश सं० 10819—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 तुलसी राव स्ट्रीट है, जो तिरुपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुपुर (डाक नं० 1064/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1064/80 भूमि और निर्माण डोर नं० 4, तुलसी राव स्ट्रीट, तिरुपुर।

राधा बालकृष्णन्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 20-1-1981

मोहर :

प्रारूप आदेश, टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1981

निदेश सं० 10837—अतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वाकर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० ओमिलिड फिलवर हाल (आर० एस० नं०
4388) है, जो उटकमंड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, ऊट्टी (डाक नं० 808/80) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किमी आय की वास्तव उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
ने प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या प्रकट किया जाना चाहिए या छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री के० टी० राजन रेप जे० आर० शेसादिरि
(अन्तरक)
2. श्री कुशी गोपालदास जगहिमानी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वकार सम्पत्ति में निवेश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोग्यताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 808/80 भूमि और निर्माण आर० एस०
नं० 4388 ओमिलिड फिलवर हाल उटकमंड।

राधा बालकृष्णन्,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 20-1-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री देवकी अम्माल और श्री जयरामन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अबदुल्ला शेक मोहम्मद

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

मद्रास, 20 जनवरी, 1981

निदेश सं० 8997—अतः मुझे, राधा बाल क्रिष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 56/58 है, जो तियागराज स्ट्रीट, पांडिचेरी
में स्थित है (और इससे उपाय में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी (डाक
नं० 950/80 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908)
का 16 के अधीन मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

12-466GI/80

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 950/80

भूमि और निर्माण—डोर नं० 56/58— तियागराज
स्ट्रीट, पांडिचेरी ।

राधा बाल क्रिष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 20-1-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश सं० 10804—अतः मुझे, राधा बाल कृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० टि० एस० नं० 493/1, 487 पापनायक-
पालयम पुदुर है जो कि बारतियार रोड में स्थित है और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय कोयम्बतूर डाक नं० 2973/80 में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1608 (1908 का 16) के अधीन मई 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य का उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) एस० रत्नम एण्ड आर० मायूरानातन

(अन्तरक)

(2) डाक्टर एन० वेलूसामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
गम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० टि० एस० नं० 493/1, 487, बारतियार रोड,
पुडुर, पापनायपालयम, कोयम्बतूर।

राधा बाल कृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 6 जनवरी 1981
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी 1981

निर्देश सं० 10804—अतः मुझे, राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० नं० 493/1, 487, है तथा बारतियार रोड, पुदुर पप्पानायकेनपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोम्बतूर (डाक नं० 2974/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पी० नटराजन

2. एन० उत्तम कुमार

(अन्तरक)

(3) श्री हुम्सवेनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2974/80।

भूमि टी० एस० नं० 493/1, 487, बारतियार रोड, पुदुर, पप्पानायकेनपालयम।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 17-1-1981
मोहर:

प्रारूप आई०टी०एन० एस०—

(1) श्री एम० जानवेल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० अय्यापुरे ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

अर्जन रेंज, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी धारणा:—

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी, 1981

सं० 10799—यतः मुझे राधाबाल कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० 22/372 से 376 बिग बाजार स्ट्रीट, है, जो कोयम्बतूर में स्थित है और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाक नं० 3035/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16 के अधीन मई 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर या के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमम बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तिबों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाब अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

डाकुमेंट नं० 3035/80 ।

भूमि और निर्माण डाक नं० 22/372 से 376, बिग बाजार स्ट्रीट, कोयम्बतूर ।

राधा बाल कृष्ण

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 17-1-1981

मोहर ।

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

(1) श्री एम० जानवेल ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(अंतरक)

भारत सरकार

(2) श्री अय्यादुरे ।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालंधर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी 1981

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :—

सं० 1079—यतः मुझे राधाबालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
प्रयोजन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 378 ए, 378 बी, बिग बाजार है जो
कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोयम्बतूर (डाक नं० 3034/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

डाकुमेंट नं० 3034/80 ।

भूमि और निर्माण—डाक नं० 378 ए, 378 बी ।
बिग बाजार स्ट्रीट, कोयम्बतूर ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा के (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 17-1-81
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1981

निदेश सं० 15412—अतः मुझे, राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 511 गंवट रोड है, जो मद्रास-18 में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर मद्रास
(डाक नं० 767/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थन :—

(1) श्री. सुब्रह्मनिधम

(अन्तरक)

(2) श्री अम्मनी अम्मान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेट नं० 767/80

भूमि और निर्माण—डोर में 511, मवुंट रोड,

मद्रास-18

राधा बालकृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 10-1-81

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री कुमलकक्षमी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती हजीमा बी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

जालन्धर, दिनांक 14 जनवरी 1981

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

निदेश सं० 9005—अतः मुझे, राधा बाल कृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 21, 180 किरारा स्ट्रीट पांडिचेरी है,
जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी
(डाक नं० 542/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1980

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कबित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(क) अन्तरक न हुई ठिपाना प्राय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए,
गोपनीय ।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० : 542/80

(ख) किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने
में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण—डाक नं० : 21, 188 किरारा
स्ट्रीट, बट्टनचावड़ी, पांडिचेरी ।

राधा बालाकृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 239-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 20-1-81

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री एस० बी० रामदास।

(अन्तरक)

(2) श्री के० बडिवेलु।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जनवरी 1981

निदेश सं० 15414—अतः, मुझे, राधा बाल कृष्णनन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 21 है तथा जो सवुल्ला स्ट्रीट मद्रास-17 में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर मद्रास
(डाक नं० 734/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1680

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तित:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 734/80।

प्लॉट नं० 21, सवुल्ला स्ट्रीट, मद्रास-17।

राधा बालकृष्णनन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज- , मद्रास

दिनांक : 10 जनवरी 1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० इत०—

(1) श्री एल० एम० नागराज।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, 20 जनवरी, 1981

निदेश सं० 10813—अतः मुझे, राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० नं० 1/1080 जो वेल्मी,
गांव उटकमंड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
गुडलूर (डाक नं० 751/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मई 1980
को पुरोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए घटकरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और घटकर (घटकरों) और घटकरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घटकरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारा में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवर्धनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
13-466 GI/80

- (2) 1 के० सुचैमा
- 2 दबीरम्माल
- 3 एस० नीलकण्ठन
- 4 एस० मोहन
- 5 एम० शिवराज
- 6 आर० बालकृष्णन
- 7 आर० गोविंदराज
- 8 जी० सरस्वती
- 9 आर० चिकराज
- 10 मैनेर जी० रमेश
- 11 मैनेर जी० अन्तकृष्णन
- 12 मैनेर सी० रामकृष्णन
- 13 मैनेर सी० वेनुगोपाल

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाकड़ :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 751/80 एम० आर० ओ० गुडलूर।
एस्टेट भूमि और निर्माण—45.91 एकरम। आर० एम०
नं० 1/1, 1/2, 1/3, 1/4, 1/5, 1/6, 1/7, 1/8 और
46/बी 1, ए1/ए2। ओ० वेली गांव उटकमंड।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 20-1-81

मोहर :

परूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास, 20 जनवरी, 1981

निदेश सं० 10841—अन. सू. राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० कस्मतायकनुर उदुमलपुर, तिरुपुर है, जो
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उडुमलपट डाकुमेंट
नं० में 1104/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य व उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन हर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री आर० बैकटरामन
2 आर वरदागजा
3 आर० श्री निवासन
4 आर० गोविंदराजन
5 आर० राज गोपालन

- (2) श्री आर० शांता
2 रविचन्द्रन
3 ब्रमन कुमार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा या उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1104/80।
भूमि —सर्वे नं० 915 और 916 कस्मतायकनुर
उडुमलपट।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-II, मद्रास

तारीख 20-1-81
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

(1) श्री गुलाबबन बडीलाल मेहतानी और सातियों।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सबतीलाल जीवनलाल परक।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

अर्जन रज-II, मद्रास

मद्रास, 17 जनवरी, 1981

निर्देश सं० 15415--अन मुझे, राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 3, प्रकाशम रोड, मद्रास-17 है जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उत्पादक से और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाक न० 733/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1980 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए०से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

या

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विग जा सकें।

व्याख्याकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट न० 733/80।

भूमि और निर्माण--डोर न० 3, प्रकाशम रोड, टी० नगर, मद्रास-17।

राधा बालकृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार ए०. म०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख 17-1-81

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, 17 जनवरी, 1981

निर्देश सं० 15395—अन: मुझे, राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ३५४
परन्तु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 9, कस्तूरी रेंज अयंगर रोड, मद्रास-18
है जो मद्रास में स्थित है) और इससे उपाबद्ध में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
कार्यालय, मद्रास संयुक्त (डाक नं० 877/80) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मजुना विजय कुमार और आर० विजय कुमार।
(अन्तरक)

(2) श्री ए० अन्निपुर रहमान और टी० इम्महानी भेगम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जागे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 877/80।

भूमि और निर्माण—डोर 9, कस्तूरी रेंज, अयंगर रोड,
मद्रास-18।

राधा बाल कृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 17-1-81

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन एम -----

1 श्री सी० मुखैया कुमार रेड्डी (अन्तरक)

2 श्री एन० क० मामुनी (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास दिनांक 22 जनवरी 1981

आदेश सं० 15388—अन मुझे राधा बाल कृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 11 (आर० एम न० 4287/38

4288/7 गवत बीच रोड है जा

मद्रास-28 में स्थित है (और हमने उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर,
मद्रास (डाक न० 970/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई,
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति का
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डॉकुमेंट न० 970/80 एम० आर० ओ० मैलापुर,
मद्रास भूमि और निर्माण—प्लॉट न० 11 आर० एम० न०
4287/3 और 4288/7, सतुत बीच रोड, मद्रास-28।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज मद्रास-II

तारीख : 22-1-1981
मोहर .

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1981

निदेश सं० 15386—अतः मुझे राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, त्रिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लॉट नं० 24 (आर० एस० नं० 1607) मि ए
वी है जो मद्रास-II में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुरा
मद्रास (डाक नं० 10002/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 80।
को पूर्णतः संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीमें) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन हर दिन का अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में गुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. कुमारी आर० राजलक्ष्मी श्रीर (अन्तरक)
2. श्री ए० राजेस्वरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाभिन संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के पत्रों के पत्रों में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
दिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, धधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लॉट नं० 24, आर० एस० नं० 1607
सि० ए० टी० कोलनी मद्रास-4 (डाकुमेंट नं० 1002/80)

राधा बालकृष्ण
सक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज मद्रास)

तारीख 17-1-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमति आर० जमलक्ष्मी

(अन्तरक)

2. एम० एम० बल्ली

(अन्तर्गती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी 1981

निर्देश सं० 10812—अनः मझे राधा बाल कृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी० एम० नं० 615/13, 615/3 है, जो गुडलूर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडलूर, (डाक नं०
979/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकय अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मई, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरितों
(अन्तर्गतियों) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एम० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(डाकुमेंट नं० 979/80 एम० आर० ओ० गुडलूर

भूमि और निर्माण जी० एम० नं० 615/13, 615/3
और मानियों—गुडलूर गांव कोयमबटूर।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II मद्रास

तारीख : 17-1-1980।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पी० सुवर्गमनियम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 11 मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1981

निर्देश सं० 15378—अतः मुझे राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सभ्य अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2, 11 स्ट्रीट, जिन नगर चूलेमडू मद्रास,
जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावद्ध में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोड
बाक्कम मद्रास (डाक नं० 2253/80 में भारतीय रजिस्ट्री-
कर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई,
को 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि वशापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रतिफल के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

श्री मिलिफि अलेक्सांडर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2253/80

भूमि और निर्माण डोर नं० 2, 11 स्ट्रीट, जिन नगर, चूलेमडू,
मद्रास।

राधा बालकृष्णन

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 11 मद्रास

तारीख : 20-1-1981।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी 1981

निर्देश सं० 9006—प्रतः मुझे राधा बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 36 रेडियार पालयम है, जो पांडिचेरी में स्थित
है (और इससे उपाय में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पांडिचेरी (ब्लॉक नं०
515/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन गई, 1980।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल में, पूर्ण दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आर/या

(ख) ऐसी किसी आय या कमी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

4—466GI/80

(1) (1) सरवना तियागराज (2) सरवना देजा कुमार,
(3) सरवना सतया कुमार (4) एम० एम० ई०
सरवना नितया (5) एम० एम० ई० सरवना सुसानना,
(6) सरवना आनन्द (7) एम० एम० ई० सरवना
रेजिया (अन्तरक)

(2) मारी मेडम सुबन्तो मेरी, आरगटाड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(डाकुमेंट नं० : 515/80)

36, रेडियारपालयम, पांडिचेरी।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II मद्रास

तारीख 17 जनवरी 1981।

मोहर:

प्राकृप आई० टी० ए० ए०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1981

निदेश सं० 10804--अतः मुझे राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० टी० ए० नं० 9/287 रामनगर कोयम्बटूर है,
जो कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपोक्त में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकु
मेंट नं० 2879/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (108 का 16) के अधिनियम, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच दो अन्तरण के लिए
नया नया प्रतिफल निर्मातृ उद्देश्य से उक्त अन्तरक
निर्दिष्ट है ताकि यह कम से कम नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का
प्रतिफल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; प्रोत्साहन

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री एम० एस० राममूर्ति (अन्तरक)

(2) श्री एम० सुंदरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी पक्ष व्यक्ति द्वारा, पञ्चोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :- इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अनुच्छेद में
दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2897/80।

भूमि और निर्माण ० एस० नं० 9/287, रामनगर कोयम्बटूर,

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 20-1-1981।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1 (1) क० रामरामो वट्टियार (2) मुदुर्गन (3)
बालकृष्णन ।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना2. (1) मुन्नरमनि (2) दहवा सेनापति ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास दिनांक 17 जनवरी 1981

निदेश स० 8994—अतः मुझे राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन यत्न प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी स० 5, है, तथा जो नार्थ मद्रासिलगम स्ट्रीट, कन्नूर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कन्नूर (डाकुन० 814/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उचित दृश्यमान प्रतिकर में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 3) दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यादा समाप्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उद्योतुहात्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अनुच्छेद 20-ह में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अनुच्छेद में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर न० 5, नार्थ मद्रासिलगम स्ट्रीट, कन्नूर ।

राधा बालकृष्णन,
सहायक प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II मद्रास ।तारीख 17-1-1981 ।
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 17 जनवरी 1981

निर्देश सं० 10797—अतः मुझे राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 17/122, 123, 357 से 363, 363 ए है० तथा जो बैराष्टी हाल रोड कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर, (डाकु० नं० 2576/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) के० मुनियम्पन, नारायनस्वामी नायडु और और साथियों (अन्तरक)
2. (1) एस० मोहम्मद नुरुद्दीन (2) एस० अब्दुल गफूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2576/80 ।

भूमि और निर्माण डोर नं० 17/122, 129, 357 से 363, 363ए, बैरंटी डाक रोड, कोयम्बटूर ।

राधा बालकृष्णन,
 (सक्षम प्राधिकारी)
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज II, मद्रास ।

तारीख 17-1-1981 ।
 मोहर :

प्रकट आई० टी० नं० ए५—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 17 दिसम्बर 1980

आर० ए० सी० नं० 378/80—81—अतः मुझे एस०
गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी प्लॉट नं० 7/1 है, जो काचिगूडा हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाय अन्तर्गामी में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन आई, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,
अर्थात् :—

1. कुमारी जयाश्री प्रियादर्शनी माता बयोला हेरी, 23-
850/9 बेला, हैदराबाद। (अन्तरक)

(2) श्रीमति राज गुप्ता पति नंद किशोर गुप्ता 35/4
आर० टी० एफ० रो० जि० हेय बरकतपुरा हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जमीन नं० 7/1 रहमत बाग काचिगूडा हैदराबाद
वेतीर्न 505.5 चतुर गज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
5005/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 17-1-1980।
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1980

आर० ये० सी० नं० 379/80-81—अतः मुझे, एस०
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उक्त बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 6 है, जो सागर क्यू दोमलगूडा
हैदराबाद स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मई 1980।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मितल देवा पिता जे० शंकर लाल अग्रवाल 15-1-53
कममानगंज हैदराबाद (अन्तरक)

(2) मास्टर बाजीद अहमद खान पिता अशफाक अहमद
खान 12-2-458/16 मेहदीपटनम हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप नं० 6 पागर वियू नं० 1-2-524/3 दोमलगूडा हैदरा-
बाद विस्तीर्ण 35.86 चतुर मीटर जैसे से कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 4836/80 रजिस्ट्रीकृत अधिकारी हैदराबाद में
है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 17-12-1980।

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 17 दिसम्बर 1980

आर० ए० सी० नं० 380/80-81—अतः मुझे एस०

गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है
और जिसकी शाय नं० 10 है, जो सागर वीथी दोमलगूडा
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पश्चात् प्राप्त अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिनिधी) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) कुमारी शितल देवी पिता जे० शंकर लाल अग्रवाल
15-1-53 उसमान गंज (अन्तरक)

(2) श्रीमति नाती बाई सन 14-2-11/11 पर न
बाग हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृत्तबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें सूक्ष्म गणना और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आर० ए० सी० नं० 10 सागर वीथी नं० 1-2-524/3 दोमलगूडा
हैदराबाद विस्तीर्ण 349.5 चतुर फिट जैसे कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 4822/80 रजिस्ट्रीकृत अधिकारी हैदराबाद में
है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 17-12-1980।

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 18 दिसम्बर, 1980

आर० ए० सी० नं० 381/80-81—अत मुझे, एस०
गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
द्रमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-200 है, जो हिमायत नगर हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 19 मई 1980।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गुन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भूत या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री कूकूर वेंकटरामाराव पिता के० लक्ष्मी
नरसिंहाराव (2) कूकूर वेंकटाकृष्णा कुमारी पति के०
वेंकटरामा राव (3) कूकूर लक्ष्मी नरसिंहा रेड्डी पिता
के० वेंकटरामाराव (4) कूकूर वेंकट रमेश रेड्डी
पिता के० वेंकटरामा राव 3-6-200 हिमायत नगर
हैदराबाद-29 (अन्तरक)

(2) मेगर्स मारावा कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड 3-6-200
हिमायत नगर हैदराबाद-29 एम० डी० सिक्कारदा
पि हिडोचा 11, नेहरू नगर सिकन्दराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 645 चतुर गंज (539.22 चतुर मीटर) और
घर नं० 3-6-200 हिमायत नगर हैदराबाद में जैसे कि रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 4089/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद
में है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 18-12-1980।
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

आर० ए० सी० नं० 382/80-81—अतः मुझे एस०
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 1-2-216 ई, जो दोमलगूडा हैदराबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्पित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

51—466GI/80

- (1) श्री पूरनास्वामी रामलिंगम पिता के० आर० एम०
पूरनास्वामी पिटलै और अदरस 5-9-828 गनफोंडरी,
हैदराबाद । (अन्तरक)
- (2) पी० एफ० के० मूरती पिता पी० वेंकटरत्नम
और अदरस 1-2-8/7 दोमलगूडा हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जमीन 396 चतुराज नं० 1-2-216 दोमलगूडा
हैदराबाद जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4847/80
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्दराजन
(सक्षम अधिकारी)

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 31-12-1980 ।

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

आर० ए० सी० नं० 383/80-81—अतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2-2-1144/11/6 ई, जो नल्लागांव हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1980 ।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री प्रितम राम ऐलियास उमाकान्तम 2-2-1144/11/6 नई नालागांव हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० नरसिंग राव पिता फेट पि० कृष्णस्वामी नयी नल्लागांव हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 2-2-1144/11/6 नयी नल्लागांव हैदराबाद विस्तीर्ण 307 चतुरस्रज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4825/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 31-12-1980 ।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

आर० ए० सी० नं० 384/80-81—अतः मुझे एस० गोविन्द-
राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी स० खुली जमीन है, जो गगनमहल हैदराबाद में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुमोची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन मई, 1980 ।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति जी० महालक्ष्मम्मा पति फेट लक्ष्मीनारायण
1-2-593/15 गगन महल कोलोनी कोमलगूडा,
हैदराबाद । (अन्तरक)

(2) (1) टी० बी० देव दत्त 3-3-891 कालबीगूडा
काञ्चिगूडा हैदराबाद ।

() पी० आर० सूलस्लता नं० 8 गवरनमेंट कोलोनी
पातिगुड्डा सिकन्दराबाद (3) ऐ० अनसूया 3-6-
190/3 हिमयतनगर हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन नं० 31 सर्वे नं० 183 गगनमहल अशोकनगर
हैदराबाद विस्तीर्ण 81.6 चतुर गज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख
नं० 2314/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्दराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 31-12-1980 ।

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 31 दिसम्बर 1980

आर० ए० सी० नं० 385/80-81—अतः मुझे एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-414 है, जो टापाबाजार हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रीमति हयाराकबाई पति मोतीलाल 581 बोलारम बाजार सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

(2) श्रीमति सविता देवी पति टी० दलीप सिंह श्रीमलकंडा गांव मोनगीर तालुक नालगोंडा जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-1-414 सागर टाकिस के सामने टापाबाजार हैदराबाद जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4171/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्दराजन,
(सक्षम अधिकारी)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद।

तारीख : 31-12-1980।
मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जनवरी, 1981

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 386/80-81—अतः मुझे
एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-623 और 625 है, तथा जो अबीक रोड
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदरा-
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक मई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:-

(1) श्री (1) वि मद्रुसूदन राव पिता वि० वेंकटय्या
पुराना हवेली हैदराबाद (2) एस० सिवाकुमार
पिता समूद्राला चन्द्रय्या फिलखाना हैदराबाद ।
(अन्तरक)

(2) (1) नजिर आली पिता सदरुद्दीन खजानी आगापुरा
हैदराबाद ।

(2) मोहनलाल पिता मगनलाल लकानी, निजामाबाद ।

(3) ग़ुलाम आली पिता मगनलाल लकानी, निजामाबाद ।

(4) ऊमेश आली पिता मगनलाल लकानी, निजामाबाद ।

(5) बबरुद्दीन. पिता मगनलाल लकानी निजामाबाद ।

(6) प्यार आली पिता खानजी बाई निजामाबाद ।

(7) ग़ुलजार पति बसरत आली कोरानी करिमाबाद हाउ-
सिंग कोलोनी, चिराग आली लेन हैदराबाद ।

(8) परवीन पिता अनवर हुसैन खोरानी ।

करिमाबाद हाउसिंग कोलोनी चिराग आली लेन हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

घर नं० 5-8-623 और 625 अबीक रोड हैदराबाद विस्तीर्ण
562 चतुर गज 464. 67 चतुर मीटर जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 4677/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-1-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जनवरी 1981

निदेश सं आर० ए० सी० नं० 387/80-81—अतः मुझे
एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-17/11 है, तथा जो चापलरोड हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रीमती महमद साजिद अहमद पिता लेट महमद सुलेमान 3-5-784/2/2 किंग कोती हैदराबाद ।
(अन्तरक)

(2) श्री महमद तिलावत अहमद पिता महमद सुलेमान 8-5-784/2/2 किंग कोती हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 5-9-171/1 चापल रोड हैदराबाद विस्तीर्ण 300 चतुर गज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2330/80 रजिस्ट्री-कृत अधिकारी हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-1-1981
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 1 जनवरी 1981

निदेश सं० आर० ऐ० सी० नं० 388/80-81—अतः मुझे
एस० गोविन्द राजन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
और जिसकी सं० खुली जमीन है, तथा जो यूसफगूडा हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपातख अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक मई 1980 को

पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती पी० कमलादेवी पी० और टी० कोलोनी
हैदराबाद-28 । (अन्तरक)
- (2) मैसर्स सरवेल कोम्प्रापरेटिंग हाउसिंग सीसैटी पी० और
टी० कोलोनी हैदराबाद-500028 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां कराई हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 203/4 गूंटस नं० 2510.75 चतुरणज सर्वे
नं० 129 यूसफगूडा हैदराबाद जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4586/
80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 1-1-1981

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 1 जनवरी 1981

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 389/80-81—प्रतः मुझे
एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 1-10-74/71 है, तथा जो बेगमपेट हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अग्रतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती विलमाती राधा लक्ष्मनी सौभाग्यवती पति
विलामाटी रमेश चन्द्रा चौधरी बलासूपाडू गांव जगद्व्या-
पेट तालुक कृष्णा जिला ए० पी० जी० पी० ए०
विलमाटी रमेश चन्द्रा चौधरी पिता पदमनाभन
8-3-898/16/2 नागारजून नगर कोलोनी हैदरा-
बाद । (अन्तरक)

(2) (1) मोनीका आर० शा पिता रमेश डी० शा०
(2) केतन आर० शा पिता रमेश डी० शा 3-5-
1093/20 बेंकटेश्वरा कोलोनी नारायणगुडा
हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन और घर जैसे कि विस्तीर्ण 917 चतुर गज नत् 766.7
चतुर मीटर नं० 1-10-74-71 बिगामपेट सिकन्दराबाद में जैसे
कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4527/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 1-1-1981
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 1 जनवरी 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 390/80-81—प्रतः मुझे
एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 2-2-186/18/2बी है, तथा जो बाग अम्बरपेट
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत्, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यापार में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अस्तित्वों, अर्थात्:—

16—466/G180

(1) कुमारी मायानी ब्रेव्या पिता आगम्या 22-1-142
चाकरघात हैदराबाद। (अन्तरक)

(2) (1) मानील्वा पल्ली श्री साई सिबा रामकृष्णा
(2) एम० रवी (3) एम० बी० विनयकुमार गारडियन
पिता एम बी० रामावलूनायडू 3-6-584/2 हिमयत
नगर हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितरुद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 2-2-186/18/2बी बाग अम्बरपेट हैदराबाद जैसा
कि विस्तीर्ण 249 चतुरगज 208.16 चतुरमीटर जैसे कि रजिस्ट्री-
कृत बिलेख नं० 4379/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में
है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-1-1981

मोहर:]

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जनवरी 1981

आर० ए० सी० नं० 391/80—81—अतः मुझे एस०

गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1-4-522/1 है, जो मोलकपुर हैदराबाद स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिणियों) के बीच का अन्तरण के लिए नगण्य माना जा सकता है, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन हर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

(1) (1) महमद यूसुफ पिता महमद ईशाक 1-4-522/1 भोलकपुर हैदराबाद (2) सहनाज बेगम पिता महमद काकरपेट (3) इलीमुन्नीसा बेगम महमद मशीर 1-4-522/1 भोलकपुर हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री महमद उसमान पिता महमद ईशाक 1-4-522/1 भोलकपुर हैदराबाद

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राजपत्रकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रभाव होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-4-522/1 भोलकपुर हैदराबाद विस्तीर्ण 975 चतुर गज 824.10 चतुर मीटर जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4321/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 1-1-1981
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 1 जनवरी, 1981

आर० ये० सी० नं० 392/80-81—अतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-4 है, जो बिगमपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980 ।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् 1—

(1) (1) हुमायून अहमद खान (2) अफेतार बेगम
(3) अहमद अब्दुल्ला 11-4-634/1 ऐ० सी०
गारडस हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमति राफिक फतिमा 18-8-226/19/बी
प्रसानतनगर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर नं० 7-1-4 बिगमपेट हैदराबाद जैसे कि विस्तीर्ण 300 चतुर गज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 896/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-1-1981 ।
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जनवरी 1981

आरं. ये. सी. नं. 393/80-81—अतः मुझे, एस. गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब की अधीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 5-7-226, 227 है, जो आगापुरा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

(1) (1) कैरुन्नीसा बेगम (2) सैयद तैमूर अहमद (3) सैयद मीरान अहमद (4) सैयद मूजामील अहमद पिता सय्यद अहमद (5) बिलकीस सैयद (6) आतिआ सैयद (7) शहीन सैयद (8) शकीला सैयद (9) नसरिन सैयद (10) मूजाबीन सैयद (5) से (10) पति सैयद अहमद 5-7-226 आगापुरा हैदराबाद । (अन्तरक)

(2) श्रीमति (1) बिलकीस सैयद पति सैयद किलवार शा 5-7-277 आगापुरा हैदराबाद ।

(2) सैयद हसूम शा (3) सैयद फरक (4) सैयद जहिर शा (5) बाशरा सैयदी माता बिलकीस सैयद 5-7-277 आगापुरा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पहली मंजिल 5-7-226 और 5-7-227 आगापुरा हैदराबाद जैसे कि विस्तीर्ण 178 चतुरगज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 4855/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है ।

एस. गोविन्दराज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-1-1981 ।

मोहर :

प्ररूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 जनवरी 1981

प्रारं. ये० सी० नं० 394/80—81—अतः मुझे, एस०
गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10-2-317/51 है, जो विजयनगर कोलोनी
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मई, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15
पेन्सेंट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थातः--

- (1) (1) श्रीमति अजिजूनीसा बेगम पति रिसालदार
महमद हफुजुद्दीन 10-2-317/51 विजयनगर
कोलोनी हैदराबाद
- (2) असरारुल हफीज (3) अनवर अल हफीज
(4) डारुदना (5) अजीज सुलताना (6) फरजाना
(7) नफिजा (8) नासीरा पिता रिसालदार मेजर
महमद हफुजुद्दीन 10-317/51 विजयनगर कोलोनी
हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) महमद गसीयूद्दीन, पिता महमद अबदालू अफीम
11ब1-1267 आगापुरा हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 10-2-317/51 विजयनगर कोलोनी हैदराबाद
विस्तीर्ण 400 चतुरगज या 334.40 चतुर मीटर
जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 4378/80 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्दराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 3-1-1981
मोहर :

प्रकरण पाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 जनवरी 1981

सं० आर० ये० सी० नं० 395/80-81—अतः मुझे एस०
गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सूखी जमीन है, जो मलकाजगिरी सिकन्दराबाद
स्थित है (और इस से उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मई, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (1) पी० बी० रोम तिममाराजू (2) साब्वाराजू
रामकृष्णनन राजू (4) रामचंद्रा राजू (5)
जयकुमार 1/191 लिंगोकीगु सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स दी मोडरन कोम्पारेटिव हाउस बिल्डिंग सोसैटी
लिमिटेड 4-1-1624 टाप्पाबाजार हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सूखी जमीन सर्वे नं० 303/1 विस्तीर्ण 1 याकर 25 गोंटास
मलकाजगिरी सिकन्दराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
5223/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्दराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 5-1-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1981

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 396/80-81—अतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-621/371 है तथा जो संजिवरेड्डीनगर हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैंरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री बिराधा राव घर नं० 55 सुवर नगर यरागुडा हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती के० रोल भवानी, 7-1-621/371 संजिवरेड्डी नगर हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 7-1-621/371 संजिवरेड्डीनगर कोलोनी हैदराबाद विस्तीर्ण 270 चतुर गज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 923/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-1-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1981

निदेश सं०आर० ए० सी० न० 397/80—81—अतः मुझे
एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-684 है तथा जो बंजारा हिल्स हैदराबाद में
स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक मई, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री मीर महमद आली पिता मीर अफजल आली
8-2-684 रोड नं० 12 बंजारा हिल्स हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री महमद वहीद फरूकी पिता महमद मजीद फरूकी
233/2आर० टी० विजयनगर कोलोनी हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष
लिखित में कि जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशिष्टित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5 घर नं० 8-2-684 रोड नं० 12 बंजारा
हिल्स हैदराबाद विस्तीर्ण 1000 चतुर गज जैसे कि रजिस्ट्री-
कृते निलेख नं० 4812/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद
में है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-1-1981।

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 9 जनवरी 1981

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 398/80-81—अतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16-2-836/डी/3/1 है, तथा जो गड्डीअन्नाराम गांव हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

17-466GI/80

(1) श्रीमति अनीसुनीसा बेगम पति मीरजा काजीम हुसैन बेग 22-2-768 नूरखान बाजार हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री अहमद मोहियूद्दीन पिता नीजामुद्दीन रेड हिल्स हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

सम्झौताकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पोरशन घर नं० 16-2-836/डी/3/1 ए० पी० गवरनमेंट आफिशियल्स कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसैटी गड्डीअन्नाराम हैदराबाद में जैसे कि विस्तीर्ण 117 चतुरगज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3462/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-1-1981
मोहर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 399/80-81—अतः मुझे

एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० में अधिक है

और जिसकी सं० 16-2-836/डी/3/1 है, तथा जो गड्डीअन्नारम हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमति मानीसूनीसा बेगम पति मीरजा काजिम हुसैन बेग 22-2-768 नूरखान बाजार हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री अहमद मोहीयूद्दीन पिता नीजामूद्दीन रेड हिल्स हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 16-2-836/डी/3/1 ए० पी० गवरनमेंट अफिसियल्स कोम्प्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड गड्डीअन्नारम हैदराबाद विस्तीर्ण 216.3 चतुर गज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3250/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-1-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 13 जनवरी 1981

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 400/80-81—अतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन सर्वे नं० 263 है तथा जो गांव चिलकूर आर० आर० जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई दिनांक 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) सुलतानूद्दीन बाबू खान पिता ऐ० के० बाबू खान 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद जी० पी० ऐ० गैसूद्दीन बाबू खान पिता लेट ऐ० के० बाबू खान 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद ।

(2) गैसूद्दीन बाबू खान पिता लेट ऐ० के० बाबू खान 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद (3) मोगफ फारमस 5-9-58/1-15 बाबू खान ऐस्टेट्स बशीरबाग हैदराबाद पारटनर गैसूद्दीन बाबू खान (अन्तरक)

2. मैसर्स डिसेंट पोलटरी फारम चिलकूर गांव विकारा-बाद-बिमपूर रोड हैदराबाद वेस्ट हैदराबाद श्री उमर पिता अहमद 21-1-1083 मदीना बिल्डिंग्स पत्तर-गट्टी हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सूखी जमीन विस्तीर्ण 10 एकड़ 20 गुंटास या 4 2 हेक्टेयरस गांव चिलकूर में हैदराबाद वेस्ट तालूक विकाराबाद—बिजपूर रोड सर्वे नं० 263 आर० आर० जिला पोलटरी शेड के सात जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न 5083/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-1-1981
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जनवरी 1981

आर० ए० सी० नं० 401/80-81—अतः मुझे एस०
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी खुली जमीन सर्वे नं० 260 है जो हयात
नगर आर० आर० जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16), के अधीन गई 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
भीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री महमद अब्दुला मालिक अकबर पिता कलनल
महमद अब्दुला सतार कमाल मंजिल 3-6-290
हैदराबाद हैदराबाद (अन्तरक)

(2) (1) के० कनकटया यादव पिता के० बाबटया
यादव 16-10-161 मालकपेट हैदराबाद (2)
ऐस बिकश पिता पाथी किस्लया आर०/ओ०
गूरमगूडा (3) डी० यादव्या पिता राजलिंगम
1-4 एल बि० नगर हैदराबाद (4) आर० श्री-
निवासुला पिता आर० रससीमलू 16-11-309
मूसाराम बाग हैदराबाद (5) एम० जनार्धन रेड्डी
पिता एम योल्ला रेड्डी 16-11-363 मूसाराम बाग
हैदराबाद (6) सैयद अली असगर पिता सैयद
महबूब अली मलकमेट हैदराबाद (7) ए० लक्ष्मी
नरसिंहा रेड्डी पिता लेट सखारेड्डी उल्हा मालकपेट
हैदराबाद (8) एम० विनोद पिता पापय्या
16-11-161/3 मालकपेट (9) एस० नारायण पिता
किस्लया गूरमगूडा (10) बी० अड्डिवय्या नामोल
(11) एम० रामचंदर मूसाराम बाग हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रयुक्त होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 5 एकर 10 गुंठाम 2*10 हैक्टरस सर्वे
नं० 260 हयातनगर पंचायत हयातनगर तालुक आर० आर०
जिला जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4655/80 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज हैदराबाद

तारीख : 31-1-1981।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जनवरी 1981

आर० ऐ० सी० नं० 402/80-81—अतः मुझे, एस०

गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी खुली जमीन सर्वे नं० 172/2 है जो कोतपेट गांव आर० आर० जिला स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रीमति बादर बानू, 702 मोगल अपार्टमेंट्स, दक्कन टवर्स बशिरबाग हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्री हनुमान प्रसाद बिगमबाजार हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 38 गुंटास 120 चतुरगज 84719 चतुरगज सर्वे नं० 172/2 कोतपेट गांव रंगरेड्डी जिला जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4440/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-1-1981।

मोहर :

प्रकरण चार्जि. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जनवरी, 1981

आर. ए. सी. नं. 403/80-81—अतः मुझे, एस.

गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 9/470, ए. बी. सी. डी है, जो मैदकूर रोड प्रोद्दटूर स्थित है (और इससे उपाचूद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रोद्दटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1608 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐन दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐन अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रियन नहीं किया गया है :—

(1) श्री हाजी सैयद कादर साहेब पिता कोटागड्डा सैयद साहेब 9/469 मैदकूर रोड प्रोद्दटूर (अन्तरक)

(2) श्री कोटागड्डा महबूब बाथा

येडापटेड मन पिता हाजि सैयद खादर साहेब

9/469 मैदकूर रोड प्रोद्दटूर (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

विनेमा हाल नं. 9/470 और 4 स्टाल्स नं. 9/470ए, 9/470बी, 9/470सी और 9/470डी मैदकूर रोड पर प्रोद्दटूर जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1638/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी प्रोद्दटूर में है।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, हैदराबाद

तारीख 13-1-1981।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० आर० सं० सी० नं० 1097—अतः मुझे एम० गोविंद राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० नं० 3, है, तथा जो काकिनाडा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री रामेरा लैकट ललिता देवी काकिनाडा (अन्तरक)
- (2) श्री चोडे सीता लक्ष्मी श्रीनगर काकिनाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी पांक्षक 31-5-1980 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3203/80 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एम० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 8-1-1981
मोहर:

रूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी, 1981

सं० आर० ए० सी० नं० 1098—यतः मुझे एस०

गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है जो एस० टी० ए० कालोनी, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन काकिनाडा में मई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कालित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/वा

(ख) ए०मी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

1. श्रीमती पल्ला कानाका दुरगा पति, आनन्दम बवानिनगर तिरुपति ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बाडपल्लि रामा सीतम्मा

पति : बेंकटा रामा राजु,

॥ वास्कर नगर कालोनी, काकिनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इस सम्पत्ति 3421/80 नं० दस्तावेज में मई, महीने में काकिनाडा एस० आर० सी० के पास पंजीकृत किया गया है ।

एस० गोविन्दराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 8-1-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी, 1981

सं० आर० ए० सी० नं० 1099—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डोरनं० 46-13-1 है, तथा जो जगन्नायाकपुर काकिनाडा में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्यातु :—

18-466 G I/80

1. महर मेरो ल्सी, काकिनाडा ।

(अन्तरक)

2. श्री के० सत्या भगवान पिता बेंकना, काकिनाडा ।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

इस संपत्ति 3408/80 नं० दस्तावेज में मई महीने में काकिनाडा एस० आर० बी० के पास पंजीकृत किया गया है ।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 8-1-81

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी 1981

सं० आर० ए० सी० नं० 1100—यतः मुझे एस० गोविन्द
राजन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो विशाखापत्तनम
में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विशाखापत्तनम में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 16-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रनवीर सिंह वर्मा,
घर नं० 7-1, 43 बी, किरलप्रंडि कोलोनी,
विशाखापत्तनम ।
(अन्तरक)
2. श्री पेष्वा नेनिकालव आनन्द रेड्डी,
घर नं० 2-12-3,
बेंकटनगर, काकिनाडा ।
(अन्तरिती)
3. श्री पेष्वा नेनिकालव विद्या रेड्डी
घर का नं० 2-12-3,
बेंकटनगर,
काकिनाडा, ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

वैजाय रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-1980 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 2800/1980 में निगमन अनुसूची
संपत्ति ।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 8-1-1981
मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार:

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी, 1981

सं० आर० ए० सी० 1101—यतः मुझे एस० गोविन्दराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टि० एस० नं० 1730/2 है, जो गुंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुंटूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रयोग कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उल्टे बचने के सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचत या अन्य वास्तविकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) दूधगुटना पुरुषोत्तम दास गुप्ता,
- (2) दूधगुन्टला विलरंजन दास गुप्ता,

रिम रोड, गुंटूर ।

(अन्तरक)

2. श्री महालि सीताराम नेयलु,

गुंटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख के 45 दिन की अवधि या तरसंबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलुब्धतावरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रथम 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-1981 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3587 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एस० गोविन्दराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-1-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जनवरी, 1981

सं० आर० ए० सी० नं० 1102, —यतः मुझे एस० गोविन्द
राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची में लिखा है तथा जो चिलकलूरिपेट
में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चिलकलूरिपेट
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 31-5-1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पशुपति बेंकट कोटय्या,
हाई स्कूल रोड, चिलकलूरिपेट ।

(अन्तरक)

2. श्री जंपन भास्करा राव
सुपुत्र श्री शंकर लिंगम,
चिलकलूरिपेट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

चिलकलूरिपेट रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-81
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1870/80 में निगमित अनुसूची
सम्पत्ति ।

एस० गोविन्दराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-1-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 9 जनवरी, 1981

निवेश सं० 460 अर्जन, 80-81—अतः मुझे हृदय

नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6 टाईप बी, पटना इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट के द्वारा विकसित कालोनी, वार्ड नं० 37, थाना नं० 7 में है तथा जो मोहल्ला श्री कृष्णापुरी, पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

1. श्री शैयद अजीज मुस्तफा बल्द स्व० शैयद मो० निवाश, निवासी ग्राम काजी वाली चक, पत्तालय : भागलपुरसिटी थाना-कोतवाली, जिला भागलपुर। (अन्तरक)

2. (1) श्री विजय कुमार सिन्हा और

(2) श्री विप्लव कुमार सिन्हा, सभी बल्द श्री शम्भूनाथ निवासी ग्राम ताजपुर, थाना मनेर, पत्तालय : कमला गोपालपुर जिला पटना।

3. उपरोक्त प्रदर्शित

(अन्तरिती)

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिला पटना के थाना नं० 7 में श्री कृष्णापुरी मुहल्ले में स्थित 692.44 वर्ग गज जमीन जो 4 कट्टा 11 घूर 11.25 धुरकी के बराबर होता है का आधा हिस्सा तथा उस पर निर्मित उस इमारत का आधा हिस्सा जो अंशतः निर्मित है तथा अंशतः निर्माणधीन है। यह भूमि पटना विकास अधिकरण द्वारा विकसित कालोनी, में टाईप बी में प्लॉट नं० 6 के रूप में अवस्थित है भूमि पटना नगर निगम के अन्तर्गत वार्ड नं० 34 में आती है तथा यह पटना (पटना) जिला निबन्धक, एव अवर निबन्धक, के अधिकार क्षेत्र में पड़ती है। संबद्ध भूमि उत्तर एवं दक्षिण में 72 फीट लम्बी है और पूर्व में 89 फीट तथा पश्चिम में 85.6 फीट लम्बी है। इस भूमि के आधे हिस्से में संबधित लीज के बचे हुए समय से संबद्ध समस्त कानूनी अधिकार हस्तान्तरित हुए हैं। संबद्ध सम्पत्ति का पूर्ण विवरण पटना जिला निबन्धक प्राधिकारी द्वारा निबद्ध 4-5-80 की वंशिक नं० 3173 में उपलब्ध है।

हृदय नारायण

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, पटना।

तारीख : 9-1-81

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना दिनांक, 20 जनवरी, 1981

निदेश सं० III/461/अर्जन/80-81—अतः मुझे हृदय
नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी नं० 5225/14844, खाता नं० 77,
प्लॉट नं० 231 और 232, बार्ड नं० 34 है, तथा जो मोहल्ला
बुजरा, पटना शहर पटना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-
सूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 10-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पत्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. शम्भू प्रसाद सिंह बल्लव स्व० श्री मथुरा प्रसाद सिंह
निवासी ग्राम बाह्यपुर, थाना करबतियार पुर जिला
पटना ।

(अन्तरक)

2. श्री संजय कुमार राय क्लव श्री ब्रह्मदेव राय,
नाता रोड, पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् आक्षेपों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का रकबा 3 कट्टा जो मोहल्ला बुजरा पटना में
स्थित है जिसका तौजी नंबर 5225/14844, खाता नंबर 77
सर्वे प्लॉट नं० 231 और 232, बार्ड नं० 34 में है, तथा जो
पूर्ण रूप में वासिका नं० 3370 है तथा जो जिला अवर निबन्धक
पदाधिकारी द्वारा पंजीकृत की गई है ।

हृदय नारायण
सक्षम पदाधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना ।

तारीख 20-1-1981
मोहर :

प्ररूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
धारा २६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक १० नवम्बर, १९८०

निदेश सं० २९७/८०-८१—यतः मुझे आर० थोथाद्रि
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
२५,०००/रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एस० नं० १४७/११८ है, जो वार्ड अंगोड
मापुसा, सब डिस्ट्रिक्ट बार्डेंज, गोवा में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, मापुसा, गोवा में अंडर डाक्यूमेंट
नं० ५२२, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का
१६) के अधीन दिनांक २१-५-१९८०

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चगुण प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

१. थोमस रोमा फ्लोरिडा वास्त, श्री पेद्रो विसेंट वास्त को
पति, मापुसा ।
- (२) पेद्रो विसेंट वास्त इनार्क बोटी सिप्रोसा डा०
कोस्टा (नी वास्त) ।
- (३) गाब्रिलडा कोस्टा का पुत्र अमोत जोसेफ थोथोटोन
डा० कोस्टा ।
- (४) पेद्रो विसेंट वास्त का पुत्र वेलिटिनो पेद्रो
जोक्वम का मापुसा ।
- (५) ग्रेसियानो फुटेंडो की पुत्री डेलिया वास्त (नी
कुटिडो) मापुसा ।
- (६) पेद्रो विसेंट वास्त का पुत्र हिलेरि थोमस वास्त
मापुसा ।
- (७) लोरेंकोडा कोस्टा की पुत्री जूनियटा एर्नेस्टिना
वास्त (नी कोस्टा) ।
- (८) पेद्रो विसेंट का पुत्र लोरेन्स वास्त, मापुसा
क्रमांक १२, तथा ३ के प्रतिनिधि अभिक्ता पत्र
धारक श्री वेलिटिनो पेद्रो जोकिम वास्त, मापुसा ।
(अन्तरक)

२. श्री सुर्षवान्त सौनलाराम बेलेकर ,
मोहरा तालुक बार्डेंज गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सब डिस्ट्रिक्ट बार्डेंज, मापुसा के वार्ड अंगोड में स्थित
खुला जगह और बिल्डिंग जिनका एस० नम्बर है १४७/११८
और जिसका नाम है "कासा ने मोराडा" ।

आर० थोथाद्रि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : १०-११-८०
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 10 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० 298/80-81—यतः मुझे, आर० थोथाद्रि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे न० 10 मैट्रिज न० 217 है, जो उकेसिम सब डिस्ट्रिक्ट बाडेंज गोवा में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारों के कार्यालय, मापुमा, गोवा अम्डर डाकुमेन्ट न० 539, दिनांक 31-5-1980 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-5-1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. (1) मैगुल जोम करिडाडे कोरेरा
- (2) थोमती मागिया कोरेरा,
- (3) श्री जेम जोम कोरेरा,

उकेसिम तालुक, बाडेंज, गोवा।

(अन्तरक)

2. श्री अंकुश राजाराम नाइक,
- सांटा इनेस, पणजि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोवा, बाडेंज, तालुक कि उकेसिम में स्थित 500 स्कवायर मीटर खुला जगह बिल्डिंग महित जिसका सर्वे नम्बर है 10 और मैट्रिज न० है 217।

आर० थोथाद्रि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 10-11-80
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 5 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० 302/80-81—यस: मुझे आर० थोथाद्रि आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मुनिसिपल असेसमेंट न० 983 और 984 है, जो, टि० एम० रोड, नरसिंहराजपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीवर्त अधिकांकी के कार्यालय नरसिंहराजपुर अन्डर डाक्यूमेंट नम्बर 37 में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्जन दिनांक 8-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाता जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
19-466GI/80

1. श्री एच० भुजबला शेट्ट, श्री ज्वलनाथ शेट्ट के पुत्र बस्तिमठ, अग्रहारा नरसिंहराजपुर।

(अन्तरक)

2. श्री पि० पि० पाथोस, श्री पौलो पडेसेरि, के पुत्र आर० एम० रोड, (अरसिसिचर्च) नरसिंहराजपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टि० एम० रोड, नरसिंहराजपुर डिस्ट्रिक्ट विक्रमंगलोर में स्थित खुला जगह और विल्डिंग जिसका मुनिसिपल असेसमेंट नम्बर है 983 और 984।

आर० थोथाद्रि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलोर

तारीख 5-12-1980
मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलूर, दिनांक 9 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० सि० आर० 62/27082/80-81/ए० सी० ब्यू०/
बी०—यतः मुझे, आर० थोतात्रि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 191/42 (पुराना सं० 192) है तथा जो
दसवां, फ्रांस, विलसन गार्डन बंगलूर-27 में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्जन दिनांक
30-5-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. (1) क्यासप्पा
(2) के० क्याराम
(3) कृष्णप्पा, सब आडुगोडा होसूर रोड, बंगलूर
के रहवासी हैं।
(अन्तरक)

2. श्री एम० जयप्पा,
सं० 292/22, XII क्रॉस, विलसन गार्डन,
बंगलूर-27 के रहवासी हैं।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1099/80-81, ता० 30-5-1980)
घर सम्पत्ति जिसका सं० 191/42, (पुराना सं० 192),
तथा जो दसवां फ्रांस, विलसन गार्डन, बंगलूर -27 में स्थित है
मेजोरिंग 80' x 50'

चकबंदी है:-- उ० में प्राइवेट सम्पत्ति।

द० में प्राइवेट सम्पत्ति।

पू०—में प्राइवेट सम्पत्ति।

प०—में दसवां फ्रांस, विलसन गार्डन।

आर० थोतात्रि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 9-12-1980
मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० आर० 62/27210/80-81/ए०सी०ब्यू०/बी०---

यतः मुझे आर० थोथात्रि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 86 है तथा जो गांधी बाजार रोड, बसवनगुडी,
बंगलूर-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय
बसवनगुडी, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 5-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशिस्वरूप में करी करने या उसमें वर्धन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. (1) श्रीमती लक्ष्मी देवी

(2) स्वर्ण लता

सं० 13/13, पंचमहाकवी रोड, शंकरपुरम,
बंगलूर-4

(अन्तरक)

2. श्रीमती डी० आर० अश्वथम्मा,

सं० 79/4, शंकरप्पा, गार्डन, मागडी रोड,
बंगलूर-23 ।

(अन्तरिती)

3. श्रीमती सबीना अग्रवाल,

सं० 86, गांधी बाजार, रोड, बसवनगुडी, बंगलूर-4

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं;
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 402/80-81, तारीख 5-5-1980)

धर सम्पत्ति जिसकी सं० 86 (पुराना सं० 86/2), तथा
जो गांधीनगर बाजार रोड, बसवनगुडी बंगलूर-4 में स्थित है।

मेजरिंग :-

पू० से प०—8.84 मीटर्स और

उ० से उ०—38.86 मीटर्स ।

चकबन्दी है :

पू०—में डा० के० एस० कप्पुराव का घर ।

प०—में श्री दबी० वामुदेवमूर्ति का घर

उ०—में कान्तसर्वनसो छोन ।

द०—में गांधीबाजार रोड ।

आर० थोथात्रि,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख 5-12-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/28330/80-81/ए० सी०क्यू०/बी०/—यतः मुझे आर० थोषाद्रि आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 46 (पुराना सं० 1ब) है तथा जो प्रोमिनेड रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-10-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल विम्बलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कपी करने या उससे कचरे में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन विम्बलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. अब्दुल रबीद श्री मोहम्मद यूसूफ के पुत्र
सं० 94/2, इन्फैन्ट्री, रोड, बंगलूर-560001

(अन्तरक)

2. (1) श्री० सैयद सुलेमान,
(2) श्रीमती अनवरी बेगम, दोनों सं० 38, स्टैंडिंग रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर-560001 के रहवासी हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 46 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2406/80-81 ता० 1-10-1980)

सम्पत्ति का भाग जिसका सं० 46 (पुराना सं० 1ब) तथा जो प्रोमिनेड रोड, सिविल स्टेशन, डिविजन सं० 47 बंगलूर-1 में स्थित है। मेजरिंग 951.60 स्क्वायर मीटर।

व्यक्तियों हैं:

सं०—में सम्पत्ति सं० 46 का भाग।

द०—में सम्पत्ति सं० 46 का बड़ा भाग।

पू०—में प्राइवेट सम्पत्ति।

प०—में संपत्ति सं० 46 का बड़ा भाग और प्रोमिनेड रोड।

आर० थोषाद्रि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारी 9-12-1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/27474/80-81/एसीक्यू-बी०—यस: मुझे, आर० थोषात्रि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सज्जम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० पुराना सं० 2390 और नया सं० 2390/88, है, तथा जो 10 मेन रोड, 'ई' ब्लॉक सुब्रह्मण्यनगर, राजाजीनगर II बंगलूर सिटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण न हुई। ऐसी भाई की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किंवा याग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती एच० एम० रुक्मीनम्मा,
सं० 611, ए, II स्टेज, राजाजी नगर,
बंगलूर सिटी ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चम्पा बाई,
सं० 4213, सुब्रह्मण्यनगर, मेन रोड, II स्टेज,
राजाजी नगर, बंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(a) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1226/80-81 दिनांक 9-7-80)

घर सम्पत्ति है जिसका पुराना सं० है 2390 और नया संख्या है 2390/88, 10 मेन रोड, 'ई' ब्लॉक, सुब्रह्मण्यनगर, राजाजीनगर, II, स्टेज बंगलूर सिटी ।

अकबन्दी है :

उ०में—सैट सं० 2389,

द०में—सैट सं० 2391,

पू०में—10 मेन रोड,

प०सैट—सं० 2358 ।

आर० थोषात्रि

सज्जम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 10-12-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०---
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जुन रेंज, बेंगलूर

गोपनीय दिनांक 3 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० सी०आर० 62/26774/80-81/एक्वी०/बी--
 यतः मुझे, आर० थोथाद्रि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पुरानी सं० 17, बाद में 18, और नया संख्या
 5, है तथा जो हकीम मोहम्मद गौस, लेन, कुम्बारपेट में स्थित है
 (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
 रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-5-80
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किमो आय को बाबत, उक्त
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
 शायद्व में कमो करने या उन्से बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रेषित :-

1. (1) खातुम्बी, दिवंगत सय्यद खासीम की विधवा पत्नी
- (2) सय्यद गफार
- (3) सय्यद यूसूफ
- (4) सय्यद हबीब
- (5) सय्यद इस्माइल
- (6) सय्यद नजीर (2) से (6) तक सं० 1 के बेटे
- (7) सय्यद अहमद सं० (2) का वयस्क पुत्र
- (8) सय्यद इलियास
- (9) हजीरा बेगम
- (10) रशीदा बेगम
- (11) बहीदा बेगम
- सं० 8 से 11 तक सं० 2 के अल्पवयस्क बच्चे।
- (12) सय्यद मोहम्मद
- (13) सय्यद अबूब
- सं० 12 और 13 सं० 3 के अल्प वयस्क बेटे।

- (14) सय्यद अताउल्ला,
- (15) गुलनाजी बेगम
- (16) लियाखत
- (17) सदाखत
- सं० 14 से 17 तक, सं० 4 के अल्पवयस्क बच्चे।
- (18) सय्यद रफीक
- (19) फिरोज बेगम
- सं० 18 और सं० 19, सं० 5 के अल्पवयस्क बच्चे।
- (20) सय्यद रयाज
- (21) फरजाना
- (22) समीमुन्नीसा
- सं० 20 से 22 तक, सं० 6 के अल्पवयस्क बच्चे।
- (23) जहीदा बेगम
- (24) फातिमा
- सं० 23 और सं० 24 दिवंगत सय्यद खासिम की बेटियां।
- इन सब सं० 5, हकीम महमद गौस लेन, कुम्बारपेट बेंगलूर में रहने वाले। (अन्तरक)

2. श्री एस० के० निसर अहमद
 अब्दुल जब्बार के बेटे
 सं० 186, I, मेन अलवर्ट विक्टर रोड,
 चामराजपेट, बेंगलूर-18।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
 भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 284/80-81 ता० 14-5-80]

घर सम्पत्ति, जिसका पुरान सं० है 17, बाद में 18 और
 नया सं० है, 5, हकीम महमद गौस लेन, कुम्बारपेट, कारपो-
 रेशन, डिविजन सं० 40 बेंगलूर।

चक्रबन्दी है।

उ० में--रोड

द० में--अबुल गफार साहब का संपत्ति;

प० में--हकीम महमद गौस लेन,

प० में--अकबर शरीफ का सम्पत्ति।

आर० थोथाद्रि
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जुन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 3-12-1980

मोहर :

प्रकृत्य आई० टी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/27011/80-81/एक्सी०/बी०—
यतः, मुझे, आर० थोथानी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 535 (पुराना) और नया सं० 535/14,
है, तथा जो 12 क्रॉस, वैयालीकावल एक्सटेंशन, बंगलूर, मिटी
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 15-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चद्वह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती एस० बी० भाग्यलक्ष्मी एन० वासुदेव की
पत्नी स्टेनोग्राफर, सिन्डीकेट बैंक, चामराज पेट,
ब्रांच, बेंगलूर-18

(अन्तरक)

(2) श्री माली पटेल बसवराजप्पा एन० आन्तनगौडा
का पुत्र, सेन्ट्रेरी, करनाटक स्लम क्लियरेंस
बोर्ड, सं० 112, XI क्रॉस, V मन, मल्लेश्वरम
बेंगलूर-39

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

[वस्तावेज सं० 593/80-81 दिनांक 15-5-1980]
घर सम्पत्ति है जिसका पुरानी सं० 535 और नयी
सं० 535/14, XII, 'C' क्रॉस, वैयालीकावल एक्सटेंशन,
बेंगलूर, चकबन्दी है:—

उ० में—जगह सं० 534,

द० में—मन रोड,

पू० में—जगह सं० 523,

प० में—क्रॉस रोड।

आर० थोथानी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 10-12-1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० सी० आर० 62/27087/80-81/एसीन्यू०—
यतः मुझे, आर० तोताजी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे सं० 22, और म्युनिसिपल सं० 13 है, तथा
जो गंगेनहल्ली बेंगलूर-6 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
21-5-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एस० के० पुण्डरीका, कृष्ण स्वामी नायडू का
पुत्र, सं० 15, I मेन रोड, गंगेनहल्ली, बेंगलूर-
6। (अन्तरक)
- (2) मैमर्स माडर्न कैमिकल कंपनी सं० 13, गंगेन-
हल्ली, एस० सं० 22, बेल्नारी रोड, बेंगलूर-6,
रिप्रेजेंटेटिव बाई, श्री एस० ए० पटेल, अम्बालाल,
पटेल का पुत्र, सं० 96, XII ब्लॉक, कुमारोपाई
वेस्ट, बेंगलूर-20 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 685/80-81, दिनांक 21-5-1980]

घर सम्पत्ति जिसका सं० है सर्वे सं० 22 और म्यु-
निसिपल सं० 13, गंगेनहल्ली, बेंगलूर-6।

आर० तोताजी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 15 दिसम्बर, 1980
मोहर :

प्ररूप आइट. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती के० विजयलक्ष्मी, सं० 111, प्यालेस लोवर आर्चर्डिस, बंगलूर-560006 ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी किरण माजूमदार, सं० 496, चौदह मैन रोड, तीमरा ब्लाक, कोरमंगल लेआउट, बंगलूर ।

(अन्तरित)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 दिसम्बर 1980

निदेश सं० मि० आर०-62/26842/80-81/ए० सी० सी०
—यतः मुझे, आर० थोथाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु में अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 44/3ए, 47/1, 47/2, 49/1, 49/2, 47/4, 47/38, है, तथा जो हेब्बागोड़ी गांव, ग्रानेकल तालुक बंगलूर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रानेकल, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
20-466GJ/80

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए दायित्वारोपित करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांतरताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 193/80-81 दिनांक 3-5-1980)

जमीन संपत्ति तथा जो हेब्बागोड़ी गांव, ग्रानेकल तालुक, बंगलूर जिला में स्थित है, और जिसका विवरण सैल डीड के शेड्यूल में है, उसको नीचे दिया गया है:—

सर्वे सं०	एकसेंटर		किस्म
	एकरे	गुंठा	
44/3ए०	2	00	खुस्की जमीन
47/1	1	20	"
47/2	1	23	"
49/1	3	06	"
49/2	3	09	"
47/4	0	13	"
47/38	0	02	"
जोड़	11	33	"

आर० थोथाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 22 दिसम्बर, 1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 दिसम्बर 1980

निदेश सं० सी० आर० 62/27242/80-81/एसीक्यू० बी०—

यतः मुझे, आर० तोतावी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 51/8 और 51/11 है, तथा जो मुदनीदम्बूर गांव, उडुपी (ता) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, उडुपी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री चार्लेस अरनेस्ट राडीगुम अतसलेम राडीगुम का बेटा इलेक्ट्रानिक टेक्नीशियन, विभुदप्रियनगर, शिवल्ली गांव, उडुपी (ता) अटारनी है, श्रीमती नेमीसिया राडीगुम, शिरीबीडू इरीविशु, उडुपी (ता)

(अन्तरक)

(2) श्री एस० बी० सुब्रमण्य एम० रामचन्द्र राव, का बेटा अधिकारी, मिन्डिकेट बैंक, नारीमोगरु, पुत्तूर (ता) में रहने वाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज 210/80-81 दिनांक 14-5-1980)

घर सम्पत्ति है जिसका सं० एस० सं० 51/8 और 51/11 मुदनीदम्बूर गांव उडुपी (ता) (एस० के०) (उडुपी म्युनिसिपैलिटी वार्ड के अन्दर)।

आर० तोतावी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 23 दिसम्बर, 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, बंगलूर का

बंगलूर, दिनांक 23 दिसम्बर 1980

निवेश सं० सी० आर० 62/26979/80/81/ए०सी०क्यू० बी०— यतः मुझे, आर० तोतात्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० सं० 168 और टी० एस० सं० 384 और डी० सं० 15-280 है तथा जो कद्री गांव, कद्री-वार्ड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अयधकारी के कार्यालय, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31-5-1970

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचत या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बचत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती नाजिमा बानु मोहम्मद इस्माइल की पत्नी सरकारी अस्पताल कार्कला के पास, रहने वाले प्रतिनिधि हैं श्री के० अशोक कुमार के शिविआ के पुत्र, कलकं, गोरीगुड्ड कंकनाडी मंगलूर (अन्तरक)

(2) कुमारी सुसान डिसोजा इजीन डिसोजा की पुत्री, मोहन बाग, अप्पर बेंदुर, मंगलूर पावर आफ अटारनी होल्डर, श्री टी० मोनप्पा (अन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 172/80/81, दिनांक 31/5/1980)

पर सम्पत्ति है जिसका आर० एस० सं० 168, और टी० एस० सं० 384, कद्री गांव, कद्री वार्ड मंगलूर।

चकबन्दी है:—

उ० में—प्राइवेट प्रापटी

व० में—लेन

पू० में—प्राइवेट प्रापटी

प० में—प्राइवेट प्रापटी

आर० तोतात्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 23 दिसम्बर, 1980

मोहर:

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० सी० आर० 62/27225/80-81/एक्यू०/बी०—

यतः मुझे, आर० तोताक्षी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पुरानी सं० 3464/5085 नया सं० 5085/5319 है तथा जो II डिवीजन, सोमेश्वर एक्सटेंशन तुमकूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तुमकूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचन में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) चंद्रसिंग भान, नरसिंग भान, का पुत्र, कंट्रेक्टर सोमेश्वर एक्सटेंशन, तुमकूर।

(अन्तरक)

(2) के० वामना पै, के० उपेन्द्र पै का पुत्र केनराबैक, हुपनकट्टे, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अङ्कगुणी:

(दस्तावेज सं० 989/80-81 दिनांक 23-5-1980)

घर सम्पत्ति है जिसका पुराना सं० 3464/5085 और नया सं० 5085/5319, II डिवीजन सोमेश्वर एक्सटेंशन तुमकूर।

आर० तोताक्षी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 23 दिसम्बर, 1980

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० सी० आर० 62/27004/80-81/एक्सी०/बी०—

यतः मुझे, आर० तोतात्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पुरानी सं० 62 और नयी सं० 4 है तथा जो जे०एम० लेन, बलेपेट, बंगलूर-53; स्थित है (और इसमें उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) श्री चिक्कगिरियप्पा दिवंगत हनुमप्पा का पुत्र पुरानी सं० 62, और नयी सं० 4, जंगममेस्त्री लेन, बलेपेट बंगलूर-53।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एस० राजा राम एम० सम्बुराव का पुत्र, सं० के०-71, जंगममेस्त्री लेन, बलेपेट, बंगलूर-53।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 520/80-81 दिनांक 26-5-80)

घर सम्पत्ति है जिसका पुरानी सं० 62, और नयी सं० 4, जंगमेस्त्री लेन, बलेपेट, 16वा डिब्रीजन, बंगलूर-53, चकबंदी है:-

उ० में—जे० एम० लेन

द० में—प्राइवेट प्रापर्टी

पू० में—रोड और प्राइवेट प्रापर्टी

प० में—लेन/रोड

आर० तोतात्री

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर।

दिनांक: 23-12-1980

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० सी० आर० 62/27140/80-81/एक्सी० बी०—

यतः मुझे, आर० तोतात्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० सं० 15-1 बी और टी० एम० सं० 152/1बी फु2 है तथा जो अत्तावर गांव, 16th फाल्गुन वार्ड मंगलूर मिटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) रामकृष्ण महालिंगप्पा होसकोटे (2) रघुवीर रामकृष्ण होसकोटे जी० पी० ए० होलडर श्री शिवानंदा सत्येन्द्र नाथ धारेश्वर "सी० व्यू० 14-A, रोड, खार, बंबई-52।

(अन्तरक)

(2) मंगलूर सीयरी पै, शिव मंदिर, 17, नया बालमट्ट रोड, मंगलूर-1

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 247/80-81, दिनांक 22-5-80)

घर सम्पत्ति है जिसका आर० एम० सं० 15-1बी०, और टी० एम० सं० 152/1बी 2 अत्तावर गांव

16th फाल्गुन वार्ड, मंगलूर चकवन्दी है:--

उ० में--टी० एम० सं० 152-1 बी० 2

व० में--प्राइवेट प्रापर्टी

पू० में--प्राइवेट प्रापर्टी

प० में--नया बालमट्ट रोड।

आर० तोतात्री,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 23 दिसम्बर, 1980

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 62/27024/80-81/ए० सिष्यू०/बी०—यतः
मुझे, आर० धोधात्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 738/33, है, तथा जो 12, मन रोड, III
ब्लाक, राजाजीनगर बंगलूर-10 में स्थित है (और इससे
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बंगलूर में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 11-6-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री जी० कान्ता राजु, सं० 174, I मैन रोड,
शोषाद्रिपुरम, बंगलूर-20
(अन्तरक)

(2) श्री वै० थिम्मरायप्पा, सं० 141-बी०, VI मैन
रोड, IV ब्लाक, राजाजीनगर, बंगलूर-10
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिए
गये हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज 529/80-81, दिनांक 11-6-1980)

घर सम्पत्ति और खुला जगह जिसका सं० 738/33,
तथा जो 12 मैन रोड, III ब्लाक, राजाजीनगर, बंगलूर-10
में स्थित है। (डिवीजन सं०-2)

षकबन्दी है:--

उ०—में प्राइवेट संपत्ति

व०—में प्राइवेट संपत्ति

पू०—में रोड।

प०—में प्राइवेट सम्पत्ति।

आर० धोधात्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 29 दिसम्बर, 1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 जनवरी 1981

निर्देश सं० सी० आर०-62/27'43/80-81/एसिक्व०/बी०
—यतः मुझे, आर० थोथाली,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है
और जिसकी सं० 148 (खला जगह) है, तथा जो यादव-
गिरी, देवराज मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, मैसूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-5-1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के
बीच के अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में भ्रष्टाचार के तथ्य;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एच० सी० शंकरप्पा, पहला क्रम, विवेका-
नन्दा रोड, अशोकनगर, मन्ड्या।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुब्बरत्नम्मा, श्री दशरथराम चेट्टी की पत्नि
(2) श्रीमती शांता श्रीनिवासन, डा० सी० डी०
श्रीनिवासा-मूर्ती को पत्नि, दोर सं० 232, मध्या-
जोराव, रोड, मैसूर शहर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा जमीनहस्तासरी के पक्ष लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—उपरोक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अनुभाग 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उन प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 502/80-81, दिनांक 19-5-1980)

खुला कार्नेर सैट जिसका सं० 148, तथा जो यादव-
गिरी एक्स्टेंशन देवराज मोहल्ला, मैसूर शहर में स्थित है,
मेजरिंग 1226 स्क्वेयर मीटर्स।

चकबन्दी है :—

पू०—में जगह सं० 159 और कान्सर्वेसी।

प०—में म्युनिसिपल रोड।

उ०—में म्युनिसिपल रोड।

द०—में प्राईवेट सैट सं० 149 में घर सम्पत्ति।

आर० थोथाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर।

दिनांक : 2 जनवरी, 1981

मोहर :

प्ररूप आर्द्र० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 जनवरी, 1981

निर्देश सं० सी० आर०-62/27189/एनिक्यू/80-81/बी०----

यतः मुझे, आर० थोथात्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11/61, (पुरानी सं० के-10) है, तथा जो रिमर्बायर स्ट्रीट, बसवनगुड़ी, बंगलूर-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुड़ी, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

21-466GI/80

(1) श्री टी० मृदलया, आ यजमान थिम्मदानप्पा, क पुत्र, पार्टनर, मे गमय्या और ब्रदर्स, सं०-2, डी० एस० लेन, चिक्रपेट, बंगलूर-53।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० के० नागयणस्वामी, श्री आर० के० मूर्ती के पुत्र सं० 11/61, (पुरानी सं०-के०-10), रिमर्बायर स्ट्रीट, बसवनगुड़ी, बंगलूर-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 633/80-81, दिनांक 19-5-1980)

संपत्ति का भाग और जगह सं० 11/61, (पुरानी सं० के-10) तथा जो रिमर्बायर स्ट्रीट, बसवनगुड़ी, बंगलूर-4 में स्थित है, मेजिंग 268.31 स्क्वेयर मीटर्स।

चक्रवर्ती हैः--

पू०--में रिमर्बायर स्ट्रीट काम।

प०--में श्री शंकर की सम्पत्ति।

उ०--में श्री कृष्ण अयंगर की सम्पत्ति।

द०--में रिमर्बायर स्ट्रीट।

आर० थोथात्री
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर।

दिनांकः 7 जनवरी, 1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 जनवरी 1981

निदेश सं० सी. आर०-62/27190/80-81/एमिक्वू/
बी०—यत. मुखे, आर० थोधात्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 11/61, (पुराना सं० के०-10) है, तथा जो
रिजर्वियर स्ट्रीट, बसवनगुडी, बंगलूर-4 में स्थित है (और
इस में उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार की अधिपत्ति के अधिनियम, बसवनगुडी, बंगलूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 19-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और तब यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री टी० मूदलया, श्री यजमान थिम्मदानप्पा
के पुत्र, पार्टनर सं० रामय्या और ब्रदर्स, डी० एस०
लेन, सं०-2, चिक्कपेट, बंगलूर-53। (अन्तरक)

(2) श्री के० प्रकाश, श्री आर० के० मूर्ति के पुत्र,
सं० 11/61, (पुराना सं०-के-10) रिजर्वियर
स्ट्रीट, बसवनगुडी, बंगलूर-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 631/80-81, दिनांक 19-5-1980)

जगह का भाग और संपत्ति सं०-11/61, (पुराना सं०-
के-10), तथा जो, रिजर्वियर स्ट्रीट, बसवनगुडी, बंगलूर-4
में स्थित है। मेजरिंग 282.41 स्क्वेयर मीटर्स।

चकबन्दी है:--

पू०—में टी० मूदलया को संपत्ति।

प०—में प्राइवेट संपत्ति।

उ०—में कृष्ण आयांगार की संपत्ति।

द०—में रिजर्वियर स्ट्रीट।

आर० थोधात्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर।

दिनांक: 7 जनवरी, 1981

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 जनवरी 1981

निदेश सं० सी० आर०-62/27191/80-81/ए०मिक्पू०/बी०

—यतः मुझे, आर० थोथात्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 61 (पुराना सं० के-10) है, तथा जो
रिसर्वियर स्ट्रीट, बसवनगुड़ी, बंगलूर-4 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुड़ी, बंगलूर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधिन, दिनांक 19-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री टी० मूदलया, श्री यत्मान थिरमदानप्पा
के पुत्र, पार्टनर, मै० रामय्या और ब्रदर्स, डी०
एम० लेन, सं०-2, चिक्कपेट बंगलूर-53।

(अन्तरक)

(2) श्री के० शंकर, श्री आर० के० मूति के पुत्र,
सं० 61 (पुरानी सं०-के-10), रिसर्वियर स्ट्रीट
बसवनगुड़ी, बंगलूर-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 630/80-81, दिनांक 19-5-1980)
संपत्ति का भाग जिसका सं०-61, (पुराना सं०-के-10)
तथा जो रिसर्वियर स्ट्रीट, बसवनगुड़ी, बंगलूर-4 में स्थित
है। मेजरिंग 367.14 स्क्वेयर मीटर्स और विलिडिंग
18.94 स्क्वेयर मीटर्स।

चकबन्दी है:—

पू०—में बी० के० नारायण स्वामी के संपत्ति।

प०—में के० प्रकाश के संपत्ति।

उ०—में कृष्ण ज्यैगार के संपत्ति।

द०—में रिसर्वियर स्ट्रीट।

आर० थोथात्री,

सक्षम प्राधिकारी।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर।

दिनांक 7 जनवरी, 1981

मोहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 जनवरी 1981

निर्देश सं० सी० आर० 62/27241/80-81/ए सिक्कू०/
बी०—यतः मुझे आर० योथानी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी जगह सं० 76, और एसवाय सं० 41/4, है,
मेया जो बडगबेहु, गांव, बैंगलूर पंचायत, उडुपी तालूक में
स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उडुपी द०क०
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन त० 14-5-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री एम० देवदास पै, श्री मलपेपुथु अलियास नरसिम्ह
पै के पुत्र, फिश मार्केट के नजदीक, उडुपी (द० क०)।

(अन्तरक)

2. श्रीमती श्रीरीन बानु श्री अब्दुल हमीद के पत्नी,
कुक्कीकहे, सं० 76, बडगबेहु गांव, उडुपीपोस्ट, उडुपी तालूक
(द० क०)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 209/80-81 ता० 14-5-80)

घर संपत्ति सं० 76 और एस० सं० 41/4, तथा जो
बडगबेहु गांव बैंगलूर पंचायत, उडुपी तालूक (द० क०)
में स्थित है। इसमें जमीन क्षेत्र है, 50 सेंट्स और उसमें
इमारत है।

चकबंदी है:—

उ—में रोड।

घ—में प्राईवेट संपत्ति।

जपू—में प्राईवेट संपत्ति।

प—में प्राईवेट संपत्ति।

आर० थोपाक्षी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 8-1-1981

मोहर.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 जनवरी 1981

निर्देश सं० सि० आर० 62/27294/80-81/एक्यू/बी—

यतः मूझे, आर० थोथानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 35, है, तथा जो II मेन रोड, हनु-
मंथपुरा, श्रीरामपुरम, बंगलूर-21 में स्थित है (और इस में
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
9-6-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में मृत्विधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या संपत्ति का स्थिति
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृत्विधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री एम० जी० दिवाकर (2) एम० जी० रत्नाकर
दोनों। श्री एम० गोविन्दय्या के बेटे, सं० 5, सीराष्ट्रपेट,
बंगलूर-53 में रहने हैं। (अन्तरक)

2. श्री के० धर्म्मगुम, सं० 29, पी० बी० आर०,
बंगलूर-53 के रहवासी हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 1102/80-81--ता० 9-6-1980)

संपत्ति सं० 35 का भाग तथा जो II मेन रोड, हनु-
मंथपुरा, श्रीरामपुरम, बंगलूर-21 में स्थित है। इसमें सिल्क
फैक्टरी का खुला जमीन, सर्वेडस क्वार्टर्स, कुएं और ओहर
हेड टाक्स हैं।

चकबंदी है। पू--में दक्षिण रेलवे का जमीन।

प--में कार्पोरेशन चाब्रेल।

उ०--में कार्पोरेशन चान्नेल।

द--में वर्षापानी के नाला और वेंडर्स के बाकी रहा
संपत्ति।

आर० थोथानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर,

तारीख : 8-1-1981

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

1. श्री उगर सैन पुत्र श्री वैद्य नाथ निवासी करनाल
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना7. श्रीमति राज बाला, एडवोकेट बेल्ती श्री पृथ्वी सिंह
निवासी 11-827, चौड़ा बाजार करनाल (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 फरवरी 1980

निर्देश सं० के० एन० एल०/4/80-81—अतः मुझे गो०
सि० गोपाल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान नं० 11—827, चौड़ा बाजार है
तथा जो करनाल में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1980का पूर्णतः पर्याप्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उम्मेद दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में मूर्खता के लिए,
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सिद्धा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
भाग लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति मकान नं० 11-827 जोकि चौड़ा बाजार करनाल
में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 498 दिनांक 1-5-80
में दिया गया है।गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज रोहतक

दिनांक 5-12-80

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० बी० जी० आर०/9/80-81—अतः मुझे,
गो० सि० गोपाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० फकटरी बिल्डिंग है तथा जो प्लॉट नं०
301, सेक्टर 24, फरीदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, बलबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रमाण प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमा करन या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसा किता आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ईश्वर सिंह पुत्र श्री कृपाल सिंह, मकान नं०
265, सेक्टर 15 फरीदाबाद (अन्तरक)
2. मैं पखनून टूलज प्लाट नं० 301, सेक्टर 24
फरीदाबाद (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(1) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
गमापन होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(2) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोध्याधारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति फकटरी बिल्डिंग जोकि प्लॉट नं० 301, सेक्टर
24 फरीदाबाद में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण
रजिस्ट्रीकर्ता बलबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2380
दिनांक 25-8-80 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 4-12-1980
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० डी० एल० आई०/4/80-81—अतः सुझे गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० ए-13, (4000 वर्ग गज), मैक्टर 11, माडल टाऊन, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री मिलक राज, जनक राज अशोका एस्टेट 24, बाराब्रम्बा रोड नई देहली (अन्तरक)
2. मै० अग्रवाल स्टील ट्रेडर्स 1063, बरतन मार्केट सदर बाजार, नई देहली (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं० ए० 13, मैक्टर 11, माडल टाऊन, फरीदाबाद तथा विपणन और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता देहली के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 279 दिनांक 12-5-80 में दिया गया है।

गो० मि० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 4-12-80

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० इन्द्री/2/80-81—अतः सुमे गो० मि० गोपाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकवा 30 कनाल है तथा जो ग्राम गुड़ा तहसील इन्द्री में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्द्री में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने . सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

22—466G1/80

1. श्री भगवान दास पुत्र श्रीमती नारा बाई निवासी ग्राम गुड़ा तहसील इन्द्री (अन्तरक)

2. मै० शिव शंकर राईस मिल इन्द्री (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकवा 30 कनाल जोकि ग्राम इन्द्री में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता इन्द्री के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 143 दिनांक 3-5-80 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 4-12-80

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, रोहतक

रोहतास, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० एस० आर० एस०/21/80-81—अतः मुझे
गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
रु. से अधिक है

और जिमकी सं० दुकान प्लॉट नं० 8, एडीशनल नई मंडी
है तथा जो मिरसा में स्थित है (और इससे पाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सिरसा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख जून 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री देव राज पुत्र श्री महताय राम प्रिमीपल जीनियम
माउल स्कूल मिरसा। (अन्तरक)

2. श्री केदार नाथ पुत्र श्री कुन्दन लाल मार्फत सतनाली
कलाथ हाउस मुभाष चौक, सिरसा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाद लिखित में किए सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति एक प्लॉट नं० 8 जोकि एडीशनल नई मंडी
सिरसा में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण
रजिस्ट्रीकर्ता मिरसा के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2557
दिनांक 20-6-80 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, रोहतक।

तारीख: 4-12-80
मोहर:

प्ररूप भा० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० एस० पी० टी०/15/80-81—अतः मुझे
गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 114 एल०, माडल टाऊन है
जो सोनीपत में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जुलाई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री हरी चन्द पुत्र श्री तेज भान निवासी माडल
कालूनी, यमुननगर जिला अम्बाला। (अन्तरक)

2. श्रीमति कौशल गुप्ता मार्फत श्री राम चन्द 7/216,
धोबीवाड़ा पुरानी मंडो, सोनीपत शहर (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 114 एल०, माडल टाऊन, सोनीपत
जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता सोनीपत के
कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1847 दिनांक 30-7-1980
में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 4-12-1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज रोहतक,

रोहतक, दिनांक 24 जनवरी 1981

निर्देश सं० बी० डी० आर० 103/80-81—अतः मुझे
श्री० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 11 ब्लॉक सी-2 एरिया 1700
वर्गगज है तथा जो सेक्टर 11 फरीदाबाद स्थित है (और
इससे उपाचूक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलभगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
यन्त्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आनन्द प्रकाश सुपुत्र श्री पी० डी० माथुर निवासी
पी० 11 ग्रीन पार्क अक्सटैन्सन नई देहली (अन्तरक)

2. श्रीमती नीर्मल कौर धर्मपरनी श्री कुलदीप सिंह
निवासी डी० 52, नारायणा नई देहली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो प्लॉट नं० 11 सेक्टर 11 डी० एल० एफ०
माडल टाउन फरीदाबाद में है और ज्यादातर रजिस्ट्रीकर्ता
बलभगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री नं० 1999 दिनांक 21-5-
80 में दिया गया है।

श्री० सि० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, रोहतक,

तारीख : 24-1-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 24 जनवरी 1981

निदेश सं० बी० जी० आर०/1/80-81—अतः मुझे गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2254 सैक्टर 16, है तथा जो फरीदाबाद, में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में औरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अर्जन लाल ग्रोवर सपुत्र श्री देवी दास ग्रोवर निवासी मकान नं० 63 सनतनगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री गोपी राम अग्रवाल सपुत्र श्री नानू लाल अग्रवाल निवासी 2254 सैक्टर 16, फरीदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 2254 सैक्टर नं० 16 फरीदाबाद में स्थित है तथा ज्यादा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1142 दिनांक 2-5-80 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, रोहतक

तारीख : 24-1-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एच०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 289-ब (1) के प्रयोजन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 24 जनवरी 1981

निर्देश सं० बी० जी० आर०/6/80-81—अतः मुझे
 गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको
 पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
 अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० बंगला नं० बी० 63 नं० 2 टाऊन शॉप
 है तथा जो फरीदाबाद, में स्थित है (और इससे उपावद्ध
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
 कारी के कार्यालय, में स्थित है। (और इससे उपावद्ध अनु-
 सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
 के कार्यालय बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधिन, तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के रूप के दृश्यमान
 प्रतिफल के विषय में आशंका है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
 के धारा 20 के अन्तरक के शायद में कयी
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
 जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम
 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
 द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
 था, विभाग में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-ब के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. सरदार गुरवन्ध सिंह सपुत्र श्री भगवान सिंह निवासी
 6/32 माऊथ पटेल नगर नई, दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्रीमती पुष्पा गुप्ता धर्मपत्नी श्री जी० एस० गुप्ता
 1-सी-13, एन० आई० टी० फरीदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में सम्पत्ति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषहस्ताक्षरी के पाम लिखित में
 किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 वही अर्थ होगा, जो उस प्रत्याश में दिया गया है

अनुसूची

सम्पत्ति बंगला नं० बी० 63 नं० एच०-2 एन० आई०
 टी० जो कि फरीदाबाद में स्थित है तथा जिसका ज्यादा
 विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बल्लबगढ़ के कार्यालय में
 रजिस्ट्री क्रमांक 1699 दिनांक 16-5-80 में दिया गया
 है।

गो० सि० गोपाल,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 24-1-81
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 24 जनवरी 1981

निर्देश सं० ए० एम० बी०/11/80-81—यतः मुझे गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसको सं० मकान नं० 5356/8 अनाज मण्डो है तथा जो अम्बाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में, रजिस्ट्रारकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्मेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमता लीला चौला धर्मपत्नी श्री रत्नामल निवासी 1519/5-ए०, बचीतर नगर, पटियाला (अन्तरक)

2. श्रीमता विनय गुप्ता धर्मपत्नी डा० विरेन्द्र कुमार गुप्ता निवासी 4515-16 पंजाबी मोहल्ला, अम्बाला कैट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ती मकान नं० 5356/8 अनाज मण्डो अम्बाला कैट तथा जिनका ज्यादा विवरण रजिस्ट्रार कर्ता कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्रार क्रमांक 936 दिनांक 17-5-1980 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 24-1-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 24 जनवरी 1981

निर्देश सं० आर० टी० के० 15/80-81—अतः मुझे
गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 76 है तथा जो झंग कालोनी
रोहतक में स्थित है (और इससे पाबंद अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रोहतक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रविफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामचन्द्र शर्मा वकील सपुत्र श्री अमर सिंह
सीनोपत रोड, रोहतक (अन्तरक)

2. श्री रणधोर सिंह सपुत्र श्री रतन सिंह निवासी ग्राम
पाली वर्तमान अक्मकुटीव ईन्जोनधिर फरीदाबाद डोंवोजन यू०
डो० ओ० 670, सेक्टर 16 ए० फरीदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन
के लिए कार्यवाहियाँ कराने हैं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदुस्साजरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वबटीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रयोग 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं० 76 झंग कालोनी जो कि रोहतक में
स्थित है तथा ज्यादाविवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रोहतक के
कार्यालय रजिस्ट्री क्रमांक नं० 728 दिनांक 10-5-1980
में दिया गया है ।

गो० सि० गोपाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 24-1-1980

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक, 24 जनवरी 1981

निर्देश सं० रोहतक /6/80-81—अन: मु० गे० मि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 235 मुभाष नगर रोहतक है तथा जो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:-

23—466GI/80

1. श्री भीम सैन भाटिया पुत्र श्री मनमा राम मकान नं० 242 मुभाष नगर रोहतक (अन्तरक)

2. श्री राजबोर सिंह पुत्र श्री सुवे सिंह श्रीमती मुनहरी देवी लडको श्री बलदेव सिंह मकान नं० 235 मुभाष नगर रोहतक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 235 जो मुभाष नगर रोहतक में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता रोहतक के कार्यालय में रजिस्ट्री संख्या 733 दिनांक 12-5-1980 में दिया गया है।

गे० मि० गोपाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 24-1-1981

मोहर :

प्रकृष धार्ई० टी० ए० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 24 जनवरी 1981

निर्देश सं० कपनाल /10/80-81—अतः मुझे गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसका सं० मकान नं० 18-503 अवतार कालोनी है तथा जो कुन्जपुरा रोड करनाल में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के साक्ष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नानक चन्द पुत्र श्री राम दाम निवासी 18-503 अवतार कालोनी कुन्जपुरा रोड करनाल (अन्तरक)

2. श्री विनोद कपूर, अणोक कपूर, प्रमोद कपूर पुत्रान श्री विमल सम्प माडल टाउन करनाल अब मकान नं० XVIII 503 अवतार कालोनी कुन्जपुरा रोड करनाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० XVIII 503 जो अवतार कालोनी कुन्जपुरा रोड में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री संख्या 1138 दिनांक 31-5-1980 में दिया गया है।

गो० मि० गोपाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, रोहतक

तारीख : 24-1-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद,

अहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर, 1980

निदेश सं० पी० आर० 1241/ए०सी०क्यू०-23-1/80-81—

अतः मुझे मांगीलास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-4 1 पैकी प्लान नं० 4 प्लॉट नं० 20, पैकी सब प्लॉट नं० 20-बी है; तथा जो जामपुरी एस्टेट, बेडी रोड रोड, जामनगर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री गुलाब चन्द देवराज शार,
के सरमुख्तयार, : श्रीमती सुशीलाबेन रणजीत कुमार शार, गुरु दत्ताप्रेय मंदिर के सामने,
जामनगर ।

(अन्तरक)

2. श्री जमनादास लाल जी पटेल,
गाव खाड खंभालीया, , ताल्लुका लालपुर,
जिला जामनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लॉट जिसका माप 6000 वर्ग फीट जिसका सर्वे नं० जी-4-1 प्लॉट नं० 20 पैकी, सब प्लॉट नं० 20-बी, जो जामपुरी, एस्टेट, बेडी रोड, जामनगर में स्थित है । मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत विक्री दस्तावेज नं० 560, दिनांक 5-5-80 में दिया गया है ।

मांगी लास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख 29-11-80
मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 2nd February 1981

No. 1.6/81-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri T. Bhattacharya, Section Officer as Officiating Assistant Registrar with effect from the forenoon of February 3, 1981 to February 28, 1981, until further orders *vice* Shri S. S. Sriyastava, Officiating Assistant Registrar, proceeding on deputation.

MAHESH PRASAD
Dy. Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 8th January 1981

No. A.32014/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following officiating Senior Personal Assistants (Gd B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Gd A of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and *ad-hoc* basis w.e.f. the dates mentioned against their names or until further orders, whichever is earlier.

S. No.	Name	Period.
1.	Shri Joginder Singh,	30-12-80 to 28-2-81.
2.	Shri R. L. Thakur,	23-12-80 to 22-2-81.

No. A.31014/1/80-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Joginder Singh a temporary Sr. P.A. (Grade B of CSSS) and officiating as Private Secretary (Grade A of CSSS) on *ad-hoc* basis in the cadre of Union Public Service Commission, substantively in the Grade of Sr. Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the Union Public Service Commission, New Delhi, w.e.f. the forenoon of 10th August, 1980.

The 13th January 1981

No. A. 32014/1/80-Admn. I (ii).—The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants P.A.s (Gd C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and *ad-hoc* capacity with effect from the dates mentioned below :—

S. No.	Name	Period	Remarks
S/Shri			
1.	P.P. Sikka	1-1-81 to 28-2-81 or until further orders whichever is earlier.	Against 4 posts created by temporarily downgrading 4 posts of Private Secretaries.
2.	O.P. Deora		
3.	Hukam Chand		
4.	H.C. Katoch		
5.	T.R. Sharma	23-12-80 to 28-2-81 or until further orders, whichever is earlier.	Against resultant chain vacancy
6.	K.S. Bhutani	30-12-80 to 28-2-81 or until further orders, whichever is earlier.	Do.
7.	Sham Parkash	23-12-80 to 22-2-81 or until further orders whichever is earlier.	Do.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Sr. P.A. (Grade B of CSSS) is purely temporary and on *ad-hoc* basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that grade. In the case of Shri T.R. Sharma for the period from 23-12-1980 to 31-12-1980 which is in excess of 120 days of *ad-hoc* Promotions in the grade of CSSS during the year 1980, is subject to the approval of the Department of Personnel & ARs.

The 24th January 1981

No. A-32013/2/80-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission's Notifications No. A-32013/2/80-Admn. I, dated 27-10-1980 & No. A-32013/3/80-Admn. I, dt. 5-1-1981 the President is pleased to appoint the following officers, included in the Select List of CSS Officers for the year, 1979, for appointment to Grade I thereof, to officiate as Under Secretaries, on a regular/*ad-hoc* basis, of the periods shown against each, in the office of the Union Public Service Commission :—

Sl. No.	Name of officer	Period(s)
1	2	3
S/Shri		
1.	P.C. Mathur	from 1-11-1980, on a regular basis, until further orders.
2.	T.M. Kokel	from 1-11-1980, on a regular basis, until further orders.
3.	S. Srinivasan	from 29-10-1980 to 31-10-1980, on an <i>ad-hoc</i> basis; and from 1-11-1980, on a regular basis, until further orders.
4.	M.S. Chhabra	from 29-11-1980, on a regular basis, until further orders.

S. BALACHANDRAN,
Dy. Secy. (Admn.)
CSS COMMISSION

THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi 110000, the 2nd January 1981

No. O.II-568/69-Estt.—Consequent on his retirement from Govt. Service, Shri L. P. Chandola, Dy. SP of 4 Bn. CRPF relinquished charge of the post of Dy. SP on the afternoon of 30-11-80.

No. O.II-1216/75-Estt.—Consequent on his retirement from Government service Shri A. S. Rai, Dy. S. P. of 4 Bn C.R.P.F. relinquished charge of the post of Dy. S.P. on the afternoon of 30-11-80.

The 27th January 1981

No. F.11/41/80-Estt.(CRPF).—The President is pleased to appoint Shri T. Tripathy, D.I.G.P. CRPF, to officiate as DIGP CRPF Gauhati w.e.f. 25-7-1980 (AN) to 14-9-1980.

The 29th January 1981

No. O-II-779/70-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Dr. Satyananda Patnaik, GDO, Gd-II (Dy. Sp/ Coy Commander) as G.D.O. Grade-I (Asstt. Comdt.) in the C.R.P.F. with effect from 20-1-81 (FN) until further orders.

A. K. SURI, Assistant Director (Estt.).

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi the 20th January 1981

No. E-38013(3)/12/80-PERS.—On transfer to Rishikesh Shri G. S. Narpuri relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, HEC Ranchi w.e.f. the afternoon of 25th Oct 1980 and assumed the charge of the said post at CISF Unit, IDPL Rishikesh w.e.f. the afternoon of 4th November, 1980.

No. E-38013(3)/14/80-PERS.—The President is pleased to appoint Inspector Chhabhan Singh to officiate as Assistant Commandant on *ad-hoc* basis who assumed the charge of the said post of CISF Unit, Farakka Barrage Project, Farakka, w.e.f. the forenoon of 25th November 1980.

The 30th January 1981

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Talcher, Shri T. K. Banerjee assumed the charge of the post of Asstt.

Commandant, CISF Unit, V.P.T. Vizakhapatnam w.e.f. the forenoon of 29th November, 1980.

Sd/- ILLEGIBLE
Director General/CISF

MINISTRY OF FINANCE
DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS
BANK NOTE PRESS

Dewas, the 27th January 1981

F. No. BNP/C/5/80—In continuation to this Department's Notification of even number dated 26-6-80, 10-7-80 and 2-9-80 the ad-hoc appointments of the following officers are hereby extended upto the dates shown against each or till the date of return of the officers in whose vacancies ad-hoc appointments were made or till the posts are restored to the grade of Asstt. Works Manager whichever is earlier.

S. No.	Name	Post to which ad hoc appointment is made	Date upto the ad-hoc appointment continued
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	Y. Janardhan Rao	Technical Officer (Printing & Platemaking)	30-9-81
2.	Samarendra Dass	Do.	30-9-81
3.	V. Venkataramanj	Do.	31-3-81
4.	R. C. Agrawal	Do.	31-3-81
5.	Ashok Joshi	Do.	31-3-81

M.V. CHAR
Dy. General Manager

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 27th January 1981

No. Admn. 1 8-132/80-81/371.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri K. Parthasarathy II, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 17-1-81 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn. 1 8-132/80-81/371.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri M. V. Subba Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 15-1-81 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn. 1/8-132/80-81/371.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri T. R. Ramanathan, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 15-1-81 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn. 1/8-132/80-81/371.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri C. Viswanatha Rao-I, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate

as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 15-1-81 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn. 1/8-132/80-81/371.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri S. Krishnamachary-II, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 15-1-1981 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

Sd/- ILLEGIBLE
Senior Deputy Accountant General (Admn).

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 22nd December 1980

No. 78/80/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri R. K. Das, Offg. Staff Officer (Subst. & Permt. ASO) retired from service with effect from 31st October, 1980 (AN).

V. K. MEHTA
Asstt. Director General, Ordnance Factories

Calcutta-700069, the 30th January 1981

No. 1/81/A/M.—The President is pleased to attend the name of the concerned Doctor in the draft Gazette Notification No. 3/80/A/M dated 12-6-80 as under :—

For Dr. Bishnu Das Mandal
Read Dr. Bishnudas Mandal

2. President is also pleased to delete all entries in respect of Dr. (ku) Sabitri Jharia, AMO, Ordnance Factory, Bhandara mentioned at Sl. No. 7 of draft Gazette Notification No. 4/80/A/M dt. 12-6-80 and Sl. Nos. from 8 to 47 therein may be renumbered as Sl. Nos. 7 to 46 accordingly.

O. P. BAHL
Member/Personnel

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 21st January 1981

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
ESTABLISHMENT

No. 6/645/61-Admn(G)/607.—On attaining the age of superannuation the following officers working in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay have been permitted to retire from Govt. service on the afternoon of the 31st December, 1980.

1. Shri A. G. Shinde, Assistant Chief Controller of Imports and Exports.
2. Shri H. T. Atmaramani, Controller of Imports and Exports.
3. Shri C. N. Krishnan, Controller of Imports and Exports.

The 22nd January 1981

No. 6/444/57-Admn(G)/613.—On attaining the age of superannuation, Shri K. R. Kulkarni, Assistant Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, has been permitted to retire from Government service on the afternoon of the 31st October, 1980.

J. P. SHARMA
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports and Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES)
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 29th January 1981

No. CER/3/80.—In exercise of the powers conferred on me by clause 22 of the Cotton Textiles (Control), Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69 dated the 19th September, 1969, namely :—

In the said Notification.

After Note I to existing para II E the following proviso shall be added:—

"Provided, however, that in respect of controlled Tussore the amount of excise duty for arriving at the FINAL CONSUMER PRICE shall be the actual excise duty paid/to be paid to the excise department at the time of clearance."

M. MADURAI NAYAGAM
Additional Textile Commissioner

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR
HANDLOOMS

New Delhi, the 22nd January 1981

No. A-32013/5/80-Admn. II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 9th January, 1981 and until further orders Shri M. K. Rao, Assistant Director Grade-I (Processing) as Deputy Director (Processing) in the Weavers Service Centre, Delhi.

P. SHANKAR
Joint Development Commissioner for Handlooms

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 24th January 1981

No. A-19018/54/73-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri U. V. Shenoy, an officer of I.E.S. and Deputy Director in Small Industries Service Institute, Bombay to retire from Govt. service on attaining the age of superannuation on the afternoon of 31st October, 1980.

No. A-19018(494)/80-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri R. K. Jauhari, Small Industry Promotion Officer (Chemical), Small Industries Service Institute, Kanpur as Asst. Director (Gr. II) (Chemical) on *ad hoc* basis in the same Institute with effect from the forenoon of 26th December, 1980 until further orders.

The 28th January 1981

No. A. 19018(49)/73-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Deputy Director (Economics) in the Ministry of Irrigation, New Delhi, Shri A. A. Kidwai relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Economic Investigation), in the Small Industries Service Institute, Kanpur, with effect from the forenoon of 31st December, 1980.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS
(ADMN. BRANCH-6)

New Delhi, the 22nd January 1981

No. A-17011/183-A-6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri K. R. Narayan, Junior Field Officer in the Office of Director of Supplies and Disposals, Madras to officiate as Assistant Inspecting Officer

(Engg.) on *ad hoc* basis in the Calcutta Inspectorate under this Dte General w.e.f. the forenoon of 8th December, 1980 and until further orders.

M. G. MENON
Deputy Director (Administration)
For Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 21st January 1981

No. A-17011/78/74-A-6.—The President is pleased to appoint Shri Susanta Kumar Bandopadhyaya, Assistant Inspecting Officer (Engineering) in the office of the Director of Inspection, Calcutta as officiating Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service) in the same office with effect from the forenoon of 31-12-1980 and until further orders.

2. Shri Bandopadhyaya relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engineering) and took over charge of Inspecting Officer (Engg.) on 31-12-80 (F.N.).

3. Shri Bandopadhyaya will be on probation for a period of 2 years from 31-12-1980.

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

The 23rd January 1981

No. A-1/1(534).—The President has been pleased to appoint Shri S. P. S. Bhatia, Assistant Director of Supplies (Grade I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') to officiate as Deputy Director of Supplies (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 5th January, 1981 and until further orders.

2. Shri S. P. S. Bhatia relinquished charge of the post of Assistant Director of Supplies (Grade I) and assumed charge of the post of Deputy Director of Supplies in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 5th January, 1981.

M. G. MENON
Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL AND MINES
DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 30th January 1981

No. A. 19011(266)/80-Estt. A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri R. K. Sinha to the post of Assistant Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22-12-1980.

S. V. ALI
Head of Office
Indian Bureau of Mines

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA
INDIAN MUSEUM

Calcutta-700 016, the 30th January 1981

No. 4-174/80 Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri B. Sanjeeva Reddy to a post of Assistant Anthropologist (Cultural Anthropology Division) in this Survey at Andaman & Nicobar Region, Port Blair, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 6th January, 1981, until further orders.

N. R. AICH
Administrative Officer

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 27th January 1981

No. 6(17)60-ST.—Smt. K. B. Manjrekar, Programme Executive, All India Radio, Bombay retired from Government

Service with effect from the afternoon of the 31st December, 1980.

No. 5159/68-SI. On attaining the age of superannuation Kum D. E. Meherji, PEX, CBS, All India Radio, Bombay retired from Government service w.e.f. the afternoon of the 30th November, 1980.

The 28th January 1981

No. 4(71)80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri N. K. Mohan Ram as Programme Executive, All India Radio, Gulbarga in a temporary capacity with effect from 2-1-1981 and until further orders.

No. 4(72)80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri A. Krishnamurthy as Programme Executive, All India Radio, Dharwad in a temporary capacity with effect from 30-12-1980 and until further orders.

H. C. JAYAL
Deputy Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 22nd January 1981

No. A. 12026/15/80-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri B. S. Negi, an *ad hoc* Senior Accountant to officiate as Accounts Officer in a temporary capacity on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 8th January 1981 to 31st March 1981 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The 28th January 1981

No. A. 12026/14/80-Est.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri M. S. Shantaram, a temporary Field Exhibition Officer to officiate as Assistant Production Manager (Outdoor Publicity) in a temporary capacity on *ad hoc* basis from the afternoon of 21st January 1981, until further orders.

The 29th January 1981

No. A 42022/1/81-Est.—Shri K. K. Baboota, a temporary Assistant Distribution Officer of this Directorate expired on 13th January, 1981.

J. R. LIKHI
Deputy Director (Administration)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 27th January 1981

No. A. 19019 48/76(JIP)/Admn. I.—The Government of India announces with profound regret the death of Dr. A. Bhaskar Rao, Junior Clinical Biochemist, Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry on 28th December, 1980.

No. A. 35019.2/79(SJH) Admn. I.—Shri V. D. Uppal, Chief Administrative Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi, retired voluntarily from Government Service from the afternoon of the 31st December, 1980.

The 30th January 1981

No. A. 19019/1/81(HQ) Admn. I.—Consequent on his transfer from Central Drugs Standard Control Organisation, East Zone, Calcutta, Dr. L. V. Kannan assumed charge of the post of Deputy Drugs Controller (India), Dte. of G.H.S., New Delhi on the forenoon of the 1st January, 1981.

S. L. KUTHIAIA
Deputy Director Administration (O&M)

(STORE I SECTION)

New Delhi, the 31st January 1981

No. A. 19012.1 80-SI.—On attaining the age of superannuation, Shri Sohan Lall Depot Manager Government Medical Store Depot Karnal retired from service on the afternoon of the 31st December, 1980.

SHIV DAYAL
Dy. Dir. Amdn. (Stores)

MINISTRY OF AGRICULTURE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION DIRECTORATE OF EXTENSION New Delhi, the 31st January 1981

No. F.2(2) 77-Fstt. II.—Consequent on the acceptance of his resignation Shri Ram Prakash Chander relinquished charge of the Office of the Chief Instructor (Workshop), Extension Education Institute, Nilokheri (Haryana) under Directorate of Extension Ministry of Agriculture (Department of Agriculture & Cooperation) with effect from the afternoon of 5th January, 1981.

K. K. SHARMA
Director Admn.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 6th January 1981

No. DPS/23/8/77-Est./322—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Assistant Accounts Officers of this Directorate to officiate as Accounts Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200 in the same directorate for the periods indicated against each :—

S. No.	Name	From	To
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	A. A. Shaikh . . .	24-5-80	7-7-80
2.	V. B. Vyapari . . .	8-7-80	18-8-80

No. DPS/23/8/77-Est./334—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints the following Assistant Accounts Officers of this Directorate to officiate as Assistant Accounts Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate for the periods indicated against each :—

S. No.	Name	From	To
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	Darshan Singh . . .	1-5-80	15-6-80
2.	V. G. Pimpalkare . . .	5-5-1980	7-6-80

C. V. GOPALAKRISHNAN
Assistant Personnel Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam 603 102, the 8th November 1980

No. MAPP/3(1341)/80-Adm.—On deputation from the Office of the Accountant General-II, Maharashtra, Nagpur, Shri C. Krishnamurthy, Section Officer, in the Office of the Accountant General-II, Maharashtra, Nagpur is appointed as Assistant Accounts Officer in officiating capacity in this

Project with effect from the forenoon July 11, 1980 until further orders.

R. P. HARAN,
Adm. Officer
for Chief Project Engineer.

MINISTRY ON TOURISUM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPTT.

New Delhi-3, the 31st January 1981

No. A. 31013/III/79-E.I.—The President is pleased to appoint the following officers in a substantive capacity as Meteorologist Grade I in India Meteorological Department with effect from the dates indicated against their names :

S. No.	Name	Date of substantive appointment.
(1)	(2)	(3)
1.	Shri Nootan Das	1-5-1971
2.	Dr. A.S. Ramanathan	1-5-71
3.	Dr. S.M. Kulshrestha	1-6-71
4.	Shri S.N. Tripathi	1-3-1972
5.	Dr. N. Sen Roy	1-3-1972
6.	Shri G.P. Srivastava	1-4-1972
7.	Shri T.S.S. Anjaneyulu	18-9-1972
8.	Dr. B. N. Dutta	30-5-1973
9.	Shri N. Seshadri	1-5-1974
10.	Dr. N.S. Bhaskara Rao	1-7-1974
11.	Shri C.E.J. Daniel	1-7-1974
12.	Shri C.P. Rao	1-7-1974
13.	Dr. D.V.L.N. Rao	1-9-1974
14.	Shri G.R. Gupta	1-10-1974
15.	Shri S.V. Datar	1-10-1974
16.	Dr. B. Padmanabhamurthy	1-10-1974
17.	Shri R.C. Maheshwari	1-10-1974
18.	Shri S.D.S. Abbi	1-10-1974
19.	Dr. R.N. Keshwamurthy	1-10-1974
20.	Dr. H.N. Srivastava	1-3-1975
21.	Shri B.B.D. Bhargava	1-11-1975
22.	Shri M. Jayaram	1-11-1976
23.	Shri S. Raghavan	1-1-1977
24.	Shri U.V. Gopala Rao	1-2-1977
25.	Shri R.K. Datta	21-7-1977
26.	Shri G. Arunachalam	21-7-1977
27.	Shri D.K. Mishra	21-7-1977
28.	Shri A. K. Sen Sarma	21-7-1977
29.	Shri P.V. Joseph	21-7-1977
30.	Shri K. Chatterjee	21-7-1977
31.	Dr. C.R. Sreedharan	21-7-1977
32.	Shri C.M. Barma	21-7-1977
33.	Shri V.P. Kamble	21-7-1977
34.	Shri B.R. Avasthi	21-7-1977
35.	Dr. V. Venkateswarlu	21-7-1977
36.	Shri M.C. Sinha	21-7-1977
37.	Shri A. Bandopadhyay	21-7-1977
38.	Shri U.S. Das	21-7-1977
39.	Shri V. Balasubramaniam	21-7-1977
40.	Shri Surnedra Kumar	21-7-1977
41.	Shri P.K. Misra	21-7-1977
42.	Shri D.V. Subramanian	21-7-1977
43.	Shri S.R. Puri	21-7-1977
44.	Shri S.K. Ghosh	21-7-1977
45.	Shri A.R. Ramakrishnan	21-7-1977
46.	Shri S.M.A. Alvi	21-7-1977
47.	Shri S.J. Maske	21-7-1977
48.	Shri Jitendra Lal	21-7-1977

No. A. 32013(DDGM)/I/80-E.I.—The President has been pleased to appoint the undermentioned Directors of India Meteorological Department to officiate as Deputy Director General of Meteorology on ad-hoc basis, in the same Department with effect from the dates mentioned against their names, for a period of 3 months or till the posts are filled up on regular basis, whichever is earlier except in the case of Shri K.V. Rao, who has retired on 30-11-1980 :

1.	Shri H.M. Chaudhury	26-11-1980 (AN)
2.	Dr. A.K. Mukherjee	27-11-1980
3.	Dr. A.A. Ramasastry	27-11-1980
4.	Shri K.V. Rao	27-11-1980
5.	Dr. A.S. Ramanathan	26-11-1980 (AN)
6.	Dr. S.M. Kulshrestha	28-11-1980
7.	Shri S.N. Tripathi	26-11-1980

P. K. DAS

Director General of Meteorology,

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 27th January 1981

No. A-35018 4/80-EA.—Shri R. K. Sareen, Aerodrome Officer at present on deputation to Libya retired from Government Service under proviso of F.R. 56 (K), with effect from 30-11-1980 (AN).

S. GUPTA
Dy. Dir. of Adm.

New Delhi, the 30th January 1981

No. A.44014/2/79-FC(Pl.).—The President is pleased to sanction the release of Shri M. Dheenadayalan, Senior Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Madras Airport, Madras with effect from 27-12-1980 (FN) to take up the appointment in the grade of Joint Director in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800 with Department of Electronics, Govt. of India New Delhi.

Shri M. Dheenadayalan is holding a permanent post of Communication Officer with effect from 1-7-1978. His lien will be kept for a period of two years in terms of orders contained in (ii) of para 1 of Ministry of Home Affairs O.M. number 60/37/63-Est (A) dated 14-7-67 (Govt. of India decision No. 9 below Article 67 of C.S.R. Vol. 1).

No. A.32013/5/80-EC.—The President is pleased to appoint the following officers to the grade of Deputy Director/Controller of Communication on ad-hoc basis for a period of six months with effect from the date indicated against each and post them to the station indicated against each :—

S. No.	Name & designation	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	V.K. Verma, Sr. Tech. Officer.	Dir. Aero. Inspection N. Delhi.	ACS, Bombay	30-12-80 (FN)
2.	H V. Sudershan Asstt. Dir of Comm.	DGCA (HQ) Delhi.	ACS, Bombay.	22-12-80 (FN)
3.	S.K. Kakkar, Sr. Tech. Officer.	CATC, Allahabad.	ACS, Calcutta.	17-12-80 (FN)
4.	K.V. Rao, Sr. Tech. Officer.	RC & DU, New Delhi.	ACS, Hyderabad.	17-12-80 (FN)
5.	A.K. Misra, Sr. Tech. Officer.	DGCA (HQ)	DGCA (HQ)	24-12-80 (FN)

No A 38015/3/80-ES—Shri K C Mondal, Administrative Officer (Group B post) in the office of the Regional Director, Madras Region, Madras Airport, Madras, relinquished charge of his duties in the afternoon of the 31st December, 1980 on attaining the age of superannuation

The 31st January 1981

No. A. 32013/5/80-EC—The President is pleased to appoint the following two officers to the grade of Dy. Director/Controller of Communication on ad-hoc basis for a period of six months with effect from the date indicated against each and to post them to the station indicated against each —

S. No.	Name & designation	Present Stn. of posting	Stn. to which which posted	Date of taking over over charge
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	N K. Nanu, Senior Technical Officer	Radio Constr & Dev Units Safdarjung A Port New Delhi.	Radio Constr & Dev. Units S Jung Airport, New Delhi.	5-1-81 (FN)
2.	B. R. Raghavenra Rao, Sr Comm Officer	Aero Comm. Stn Calcutta	Aero Comm Stn Madras	9-1-81 (FN)

No. A. 38013/1/80-EC—The undermentioned officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on 31-12-1980 (AN) on attaining the age of superannuation :—

S No.	Name & Designation	Station
1	2	3
S/Shri		
1.	P.R. Suryanandan, Deputy Director.	Radio Constr. & Dev. Units, Safdarjung Airport, N. Delhi.
2.	Shri H.D. Vadha, Asstt. Tech. Officer.	Aero-Comm-Station, Bombay.
3.	Shri D. De, Asstt. Comm. Officer.	Aero-Comm-Station, Calcutta.

No A 38015/32/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to permit Shri B K Das Asstt. Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Calcutta to retire from Govt Service with effect from 30-9-80 (AN) under FR 56(k).

R. N DAS,
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the November 1980

No 1/481/80 EST—On attaining the age of superannuation, Shri M Balakrishnan, Dy Traffic Manager, Madras Branch retired from Government service with effect from the afternoon of the 30th November, 1980

No 1/114/81 EST—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R N Kulkarni as Assistant Engineer, in a temporary capacity, in the VSES Arvi Branch, with effect from the forenoon of the 23rd December, 1980 and until further orders, on a regular basis

No 1/181/81-EST—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri K J Mohan Rao as Assistant Engineer, in a temporary capacity, in the VSES, Arvi Branch with effect from the forenoon of the 27th December, 1980 and until further orders, on a regular basis

24—466GI/80

The 29th January 1981

No 1/256/80 GST—On attaining the age of superannuation, Shri J G Awatramani, Traffic Accounts Officer, Headquarters Office, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st December, 1980

P K G. NAYAR, Dir Adm
for Director General.

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bombay, the 28th January 1981

F No II/3E(a)2/77Pt I—The following Selection Grade Inspectors have on promotion assumed charge as officiating Superintendents Central Excise Group 'B' in Bombay Central Excise Collectorate with effect from the dates shown against their names

S No.	Name	Date of assumption of Charge
1	2	3
1.	Shri V.S. Prabhu	15-12-1980 A.N
2.	Shri V S. Dani	16-12-1980 F.N.
3.	Shri N B. Badkar	16-12-1980 F.N.
4.	Shri K G Datar	27-12-1980 F.N.

K. S. DILIPSINHJI
Collector of Central Excise

Madurai-2, the 28th January 1981

No 1/81—The following Inspectors of Central Excise (S.G.) are appointed to officiate until further orders as Superintendent of Central Excise, Group 'B' in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. They have assumed charge as Superintendents in the places and on the dates noted against each.

Sl. No.	Name of the Officer	Place of posting	Date of assumption of charge.
(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri			
1.	R Peter Antony	Hqrs. Office, Madurai.	15-10-80
2.	D.V. Subharayan	Prev. Group, Dindigul.	27-11-80
3.	R S Ponraj Pandi	Sivakasi Range-IV	20-10-80
4.	T Rajan	Sivakasi Range VII	16-10-80
5.	M. Sakthivelu	Hqrs. Office, Madurai	08-10-80
6.	R Venkatachalam	Customs Dvn, Ramnad.	01-11-80
7.	G Srinivasan	Mofussil Range, Madurai	30-10-80
8.	T.S. Krishnamoorthy	Hqrs Office, Madurai	18-12-80
9.	M Kayambo	Virudhunagar Division.	20-12-80
10.	P.S. Srinivasan	Hqrs. Office, Madurai	02-12-80
11.	E.P. Ethirajulu	Hqrs. Office, Madurai	19-12-80
12.	A. Bajasubramaniam	Rameshwaram Customs Circle	19-12-80
13.	M. Krishnasamy	Do	20-12-80
14.	G. Ramasamy	Do.	07-12-80
15.	K. Thurumeni	Prev. Group, Nagapattinam	04-12-80
16.	N Krishnamurthy	Customs Dvn Nagapattinam	04-12-80
17.	V.J Xavier	Virudhunagar Division	17-12-80
18.	G. Balasubramaniam	Prev. Group, Virudhunagar	31-12-80
19.	K M. Monna Ahmed	Rajapalayam Division	19-12-80
20.	M. Ebnezer	Rajapalayam Division	07-01-81
21.	S Velayutham Pillai	Pudugramam Range at Kovil patti.	12-12-80

1	2	3	4
22.	A.T. Noor Mohamed	Paramakudi Range	15-12-80
23.	G. Vijayaraghavan	Customs Preventive, Arantangi.	27-12-80
24.	M.S. Ramanathan	Sivakasi "D" Range.	03-12-80
25.	D. Ranganathan	Dindigul Division.	11-12-80

No. 2/81—The following office Superintendents of Central Excise are appointed to officiate until further orders as Administrative officer (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650 30-740-35-810-EB 35-880-40-1000-EB-40-1200. They have assumed charge as Administrative Officers in the places and on the dates noted against each :—

Sl. No.	Name of the Officer	Place of posting	Date of assumption of charge.
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	P.M. Ramasubramaniam	Rajapalayam Division.	10-12-80
2.	P. Arunachalam	Madurai Rural Division	5-12-80
3.	V. Eswaran	Hqrs. Office, Madurai.	16-12-80

R. JAYARAMAN
Collector.

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT

New Delhi, the 31st January 1981

No. 1/81.—Smt. Kusum Satpathy, lately posted as Supdt. Central Excise, Group 'A' Bhubaneswar, on transfer to the Headquarters office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi vide Department of Revenue Order No. 151/80 (F. No. A.22012/31/80-Ad II) dated 15-10-80, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' on 9-1-81 (forenoon).

S. B. SARKAR
Director of Inspection

MINISTRY OF ENERGY

DEPARTMENT OF COAL

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 29th January 1981

No. Adm. 12(30)81.—Shri S. S. Saneja, a permanent Assistant Welfare Administrator, is appointed to the post of Welfare Administrator on ad-hoc basis with effect from 30-12-1980 (FN), until further order.

D. PANDA,
Coal Mines Welfare Commissioner

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-11022, the 15th January 1981

No. A-32014/1/80-Adm. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Eng.) on purely temporary and ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-100-EB-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier with effect from the dates noted against their names :—

Sl. No.	Name of Officer, with designation.	Date of assumption of charge as EAD/AE	
1	2	3	4
1.	Sh. S.K. Namboori, Design Assistant.	20-12-80 (forenoon)	

1	2	3
2.	Shri M.S. Ansari, Supervisor.	15-12-80 (forenoon)

A. BHATTACHARYA
Under Secy.,
Central Water Commission

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION (DEPARTMENT OF SUPPLY)

New Delhi, the 29th January 1981

No. A.32013/3/80-ESI.—The President is pleased to appoint Shri S. V. Sundaram an officer of Grade I of the Indian Supply Service as Deputy Director General (Supplies) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 13-1-1981 and until further orders.

K. K. SHARMA,
Under Secy.

NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 31st January 1981

No. G-65/B(Con).—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta, has been pleased to appoint Shri A. Ambareshudu, Scientific Assistant (Mechanical), National Test House, Calcutta as Scientific Officer (Mechanical) in National Test House, Northern Region, Ghaziabad on a regular basis with effect from 30-10-80 (F/N).

No. G-65/B(Con).—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta has been pleased to appoint Shri R. Ramakrishnan, Scientific Assistant (Elect.), National Test House, Alipore, Calcutta as Scientific Officer (Electrical) in National Test House, Northern Region, Ghaziabad on a regular basis w.e.f. 5-12-1980 (A.N.).

No. G-65/B(Con).—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta, has been pleased to appoint Shri D. S. Majumder, Scientific Officer (Mechanical) (Ad-hoc), National Test House, Alipore, Calcutta as Scientific Officer (Mechanical) in the same office on a regular basis w.e.f. 31-7-1980 (F/N).

A. BANERJEE,
Dy. Director (Admn.)
for Director General

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jay Needle Bearing Corporation Private Ltd.

Bangalore, the 23rd January 1981

No. 3365/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Jay Needle Bearing Corporation Private Ltd unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI,
Registrar of Companies,
Karnataka, Bangalore.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Jyindra Printers Private Limited

New Delhi, the 27th January 1981

No. 4512-1981.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that

at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Jogindra Printers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

G. B. SAXENA
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Kamani Industrial Corporation Limited*

Jaipur, the 30th January 1981

No. STAT/1128.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kamani Industrial Corporation Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Vandana Pictures Limited*

Jaipur, the 30th January 1981

No. STAT/1270.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Vandana Pictures Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Kiwi Shouels Private Limited*

Jaipur, the 30th January 1981

No. STAT/1730.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kiwi Shouels Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

G. C. GUPTA
Registrar of Companies
Rajasthan, Jaipur

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX, COCHIN, ERNAKULAM-SOUTH

Cochin-682016, the 21st January 1981

ORDER

Subject : Estt.-ITO Group 'B'—Promotion and postings—orders issue of.

C. No. 2/Estt./80-81.—The following promotion and postings are hereby ordered :

2. Shri M. S. Samuel, Inspector of Income-tax Income-tax Office, Alwaye is hereby appointed to officiate as Income-tax Officer, Group 'B' in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the after-noon of 31-1-1981 or from the date he takes over charge, whichever is later and until further orders. He will be on probation for a period of 2 years.

3. The above appointment is made on a purely temporary and provisional basis and is liable to termination at any time without notice. The appointment is also subject to the result

of Original Petition No. 4023 of 1978 filed before the High Court of Kerala.

4. On promotion, Shri M. S. Samuel is posted as Income-tax Officer, B-Ward, Trivandrum vice Shri T. Muthuswamy, who is retiring from service on the after-noon of 31st January, 1981. If necessary, Shri T. Muthuswamy may temporarily hand over the charge of Income-tax Officer, B-Ward, Trivandrum to Smt. Jayasree Ramachandran, ITO A-Ward, Trivandrum who will hold the charge of ITO B-Ward, Trivandrum in addition to her duties, until relieved by Shri M. S. Samuel.

The 22nd January 1981

(INCOME-TAX)

No. 1/80-81.—In exercise of the powers conferred on me under Sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) I, Commissioner of Income-tax, Cochin, hereby create two new wards designated as (i) AA-Ward, Ernakulam and (ii) BB-Ward, Ernakulam, in the Income-tax Circle, Ernakulam, in addition to the existing A, B, C & D Wards, Ernakulam.

2. This order shall take effect from the 23rd January, 1981.

M. S. UNNINAYAR
Commissioner of Income-tax
Cochin & Trivandrum

New Delhi, the 21st January 1981

CORRIGENDUM

No. JUR-DLI-VI/80-81/37566.—In continuation of the Notification No. JUR-DLI-VI/80-81/32046 dated 11-12-80 regarding jurisdiction of TDS (Salary Circles), New Delhi the C.I.T., Delhi-VI, New Delhi hereby directs that against the jurisdiction of ITO TDS (Salary) Circle II, New Delhi at serial No. 2 of the Schedule annexed to the said Notification, the following addition shall be made in column 3 of the schedule after item No. (ii) :—

"(iii) All Airlines, Travel and Tourist Agencies".

This corrigendum shall take effect from 15-12-1980.

The 29th January 1981

No. CIT. VI/Jur/80-81/39738.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) CIT Delhi-VI, New Delhi hereby directs that the ITO mentioned in Col. 2 of the schedule below shall have concurrent jurisdiction with the ITO mentioned in Col. 3 of the said schedule in respect of persons/cases assessed/assessable by the I.T.O. mentioned in Col. 3 excepting the cases assigned under section 127 of which may hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions, C.I.T. Delhi-VI, also authorises the IAC Range-I-B, New Delhi to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of Section 124 of the Income-tax Act.

This notification shall take effect from 15-1-81.

SCHEDULE

1.	2.	3.
1. ITO Vth Addl. Salary Circle.	I.T.O. Ist Addl. Salary Circle.	New Delhi.

D. N. CHAUDHARI
Commissioner of Income-tax
Delhi-VI, New Delhi

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st October 1980

Ref. No. P. R. No. 1209 Acq. 23-1/80-81:—Whereas I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 674/A-I-Building situated at 2, Panchnath Plot, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 15-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Shri Shivalal Dhirajlal & others ;
5-Bhaktinagar Society, Rajkot.

(Transferor)

- (2) Shri Jethalal Thakurshi (HUF),
2, Panchnath Plot, "Chaudan",
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 210-7-72 sq. yds. bearing S. No. 674/A-I situated at 2, panchnath plot, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 3010/15-5-1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 31-10-1980.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Memon Sheth Mohmad Yusuf Marfatia ;
Diwan Chawk, Junagadh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE -I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 31st October, 1980

Ref. No. P.R. No. 1210 Acq. 23-I/80-81:—Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 649-Building situated at Zalorapa Road, Junagadh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 13-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) 1. Shri Soni Shantilal Arjanbhai Raninga ;
2. Shri Soni Rasiklal Shantilal Raninga ;
3. Shri Soni Muktaben Shantilal Raninga ;
4. Shri Soni Manjulaben Rasiklal Raninga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 555-44 sq. mts. bearing S./No. 649 situated at Zalorapa Road, Junagadh, duly registered by Registering Officer, Junagadh, vide sale-deed No. 950/13-5-1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated : 31-10-1980.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Sunbay Food Corporation,
51-52, G.I.D.C., Plot,
Verawal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.(2) Allana Frozen Foods Pvt. Ltd.,
424, Maulana Azad Road,
Bombay.

(Transferee)

Ahmedabad-380009, the 31st October, 1980

Ref. No. P. R. No. 1211 Acq. 23-1/80-81:—Whereas, I
MANGI LAL,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing.Plot Nos. 51-52 of original R. S. No. 1832 situated at
Verawal Patan Road, Verawal
(and more fully described, in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Verawal on 27-5-1980for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of.—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
which period expires later.(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the meaning as given
in the Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moncys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 2065-24 sq. mts.
bearing Plot Nos. 51-52 of original R.S. No. 1832-P situated
at Verawal-Patan Road, Verawal, duly registered by Registering
Officer, Verawal, vide sale-deed No. 1740/27-5-1980 i.e. property
as fully described therein.Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, AhmedabadDated : 31-10-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE -I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 31st October 1980

Ref. No. P. R. No. 1212 Acq. 23-I/80-81:—Whereas, I MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 10 paiki-open land situated at 16, Millpara & Dheber Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 31-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Lilawanti Chimanlal Mody,
44, Prahlad Plot, Rajkot.

(Transferor)

(2) 1. Bhanumati D. Dattani ;
2. Kalavanti K. Dattani ;
12, Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Land bearing Plot No. 10 paiki admeasuring 108 sq. yds. situated at 16, Millpara & Dheber Road, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 2352/31-5-1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated : 31-10-1980.
Seal:

FORM ITNS

(1) Lilavanti Chimanlal Mody ;
44, Prahlad Plot , Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) Kalavaliben Kantilal Dattani ;
12, Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st October 1980

Ref. No. P. R. No. 1213 Acq. 23-I/80-81:—Whereas, I MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Lekh No. 51-open land situated at Dhebar Road, Rajkot. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 16-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Lakh No. 51 paiki-admeasuring 108 sq. yds. situated at Dhebar Road, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 2353/16-5-1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 31-10-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Jivraj Narbheram Mehta ;
2. Shri Nagindas Jivaraj Mehta ;
Administrators of deed, Shantaben Jivraj Mehta ;
Sharda Sadan, 4th Floor, 5-A,
Belvi Road, Fort, Bombay-400001

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

- (2) Shri Jai Faramroz Bilimoriya ,
Smt. Chandrikaben Jai Bilimoriya ,
Pandit Nehru Road,
Jamnagar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 3rd November 1980

Ref. No. P R. No. 1220 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I
MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearing No

City S. No. 1/G/4, known as Jai puri Estate Plot No 6, Plot
No 9, Sub -plot No. G-1, situated at Bedi Bunder Road, Opp.
State Bank of India, Jamnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer at
Jamnagar on 21-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the instrument of transfer
with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A building known as Shanti standing on land admeasuring
4500 sq ft. bearing S. No 1-G-4 Plan No. 6, Pata Plot No
9-1 ; situated at Bedi Bunder Road, Jamnagar and as fully
described in the sale-deed registered vide Regn No 13300
dated 21-5-1980

MANGI LAL,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,
namely:—

25-466GI/80

Dated : 3-11-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 24th November 1980

Ref. No. P. R. No. 1240 Acq. 23-I/80-81:—Whence, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 3818/5 & 3534/2 of Sheet No. 9 & 16 situated at Dwarka,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kalyanpur on 8-5-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Anantprasad Purushottam Purohit ;
Bank of Baroda, Dwarka.

(Transferor)

- (2) 1. Vijaykumar Govindbhai Hemani ;
2. Ramshbhai Govindbhai Hemani ;
Dwarka.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2090-56 sq. mts. bearing S. Nos. 3818/5 and 3534/2 situated at Dwarka Okha High Way Road, Dwarka and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 763 dated 8-5-1980

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 24-11-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 3rd November 1981

Ref. No. P. R. No. 1043/Acq. 23-II/80-81:—Whereas, I
MANGI LAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingR. S. No. 249 (Paiki) situated at Near Wadi Shak Market,
Bakrawadi Road, Baroda.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
at Baroda on 15-5-1980.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) Shikuntalabai Pandurang Thanawala,
P. A. Holder of Shantilal Tribhovandas Pratapnagar
Pole, Mangal Bazar,
Baroda.

(Transferor)

- (2) Mahubir Oil Mills,
Through : Partners ;
Sitaram Agarwal & Others ;
56, Vijay Society, Near Wadi Market, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & godown shed thereon situated near Wadi Shak
Market, On the Bakrawadi Road, bearing R. S. No. 249 (Paiki)
and is fully described as per sale deed No. 3014 registered in
the office of Sub-Registrar, Baroda on 15-5-80.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 31-1-81
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

(1) Shri Chunibhai Haribhai,
Vasad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Anandiben Hashmukhbhai Parikh
Near Nizampura Village,
Chhani Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER, OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD 380009.

Ahmedabad 380009, the 3rd January 1981

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. P. R. No. 1044 Acq. 23-II/80-81:—Whereas, I
MANGILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Baroda Sr. No. 194, Plot No. 11, situated at Moje Nizampura, Baroda.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda, on 20-5-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land & flat in the first floor situated in the Nizampura area bearing Baroda Sr. No. 194 Plot No. 11 (Palki) and as fully described as per sale deed registered in the office of the Sub. Registrar, Baroda vide Registration No. 3094 dt. 20-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 3-1-1981.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD 380009

Ahmedabad 380009, the 3rd January 1981

Ref. No. P. R. No. 1045 Acq. 23-II/80-81:—Whereas, I
MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Sim. No. 194, Plot No. 11 situated at Moje
Nizampura, Baroda

and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Baroda on 20-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Chunibhai Haribhai,
Vasad.

(Transferor)

(2) Smt. Kailashben Jethalal Patel
Near Nizampura Village,
Chani Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & flat in the ground floor situated in the Nizampura
area being Baroda Sim S. No. 194, Plot No. 11 (Paiki) and
as fully described as per sale deed registered in the office of the
Sub registrar, Baroda Vide Regn. No. 3095 dated 20-5-80.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 3-1-81.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD 380009

Ahmedabad 380009, the 3rd January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1046 acq. 23-II/80-81.—Whereas, I MANGILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 641, Tika No. 50 (S. No. 2294 Paiki land situated at Maharani Shantadevi Road, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 26-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Shri Ishvarbhai Naaranbhai Patel
Dargah Road, Navsari.
- (2) Maniben W/d Dahyabhai Khushalbhai
- (3) Minor Dinubhai Dahyabhai Khushalbhai
- (4) Minor Kilankumar.

(Transferors)

2. Shri Ramabhai Khandubhai Naik;
Shri Navinchandra Keshavlal Upadhyay.
C/o. Jankalyan Co. op. Housing Society,
Maharani Shanti devi Road,
Navsari

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 641, Tika No. 50, C. S. No. 2294 at Navsari duly registered on 26-6-1980.

MANGI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 3-1-1981.
Sae1 :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, Ahmedabad 380009.

Ahmedabad 380009, the 5th January 1981

Ref. No. P. R. No. 1047 Acq. 23-II/80-81,—Whereas, I MANGI A.,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nath No. 8, 2153-B, No. 8, Nani Chhipwad, situated at Devpipur, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 28-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Shri Dilipkumar Batubhai Umarwadia Self and Suasdan of Minor Pratik Dilipkumar Umarwadia, Shahpur Soc. Ahmedabad.
- (2) Maheskumar Batubhai Umarwadia.
- (3) Manish Maheshkumar Umarwadia.

(Transferors)

2. Shri Rajendra Chandrakant..
Nr. Kudumpally Society,
Opp. Darshaha Society,
Nanpur, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nath No. 2153-B, at No. 8, Devpipur, Surat
Nani Chhipwad, duly registered on 28-5-1980.

MANGI, LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 5-1-1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II,

AHMEDABAD 380009.

Ahmedabad 380009, the 5th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1048 Acq. 23-II/80-81:—Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

R.S. No. 389-A-1+2+3 paiki shed situated at Ashwin Kumar Road, Katargam, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 22-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chandrakant Nathubhai Shah,
Wadi Falia,
Store Sheri, Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Jamiyatram Tulsidas Vayak Salabutpura,
Chokey Sheri, Surat.
Shri Jayanti Lal Narbheram Ranganwala,
Salabutpura, Sidhi Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 389-A 1+2+3, Shed No. 9, Ashwin Kumar, Katargam, Surat duly registered on 22-5-1980

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 5-1-1981.
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th January 1981]

Ref. No. P. R. No. 1049 Acq. 23-II/80-81.—Whereas
MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land at S. No. 40 Paiki, situated at Kanbivasa, Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Broach on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

26—466GI/80

- (1) 1. Partner of Ratanji Ferdunji & Son.
Shri Sarosh Dinshaji Jinwala.
Shri Dinshaji Ferdunji Jinwala.
Shri Sarosh Dinshaji Jinwala.
Civil Lines, Broach.

(Transferor)

- (2) Partners of Minerva Construction.
(i) Shri Govindbhai F. Mistry.
(ii) Dipak Kumar Govindbhai Mistry.
Fulshruti Co.op. Hsg. Soc. Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 40, Kanbivasa, Broach, bearing plot Nos. 21, 20, 13, 19, 24, 22, 4, 23, registered in the month of May, 1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 6-1-1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 6th January 1981

Ref. No. P. R. 1050 Acq. 23-II/80-81—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Tika No. 10/2, S. No. 45 situated at Dusturwad, Navsari.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 28-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Rameshchandra Jamnadas Gandhi.
(ii) Sushilaben Rameschandra Gandhi.
(iii) Vasantlal Jamnadas Gandhi.
(iv) Jayshriben Vasantlal Gandhi,
Dusturwad, Navsari.

(Transferors)

- (2) Navakovan Apartment Co. Op. Housing Soc. Ltd.
Secretary : Ramanlal Jivanji Gandhi, .
Dasturwad, Navsari.
President : Champaklal J. Biscuitwala,
Tarota Bazar, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Tika No. 10/2, S. No. 45, Dasturwad, Navsari duly registered on 28-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 6-1-1981,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 3rd January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1051/Acq. 23-II/80-81—Whereas, 'I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 648 Tika No. 54 Survey No. 2402 land situated at Maharani Shantadevi Road, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Navsari on 27-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Ratanji Khushal P. A. Holder of following ;

1. Shri Chhaganlal Ratanji ;
2. Shri Natverlal Ratanji ;
3. Smt. Bhanumati Ranchhod ;
4. Shri Dilip Ranchhod ;
5. Kum. Nalini Ranchhod ;
6. Smt. Indumati Rambhai ;
7. Kum. Roshani Rambhai ;
8. Kum. Vina Rambhai ;

Maharani Shantadevi Road, Navsari.

(Transferors)

(2) Shri B. L. Shah ;

C/o. Ketan Enterprise ;
Prop. Malani Trust,
2nd Floor, 35/37, Chandra Bhavan,
Dhanji Street, Bombay-400003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at R. S. No. 648-Tika No. 54, S. No. 2402, Maharani Shantadevi Road, Navsari duly registered on 27-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Dated : 3-1-1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 3rd January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1052 Acq. 23-II/80-81—Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 20-21 415 (Paiki), Plot No. 6 situated at Manjalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Baroda on 8-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Nirmala Himmat Popat ;
5-Tushar, Vithal Society,
Near Jayaratna Bldg., Baroda.

(Transferor)

- (2) Mukesh Vasanji Thakkar ;
Satya Vihar Farsah Housewala ;
Rajmahal Road, Dara Pole, (Hathi Pole),
Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Plot No. 6, R. S. No. 20-21-415 (Paiki), situated at Manjalpur area of Baroda City and as fully described as per sale deed No. 2905, registered in the Office of Sub-Registrar, Baroda on 8-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range -II, Ahmedabad.

Dated : 3-1-1981.

Seal :

FORM FINS

- (1) P. A. Holder of
Shri Kekobar Jamshedji Antia,
Shri Manekshree Kunvarji Dasdi,
Dansor Mahollo Nanpur,
Surat.

(Transferor)

- (2) (1) Chairman Shri Gulamkadar Abdulrehman Mushi
Sarampura, Mavi Street, Surat.
(2) Secretary : Mohmed Hussain Abdulrehman Tapali,
2-2585, Sgrumpura, Mavi Street, Surate.
C/o Chandan Co. Opp. Housing Soc. Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Ahmedabad-380009, the 8th January 1981

Ref. No. P. R. No. 1053 Acq. 23-II/80-81:—Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 2197, 2198 Wd. No. 2, Ruderpura, situated at Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 14-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 2197, 2198 Wd. No. 2, Ruderpura, Surat duly registered on 14-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 8-1-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 8th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1054/Acq. 23-II/80-81:—Whereas, I MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 122, 124 Village Fulpada, situated at Surat. (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 21st May, 1980. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harsha Nathalal Raval,
Fulpada,
District—Surat.

(Transferor)

- (1) 1. Shri Babubhai Dudhabhai,
2. Shri Bhimji Kalyanbhai,
Dharmnagar Co. op. Hsg. Society,
Ashwinkumar, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Fulpada. S. No. 122, 124 duly registered in May, 1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 8-11-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 8th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1055/Acq. 23-II/80-81:—Whereas, I
MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Nondh Nos. 152, 153, 154, 155 & 156 (P) New Motan situated at Mandir Chhota Bazar, Wd. No. 10, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (11 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat, on 21-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sharma Benefit Trust,
Chottapur, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Alps Enterprises,
Arogyanagar, Athwa Lines,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 152 to 156(P), Near Motā Mandir, Chouta Bazar, Surat duly registered on 21-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad).Dated : 8-1-1981.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 8th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1056 Acq. 23-II/80-81:--Whereas, I
MANGI LAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 85, Athwa Ward New City S. No. 1502 situated at Adarsh H. Sec. Athur, Surat.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dhansukhlal Laxmidas Shah,
Haripura, Kaljas Muhello,
Surat.

(Transferor)

(2) 1. Sir, Mangilal Ichhubhai Patel.
2. Sir, Sureshchandra Ichhubhai Patel,
Adarshnagar, Athwa, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 85, Athwa Ward, new City S. No. 1502, Adarsh C. Op. Hsg. Society, Athwa, Surat duly registered on 29-5-80

MANGI LAL,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad)

Dated : 8-1-1981.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Amratlal Khushaldas Mali,
Musalisam, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)(2) 1. Shri Santprasad Chanpaklal Diwanji—Self & Manager
of HUF2. Shri Rajiv Santprasad Diwanji—Self being manager
of Ghod-dol Rd. Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1057 Acq, 23-II/80-81:—Whereas, I
MANGI LAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
No. S. No. 125-1 & 126-Sub. Plot No. 19, situated at
Majura, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
at Surat on 5-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
27—466 GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45
days from the date of publication of this notice in the
Official Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have in the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Majura S. No. 125-1 & 126—Sub. Plot No. 19,
of F. P. 27, Surat duly registered on 5-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad).

Dated : 8-1-1981,

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 8th January 1981

Ref. No. P. R. 1058/Acq. 23-II/80-81—Whereas, I MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 45, T.P.S. No. 6, F.P. No. 113 & 27 situated at Majura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat, on 29-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) P. A. Holder of Shri Abdulrazak Abdulrehman Battiwala, Mehrabibi Jafarmiya & Kulsumbi D/o Fatehmohmod Mistry and W/o. Abdul Rehman Chhotamiya Battiwala, Pandi-bhit, Surat.

(Transferors)

(2) Shri Pankaj C. Jinwala,
Shri C. G. Gholawala,
Ravi Darshan Co op. Hsg. Soc. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Majura R. S. No. 54, T.P.S. No. 6, F.P. No. 113 & 27 duly registered on 29-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 8.1-1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 8th January 1981

Ref. No. P. R. 1059, Acq. 23-II/80-81—Whereas,
I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 394-A 1 Plot No. 83, situated at Katangara Colony, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat, on 16-5-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—

(1) Shri Manharlal Rameshchodas Kapadia,
A-B, 2-3, Gujarat Housing Board,
Khatasana Colony, Surat.
Smt. Lalitaben Ishvarlal,
Opp. Jain Temple, Sayan, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Lalji Industries,
Chandrakant Chunilal,
Ishvarlal Maganlal,
Mahidharpura, Jadakhali,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Katangara S. No. 394-A-1 Plots Plot No. 83, duly registered on 16-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.Dated : 8-1-1981
Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Motilal Mohanlal,
Rasala, Deesa Taluka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nanatal Nagindas Shah,
C/o Shri Vinodchandra Nagindas,
Navapura, Nagardas Shori, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 9th January 1981

Ref. No. P. R. 1060 Acq. 23 II/80-81—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 3562 (Sheet No. 47), House No. 4/11/114 situated at Risale Line (near Lati), Deesa Taluka,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Deesa on 26-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 4/11/114, City Survey No. 3562 (Sheet No. 47), situated at Risale Line (near Lati) Deesa Taluka and as fully described as per sale deed No. 695 registered in the office of the Sub Registrar Deesa, on 26-5-1980

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 9-1-1981.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(1) Shri Abdul Razak Banumiya,
Rani Talav, Bharbandhvad,
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Dahyabhai K. Patel
Chairman/Secretary,
Swami Gunatitnagar co. op. Hou. Society,
Dalichand nagar, Nanpura, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009**

Ahmedabad-380009, the 13th January, 1981

Ref. No. P. R. 1061/Acq. 23-II/80-81:—Whereas, I

MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R. S. No. 87, T.P.S. No. 9, F. P. No.-166 A & 166 B situated at Majura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 3-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 87, T.P.S. No. 9, F. P. No. 166 A & 166 B Majura, Surat.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 13-1-1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 13th January, 1981

Ref. No. P. [R. 1062 Acq. 23/II/80-81—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. R-S. No. 160 situated at Baroda Kasba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 30-5-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Madhuben Vinubhai Shah 171,
Bhudhadev Colony, Baroda.

:(Transferor)

(2) Pravinchandra Lalchand Shah,
Raopura, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Baroda Kasba R. S. No. 160 situated in Baroda City and as fully described as per sale deed No. 3253 registered in the Office of Sub-registrar, Baroda on 30-5-80.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 13-1-1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 13th January 1981

Ref. No. P. R. 1063 Acq. 23/II/80-81—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 734-2, Baroda Kasba situated at Karelibaug—Baroda City. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 12-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Bhagat Land Corporation through partner Vithalbhai Vlkrambhai Patel, Bhavdas Mohalla, Siabaug, Baroda. (Transferor)
(2) Jaswantlal Chandulal Kotadia and others. Wadi, Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and construction in progress bearing Kasba—S. No. 7342 Karelibaug, Baroda City and as fully described as per sale deed Nos. 2959, 2961, 2962 and 2963 registered in the office of the Sub-Registrar, Baroda on 12-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated ; 13-1-1981.
Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri Chandrakant Trikamlal,
Shahi baug, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Proposed Harimandir Co-Op. Housing Society Ltd.
—Same address—

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th January 1981

Ref. : No. P. R. No. 1304 Acq. 23/80-81 :—Whereas, I
MANGI LAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
F. P. No. 298, T. P. S. 14, Sub. Plot No. 3, situated at Subhas
Bridge, Ahmedabad.,(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Ahmedabad on 23-5-1980for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing F. P. No. 298, Sub. Plot No. 3, T.P.S. 14,
adm. 366.87 Sq. Met. out of 2158.05 Sq. Met. situated at Subhas
Bridge Ahmedabad, duly registered by Registering Office,
Ahmedabad vide sale deed No. 5375/76/23-5-80 i.e. property
as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 12-1-1981,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1303 Acq. 23:—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 298, T.P.S. 13, Sub. Plot No. 3 situated at Subhash Bridge, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
28—466GI/80

(1) Shri Sunderlal Trikamlal,
Shahi baug, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Proposed Harimandir Co-Op. Housing Society Ltd.,
—Same address—

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing F.P.N. 298, subplot No., 3 T.P.S. 14, adm. 366.87 Sq. Met. out of 2158.05 Sq. Met. situated at Subhash Bridge, Ahmedabad, duly registered by Registry Office, Ahmedabad, vide sale-deed No. 5279/80/23-5-80, i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Date : 12-1-1981,
Seal

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Indrakant Trikamlal
Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Proposed Harimandir Co-Op. Housing Society Ltd.,
—Same Address—

(Transferee2)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1302 Acq. 23:—Whereas, I MANGI
LAL,being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter re-
ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingF. P. No. 298, T. P. S. 14, Sub Plot No. 3, situated at Subhash
Bridge, A' bad;
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ahmedabad, on 23-5-80for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
and defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing F. No. 298, subplot No., 3 T.P.S. 14,
adm. 366.87 Sq. Met out of 2158.05 Sq. Met. situated at
Subhash Bridge, Ahmedabad duly registered by Registering Office
Ahmedabad, vide sale-deed No. 5365/66/23-5-1980 i.e.,
property as fully described therein.MANGI LAL,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad,Dated : 12-1-1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 300 Acq. 23/80-81:—Whereas, I,
MANGI LAL,**being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.****S. No. 82+83 paiki sub-plot No. 193+194+195 paiki. TPS. 21. FP 115. situated at Vastrapur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on May, 1980****for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—****(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or****(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sumantlal Keshavlal Patel,
Ravivar Path, Poona 2.
(Trans feror)
- (2) Samir Apartments owners Association,
through President Shri Jayendra Chandulal Desai,
83, Swastik Society,
behind St. Xavier's Ladies Hostel,
Navrangpura, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm 252½+252½ Sq. yd. bearing S. No. 82+83 paiki—Sub-plot No. 193+194+195—T. P. S. 21—F. P. No. 15 situated at Vastrapura Ahmedabad, duly registered by Registering officer, Ahmedabad, vide sale deed Nos. 8609/8604/ May, 1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.Dated : 12-1-1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1301/Acq. 23:—Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. 82+83 paiki Sub plot No. 193+194+195 paiki TPS. 21 FP. 115 situated at Vastrapur, Ahmedabad.

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dwarkadas Baldevdas Maniar,
A. 8, Chandan Mahal, 1st floor, 11th road,
Bombay.

(Transferor)

- (2) Samir Apartments, owners Association,
through President,
Shri Jayendra Chandulal Desai, 83, Swastik Society,
Behind : St. Xavier's Ladies Hostel,
Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 252½ + 252½ bearing S. No. 82 + 83 paiki sub. plot No. 193+194+195 T.P.S. 21— F. P. No. 115 situated at Vastrapur, Ahmedabad duly registered by Registering officer, Ahmedabad, vide sale deed No. 8607/8603/May, 80 i.e. property fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 12-1-1981.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Manubhai Mohanlal Shah,
A. 3, Chandan Mahal, 1st floor,
11th Road, Bombay.

(Transveror)

- (2) Samir Apartments Owners Association,
through President Shri Jayendra Chandulal Desai,
83, Swastik Society, behind : St. Xavier's Ladies Hostel,
Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1981

Ref. No. P. R. N9. 306 Acq/23:—Whereas, I MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 82+83 paiki sub. Plot No. 193+194+195 paiki. TPS. 21 F. P. 115 situated at Vastrapur, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in May 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 252½+2452½ sq. yd. bearing S. No. 82+83 paiki sub. plot No. 193+194½+195 TPS. 21 F. P. No. 115 situated at Vastrapur, A'bad. duly registered by registering Officer, Ahmedabad, vide sale deed No. 8607/8603/May, 1980 i.e. property fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 12-1-1981.

Sd/-

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1309 Acq. 23-I/80-81:—Whereas, I MANGI LAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Revenue S. No. 211-212-213-214-215 paikiplot No. B-28 situated at Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 8-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jayant Engineering Works,
Through partners
Jayantilal Gordhandas & others
near New Jail,
Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shiv Shakti Engineering Products,
Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shed standing on land admeasuring 829.2658 meters bearing S. No. 211, 212, 213, 214, 215 paiki plot No. B-28, situated at Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide no. 1094 at 8-5-80.

MANGI LAL,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 12-1-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009 .

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1981

Ref. No. P. R. No./308 Acq. 23:—Whereas, I MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 16 of Nutan Nagar Schem No. 1 situated at Nutan Nagar 1, Mahuva.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mahuva on 12-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Khoja Noorali Sherali Power of attorney holder of Khoja Mohamad Hussien Sherali, near, Chhavadi Chowk, Mahuva.

(Transferor)

- (2) 1. Manishankar Girdharlal
2. Laxmishankar Girdharlal
3. Ambashankar Girdharlal
4. Deerkabji Girdharlal
Nana Jadara Mahuva.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 26286 Sq. feet bearing plot no. 16, of Nutan Nagar Scheme No. 1, situated 7 Mahuva and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 1007 dt. 12-5-1980.

MANGI LAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 12-1-1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1307 Acq. 23:—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 267, Plot No. 49, M. S. No. 186/E 1 to 4, situated at Devbaug Bhavnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar, on 27-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jashvantlal Mohanlal Mehta as owner & L/H of the deed.
Smt. Taraben Jashvantray
21/1, Rafiq Ahmeda Qedvai Road, Rikhiv Building,
Bombay No. 31. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Molviyaben Jacobbhai Cowper
2. Phularaben Jacobbhai Cowper
3. Saryudaben Jacobbhai Cowper
4. Arvindaben Jacobbhai Cowper
near, Chavdigate, Charbattino chowk, Vadawa.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land 682.19 Sq. Meters bearing. No. 263, Sheet No. 238, Plot No. 49, situated at Devbaug Bhavnagar and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 1131 Dt. 27-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 12-1-1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1305 Acq. 23:—Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S. No. 267, Plot No. 50 situated at Devbaug Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 27-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—466GI/80

(1) Shri Mehta Jashvantraai Mohanlal
Rafik Ahmed Qidvai Road,
Rikhiv Building,
Bombay No. 31.

(Transferor)

(2) Shri Jemesbhai Jecobbhai Cowper
Shri Jiviniyanbhai Jecobbhai Cowper
Shri Johanathanbhai Jecobbhai Cowper
Wadawa, Charbuttino chowk,
Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 679-88 Sq. Meters bearing S. No. 267, Plot No. 50 situated Dev Baug, Bhavnagar, and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 1132 dt. 27-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 12-1-1981.

Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 11 th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1299 Acq. 23:—Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F. P. 298, T.P.S. 14, Sub. Plot No. 3 situated at Subhash Bridge, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad., on 23-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vinodbhai Trikamlal,
Shahibag, "Kadam",
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Proprietary Harimandir Co-Op. Housing So. Ltd.,
through Promoters :

(1) Shri Amrutlal Joitaram Patel,
Prabhunagar Ashrva, Ahmedabad.

(2) Shri Rameshchandra N. Patel,
Near, Kiran park Nava Vada, Kailash Flat,
Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing final plot No. 298, sub plot no. 3 T.P.S. 14, Adm. 366.87 Sq. Mtrs. out of 2158.05 Sq. Met. at Subhash Bridge Ahmedabad, duly registered by Register Officer, Ahmedabad vide sale deed no. 5369/80/23-5-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated : 12-1-1981.
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th January, 1981

Ref No. P. R. No. 1296 Acq 23/1/80-81:—Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Plot No 3 situated at Mill para Main Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Rajkot on 9-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Rajeshkumar Champak lal Parekh, P. A. holder of
 - 1 Shri Parbhulal Girdherlal Doshi
 - 2 Shri Dinsukhlal Prabhulal Doshi
 P. Lal Mension, Rajkot
(Transferor)
- (2) 1 Shri Vikramchand Tulsidas Mehta,
2 Shri Batuk Vikramchand Mehta,
11-Junction Plot, Rajkot
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, **within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.**

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 77 Sq Yds bearing No Plot No 3 of Raghuvir Compound Mill Plots, situated at Mill Para main Road, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide regn No 2872 dated 9-5-80

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated - 7-1-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 7th January 1981

Ref No P. R. No. 1295 Acq. 23/I/80-81:—Whereas, I
MANGI LAL,being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 3 situated at Mill Para, main Road, Rajkot.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Rajkot on 8-5-1980for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Shri Rajesh Kumar Champaklal Parekh P.A. holder of ;
1. Shri Parbhulal Girdharlal Doshi,
2. Shri Dinsukhlal Prabhulal Doshi,
P. Lal Mension, Rajkot.

(Transferee)

- (2) 1. Shri Vikramchand Tulsidas Mehta;
2. Shri Batuk Vikramchand Mehta,
11-Junction Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 77 Sq. Yds.
bearing Raghuvir Compound Mill plots paiki plot No. 3
situated at mill para main road, Rajkot and as fully described
in the sale deed registered vide regn. No. 2851 dated 8-5-80.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 7-1-1981.
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 7th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1294 Acq. 23 /80-81:—Whereas, I
MANGI LAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Plot No. 4 of 20 Jagnath plot, situated at 20 Jagnath plot,
Rajkot(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Rajkot on 12-5-1980for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri D. M. Sheth.
Vidyanagar Road,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Mukesh Vallabhdas Cohel,
Bhupendra road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land 154.00 Sq. Yds. bearing plot no. 4 of
20 Jagnath plot, situated at 20 Jagnath plot, Rajkot and as fully
described in the sale deed registered wvide Regn. No. 2943
dated 12-5-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 7-1-1981.

Seal :

FORM ITNS—

adhibai Karjibhai ;
2. Jagdish Karjibhai ;
3. Suresh Karjibhai ;
Kalawad road, Rajkot.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Maniben Govindjibhai,
31 Jagnath plot, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 7th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1293 Acq. 23 I/80-81 —Whereas, I
MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 454/Block C, Paiki Plot No. 6 situated at Kalawad road, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot, on 3-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A building standing on land ad, 126-6-108 Sq. Yds, bearing S. No. 454, paiki block-C, paiki plot no. 6 situated at Kalawad road, Kirtinagar, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 2788 dated 3-5-80.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 7-1-1981.

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Kirikumar Ratilal Shah,
17-Panchnath,
Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kanji Lahdabhai Patel,
3, Ramkrishnanagar, West,
Behind Virani Highschool,
Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
2nd Floor Handloom House, Ashram Road,

Ahmedabad-380009, the 7th January 1981.

Ref. No. P. R. No. 1292 Acq. 23/80-81:—Whereas, I
MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S. No. 205-F situated at Behind Virani High school, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 29-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land, bearing S. No. 205-1 Known as Umija Krupa, behind Virani High School, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 3320 dt. 29-5-80.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 7-1-1981.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramjibhai Beohar bhai,
Vaghpar, Tal. Morbi.

(Transferor)

(2) Shri Harijivanbhai Popatbhai
Nalanda Society, Kalavad Road,
Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 7th January, 1981

Ref. No. P. R. No. 1291 Acq. 23/1/80-81: —Whereas, I
MANGI LAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

S. No. 440-B, Plot No. 22, and 23-Paiki, sub plot No. 5-B
situated at Nalanda Society, Rajkot.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer
at Rajkot on 3-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 133-80 sq. yds.
bearing S. No. 440-B, Plot No. 22 & 23 paiki Sub. plot No. 5-B,
of Nalanda Society, Rajkot., and as fully described in the Sale
deed registered vide R. No. 23 & 25 dated 3-5-80.

MANGI LAL,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Dated : 7-1-1981.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chaturbhuj Premji Mistry,
26, Chokshy Park, Isampura Road, Maninagar,
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chaturbhuj Flats and Shops Owners Assocn.
Shri D. C. Mistry, Chairman,
Opp. Railway Club, Maninagar,
Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380 009, the 3rd January 1981

Ref. No. P. R. No. 1290-Acq.23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 39A (part) P.P.S. 22 situated at Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land adm. 744.15 sq. m. bearing S. No. 39-A (part) T.P.S. No. 22, F.P. No. 177-A, situated near Narayanpagar Road, Ahmedabad, duly registered by vide sale deed No. 7944/80 dated 7-5-1980 ie property as fully lease-hold in the said sale deed.

MANGI LAL
(Competent Authority)

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
30-466GI/80

Date : 3-1-1981.
Seal :

FORM NO ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE -I
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009 the 3rd January, 1981

Ref No P R No 1289 Acq, 23-1/80-81 —Whereas, I MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

S No 429 Paiki Hissa No 2 & S No 430 paiki Hissa No 2 situated at Vejalpur, Distt Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Maneklal Laldas Patel,
Bungalow No 9, Bhubneshwar Park Society,
Naranpura, Ahmedabad-13

(Transferor)

- (2) Swetalpark Co Op Housing Soc. Ltd.,
Through Chairman Shri Balubhai Prabhudas Desai,
1152, Zupdi's Pole, Mandvi's Pole,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S No. 429 paiki Hissa No 2 & S. No. 430 paiki Hissa No 2, adm 7388 sq. yds. situated at Vejalpur Distt. Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide Sale deed No 8044/9-5-80 i.e. property as fully lease-hold therein

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated : 3-1-1981
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 30th December, 1980

Ref. No. P. R. No. 1287 Acq, 23-I/80-81:—Whereas, I MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 33-F.P. No. 15/B T. P. S. 7, situated at Khokhara m.m.madabad, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rasiklal Ambalal ;
"Parmeshwar", Bharat Society,
Kankaria, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Gita Tea Trading Co.,
Through : Partner : Shri Piyushkumar C. Desai &
others ;
Mithakhali, Near 6 Roads,
Ahmedabad-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 551 sq. mts. bearing S. No. 33, paiki T.P.S. No. 7, F.P. No. 15-B, situated at Khokhara-Mehmadabad, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 8782/29-5-80 (37-G Form received in first fortnight of June, 1980) i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad)

Dated : 30-12-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600006, the 19th December, 1980

Ref. No. 104/May/80—Whereas, I, T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 5 situated at Harrington Road, 9th Avenue, Chetput Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Mds (Doc. No. 592/80), on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. T. P. Dorairaj, (2) T. P. Sundaram, (3) T. P. Ramakrishnan, (4) T. P. Meenambal (5) T. K. Kokila (6) T. N. Neela (7) T. N. Balasubramanian (8) T. N. Swaminathan (9) T. N. Natarajan (10) T. N. Balagopalan, (11) P. Girija Devi (12) P. Ravichandran (13) P. Jamuna, (14) P. Devi (15) P. Vijaya Kumari, (16) P. Rajendran, P. Rajeswari (18) P. Babu Sundaram (19) B. Bagia Lakshmi (20) P. Paramasivam (21) K. T. Rajan (22) K. Jayaraman. No. 5, Harrington Road, 9th Avenue, Chetput, Madras.

(Transferee)

- (2) Shri V. Vaidyanathan,
No. 6, Coral Merchant Street,
Madras-1.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 592/80 S.R.O. Periamet, Madras.

Land & Buildings at Door No. 5, Harrington Road, 9th Avenue, Chetpet, Madras.

T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Madras-600006

Dated : 19-12-1980.
Seal

FORM ITNS—

(1) Shri T. Subbiah Mudaliar,
No 8, Perumal North Mada Street,
Tirunelveli Town

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Amudha Rajendran,
W/o Shri K V Rajendran,
No 76, Selvinagar, Tirunelveli-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600006, the 12th January, 1981

Ref No 20/MAY/80—Whereas, I, T E S R LAKSHMI, NARASIMHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No 31 & 32 & T S No 710/1, situated at Perachi Amman Koil Street, Vanarpet, Tirunelveli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Palayamkottai (Doc No 1070/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Document No 1070/80 JSRO I, Palayamkottai

Land & Buildings at Door Nos 31 & 32, & T S No. 710/1, Perachi Amman Koil Street, Vanarpet, Tirunelveli

T E S R. LAKSHMI NARASIMHAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-60000

Dated 12-1-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 12th January, 1981

Ref. No 22/MAY/80—Whereas, I, T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

23, 24, 27, 28, 29, 30 & T. S. No. 710/1, situated at Perachi Amman Koil St., Palayamkottai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at KSRO-I Palayamkottai (Doc No. 1072/80), on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely,—

(1) Shri T. Ramasam Mudaliar,
S/o Shri S T Theetharappa Mudaliar,
Perumal North Mada Street,
Tirunelveli Town

(Transferor)

(2) Shri V Subbaraj,
Director, Ganapathi Mills,
No. 110, Sevalpatti Naidu Street,
Rajapalayam.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1072/80 JSRO I, Palayamkottai

Land & Buildings at Door Nos 23, 24, 27, 28, 29, 30 & T S No 710/1, Perachi Amman Koil Street, Palayamkottai, Tirunelveli

T E S R LAKSHMI NARASIMHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date . 12-1-1981
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 12th January 1981

Ref. No. 114/MAY/80—Whereas, I, T.E.S.R. LAKSHMI, NARASIMHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T. S. No. 710/1, situated at Perachi Amman Koll Street, Palayamkottai, Tirunelveli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer.

at JSRO I, Palayamkottai, (Doc. No. 1069/80) on May, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. T. Theetharappa Mudaliar,
S/o Shri S. P. Thirumaliappa Mudaliar,
Perumal North Mada Street,
Tirunelveli Town.

(Transferor)

(2) Shri K. Venkatasami Naidu,
S/o Shri Kondama Naidu,
No. 110, Sevalpatti Naidu Street,
Rajapalayam,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1069/80 JSRO I, Palayamkottai.

Vacant site at T. S. No. 710/1, Well, Electric Motor, Pumpset etc. at Perachi Amman Koll Street, Palayamkottai, Tirunelveli.

T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 12-1-1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006.

MADRAS-600006., the 15th January 1981

Ref. No. 96/MAY/80—Whereas, I, T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16 & 17 (T.S. No. 32), situated at Trichy Main Road, Kugai, Salem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO SALEM (Doc. No. 2833/80) on May 80), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly started in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri V. N. V. Srinivasa Chettiar.
2. Smt. S. Vajjirammal.
3. Shri S. Rangaraju,
4. Shri S. Ramachandran.
Srirangapalayam Extension, Gandhi Road, Salem-7.
(Transferor)

- (2) Smt. S. Vijayakumari,
W/o Shri S. Deivasigamani,
Palani Chetty Street, Kugai,
Salem-6.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2833/80 S. R. O. Salem.

Land & Buildings at Door No. 16 & 17 (T. S. No. 32) Trichy Main Road, Kugai, Salem.

T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 15-1-1981.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006.**

MADRAS-600006, the 15th January, 1981

Ref. No. 111/May/80:—Whereas, I T.E.S.R. LAKSHMI, NARASIMHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1, situated at Veeraraghavan Road, Tondiarpet, Madras-81,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO II, Madras North. (Doc. No. 2043/80) on May 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—466GI/80

(1) M/s. Wilson & Co. (P) Ltd.,
by its Chairman Shri K. V. Shetty,
739, Anna Salai, Madras-2.

(Transferor)

(2) The Cuddapah Star Baryties (P) Ltd.
by its Managing Director,
Shri Janab Rahamathullah Sahib, M.P.,
4, Muker Nallamuthu Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2043/80 JSRO II, Madras North,

Land & Buildings at R. S. No. 4062, Door No. 1, Veeraraghavan Road, Tondiarpet, Madras-81.

T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN,
Competent Authority.

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 15-1-1981.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. Ragavan,
Plot No. 46, K. K. Nagar
Madurai-20.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Prema Sundarapandi,
W/o Dr. Sundarapandi,
97, Tahsildar Nagar, Madurai-20.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MDARAS-600006.

Madras-600006, the 16th January, 1981

Re/. No. 17/MAY/80:—Whereas, I T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. Plot No. 46 (R. S. No. 146/6 & 8), situated at K. K. Nagar, Madurai-20,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO, K. K. Nagar, Tallakulam (Doc. No. 2353/80) on May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2353/80 S.R.O. K. K. Nagar, Tallakulam, Madurai,
Land & Buildings at Plot No. 46, (R. S. No. 146/6 & 8)
K. K. Nagar, Madurai-20.

T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 16-1-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006.

Madras-600006., the 16th January, 1981

Ref. No. 5/MAY/80:—Whereas, I T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

New Door No. 59 (T. S. No. 1122/1) situated at New Jail Road, Madurai.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 919/80) on May 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. J. Ramasami Pillai
2. R. Sridharan.
3. J. Palaniswamy.
4. P. Krishnan.
5. J. Dhankoti
6. P. Paramasivam.
59, New Jail Road, Madurai.

(Transferor)

- (2) The Madura Hindu Permanent Fund Ltd.,
50 & 51, Mela Kobura Theru,
Madurai-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 919/80 S. R. O. Pudumandapam, Madurai.

Land & Buildings at Old Door No. 267, New Door No. 59, (T. S. No. 1122/1) New Jail Road, Madurai.

T.E.S.R. LAKSHMI NARASIMHAN,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 16-1-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 16th January, 1981

Ref. No. 32/MAY/80:—Whereas, I T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 179 (T. S. No. 281/1), situated at Vakkil New Street, Madurai,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO I, Madurai (Doc. No. 2491/80) on May 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such land as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. Somasundaram,
Advocate,
No. 179, Vakkil New Street, Madurai. (Transferor)
- (2) Smt. R. Susila,
W/o Shri S. P. Ramakrishnan,
No. 5/227-B, Ayyasamy Chettiar Street,
Paramakudi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2491/80 JSRO I, Madurai.

Land & Buildings at Door No. 179 (T. S. N. 281/1), Vakkil New Street, Madurai.

T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006)

Date : 16-1-1981.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 16th January, 1981

Ref. No. 33/MAY/80: -Whereas, I T.E.S.R. LAKSHMI
NARASIMHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No 179 (T S No 281/1), situated at Vakkil New Street, Madurai
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
at JSRO I, Madurai (Doc No 2492/80) on May 80

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purpose of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri S Somasundaram,
Advocate,
No 179, Vakkil New Street, Madurai

(Transferor)

(2) Smt K. Janaki Ammal,
W/o Shri Korakisundaram Chettiar,
5/227-A, Ayyasamy Chettiar Street,
Paramakudi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Document No 2492/80 JSRO I, Madurai

Land & Buildings at Door No 179 (T.S. No 281/1), Vakkil
New Street, Madurai

T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006)

Date : 16-1-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 20th January, 1981

Ref. No. 10834—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 1035 & 1036, situated at Coonoor Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor (Doc. No. 655/80) on May 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Alicar Shanthakumar,
W/o B. Shanthakumar,
30/3, Desikachari Road, Mylapore,
Madras-4.

(Transferor)

(2) Mr. Reji John,
S/o Shri V. C. John,
Viruthipadavil, Kottayam,
Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 655/80 S.R.O. Coonoor.
Lands at R.S. No. 1035 & 1036, Coonoor Town.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 20-1-1981.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 20th January, 1981

Ref. No. 15479—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 149/1, 149/2, 149/3, situated at Thadalan Koil Vattam, Seekali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSRO II, Madras North (Doc. No. 1854/80) on May, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri N. V. Kayaroganam.
2. Shri A. Ramasamy Chettiar.
3. Shri N. A. Narayanasamy Chettiar
Nanayakara Theru, Nagapatinam.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Saroja,
W/o Shri Samikannu.
2. Smt. Saraswathi,
W/o Shri Muthukrishnan,
No. 18, Panankattankudi Street, Sirkali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Document No. 1854/80 JSRO II, North Madras.

Lands in R.S. No. 149/1, 149/2, 149/3, at Thadankovil Vattam, Sirkali.

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 20-1-1981

Seal

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II.

Madras-600 006, the 23rd January 1981

Ref. No. 10815.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T.S. No. 11/1271, Site No. 15, situated at Gandhipuram
2nd Street, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Gandhipuram, Coimbatore (Doc. No. 1748/80) on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. Lakshmanan,
73, Tatabad 11th Street,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri K. Nagarajan,
No. 400, Nava India Road,
K. R. Puram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Document No. 1748/80 S.R.O. Gandhipuram, Coimbatore.

Land & Buildings at T.S. No. 11/1271, Site No. 15, Gandhipuram 2nd Street, Coimbatore.

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date . 9-1-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 17th January, 1981

Ref. No. 10793—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 341/5b, situated at Krishnarayapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2684/80) on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

32—466 G I/80

(1) P. V. Govindaswamy Naidu,
G. Jagadeesan, G. Manoharan,
31, Praga Button Thottam,
Nava India Road,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri Ram Foundry,
4/39A, Avanashi Road, P.N. Palayam,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 341/5B, Krishnarayapuram, Coimbatore (Doc. 2684/80).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 17-1-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madrass-600006, the 16th January 1981

Ref. No. 10816—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 305, situated at Ganapathy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore (Doc. 1694/80) on May 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Selvi Textiles (P) Ltd.,
112, Thali Road, Udumalpet.

(Transferor)

(2) C. Rathinam,
S/o Chinney Gounder,
Ganapathy Coimbatore Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. 305, Ganapathy village Coimbatore (Doc. 1694/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 16-1-1981
Seal :

FORM NO. IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) P. Kalavathy H. Thulasi,
11G, Seit Narayanadas Lay Out Tatabad,
Coimbatore. (Transferor)
- (2) V. Lakshmanan,
27, Cross Cut Road, Srinivasapuram,
Coimbatore. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 17th January, 1981

Ref. No. 10800—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11/30, Cross Cut Road, situated at Srinivasapuram, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3022/80) on May 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 11/30, Cross Cut Road, Srinivasapuram, Coimbatore.
(Doc. 3022/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 17-1-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 23rd January 1981

Ref. No. 15404—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 102, situated at Velacherry Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. No. 1369/80) on May 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Grace Kuruvilla Jacob,
C.M.C. Staff Quarters,
Vellore.

(Transferor)

(2) Shri M. Ashok Kumar, No
No. 21, S. S. Iyengar Road,
Alwarpet, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1369/80 S.R.O. Saidapet.
Land & Buildings at Door No. 102, Velacherry Road,
Madras.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 23-1-1981.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Rabeka M. Mani,
Rep. by K. C. Jacob,
7, Spur Tank Road,
Madras-31.
- (2) C. Haridas,
12, Lakshmipuram II St.,
Madras-66.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 23rd January 1981

Ref. No. 15405—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 102, Velacherry Road, situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Satidapet (Doc. 1370/80) on May 1980

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land at 102, Velacherry Road, Madras.
(Doc. 1370/80)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 20-1-1981
Seal :

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

MADRAS-600006, the 23rd January 1981

Ref. No. 15406—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 102, situated at Velacherry Road, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet Doc 1368/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. K. Chakko Kuruvilla,
Rep. by K. C. Jacob,
7, Spur Tank Road,
Madras-31.

(Transferor)

(2) C. V. Velayudhan,
No. 20, II Cross St.,
Ellaiman Colony,
Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 102, Velacherry Road, Madras.
(Doc. 1368/80)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 23-1-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 23rd January 1981

Ref. No. 15407—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 102, Velacherry Road, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 1367/80) on May 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Sulochana Abraham,
Rep. by K. C. Jacob,
7, Spur Tank Road,
Madras-31.

(Transferor)

(2) M. Govindan,
18, Ganga Nagar,
Puliyur Part III,
Madras-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 102, Velacherry Road, Madras-32.
(Doc. 1367/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 23-1-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 20th January, 1981

Ref. No. 9008—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 85/2, situated at 36, Reddiarpalayam Village, Pondicherry,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ozhukarai, (Doc. No. 574/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mario Josephine,
3, Middle Street,
Reddiarpalayam,
Pondicherry.

(Transferor)

- (2) Identity Research Institute Trust,
2, Ananda Rangapillai Street,
Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 574/80 S.R.O. Ozhukarai.
Lands in R.S. No. 85/2, 36, Reddiarpalayam Village, Pondicherry.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 20-1-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

MADRAS-600006, the 20th January, 1981

Ref. No. 9008—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 85/1, situated at 36, Reddiarpalayam Village, Pondicherry.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ozhukarai. (Doc. No. 626/80) on May 1980 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

33—466GI/80

- (1) Mrs. Suzanne Irundayamalie,
31, Middle Street,
Reddiarpalayam,
Pondicherry.

(Transferor)

- (2) Identity Research Institute Trust,
2, Ananda Rangapillai Street,
Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 626/80 S.R.O. Ozhukarai.

Lands at R.S. No. 85/1, 36, Reddiarpalayam Village, Pondicherry.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 20-1-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 20th January 1981

Ref. No. 10821—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 279/1, Kottampatti, situated at Pollachi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pollachi (Doc. 1463/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Balaswamy Gounder,
Subramania Gounder,
2, Krishnaswamy Gounder Thippampatti,
Pollachi.

(Transferor)

(2) S. Ramajayam,
104, Venkatachalapuram,
Udumalai Road,
Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 279/1, Kottampatti, Pollachi.
(Doc. 1463/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 20-1-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 5th January 1981

Ref. No. 15461—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 117/1, situated at Thiruvanniyur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 2562/80) on Aug. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Shyamala,
11, Arca Bishop Mathias Avenue,
Madras-28. (Transferor)
- (2) D. R. S. Narayanan,
43, First Avenue,
Indira Nagar,
Madras. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 117/1, Thiruvanniyur.
(Doc. 2562/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 5-1-1981

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 17th January, 1981

Ref. No 8998—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 96, Eswaran Koil St, situated at Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc 994/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) V. R. Devanathan (A) Munuswamy Chokkanathan, Kothandapani, Kannan, Arumugham, 3/52, Ayyangar Koil St, Kuyavarpalayam, Mudaliyarpet Commune, Pondy
(Transferor)
- (2) M. Harikrishna Udayar, 10/39, Market St, Nellithope, Pondy.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 96, Eswaran Koil St, Pondicherry (Doc 994/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 17-1-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 20th January, 1981

Ref. No. 10819—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. 4, Thulasirao St., situated at Tiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc. 1064/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) R. Pechianna Thevar,
4, Thulasi Rao St.,
Tiruppur.

(Transferor)

(2) V. Thulasiammal,
8F, Kuppanna Chettiar St.,
Tiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4, Thulasi Rao St., Tiruppur.
(Doc. 1064/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
(Competent Authority)

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 20-1-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
MADRAS-600006

Madras, the 14th January, 1981

Ref. No. 10837—Whereas, I, RADHABALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Wild Flower Hall,, situated at Rs. No. 4388, Ootacamund (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ooty (Doc. 808/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) K. T. Rajan, Rep. of J. R. Seshadri,
6th Main, 12th Cross,
Malleswaram,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Kushi Gopaladas Jagtiani,
Stud Farm, Nandhi Hill Road,
Karahalli Post Devahalli,
Bangalore.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at RS No. 4388, Wild Flower Hall,
Ootacamund.
(Doc. 808/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 20-1-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 20th January, 1981

Ref. No. 8997—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 56/58, Thiagaraja St., situated at Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. 950/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Devaki Ammal,
R. Jayaraman,
16, Mahatma Gandhi Road,
Pondicherry.

(Transferor)

(2) Abdulla Sheikh Mohammed Alima Bi,
42, Thambu Naicket St.,
Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 56/58, Thiagaraja St., Pondicherry.
(Doc. 950/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 20-1-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
MADRAS

Madras, the 17th January, 1981

Where as, I, RADHABALAKRISHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS. No. 493/1 and 487, situated at Pappanaickenpalayam Pudur Bhrathiyar Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2973/80) on May' 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. Rathnam & R. Mayuranathan,
Sambaraya Thottam,
Chinnavadampatti,
Coimbatore

(Transferor)

(2) Dr. N. Veluswamy,
40, Balaji Nagar,
Coimbatore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS. 493/1, 487,
Bhrathiyar Road, Pudur,
Pappanaickenpalayam,
Coimbatore.
(Doc. 2973/80)

RADHABALAKRISHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range,
Madras-6000 06

Date : 17-1-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, MADRAS-600 0006

Madras, the 17th January 1981

Whereas, I, RADHA BALAKRISHAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS. 493/1, 487, situated at Bharathiyar Road, Pudur Pappanaickenpalayam

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2974/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

34—466GI/80

(1) P. Natarajan,
N. Uthayakumar,
Panaimarathottam, Ganapathy,
Coimbatore-6.

(Transferor)

(2) Hamsaveni, 40,
Balaji Nagar,
Coimbatore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS. 493/1, 487,
Bharathiyar Road,
Pudur, Pappanaickenpalayam.
(Doc. 2974/80).

RADHA BALAKRISHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 17-1-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

MADRAS-600006, the 17th January, 1981

Ref. No. 10799—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22/372 to 376, situated at Big Bazaar St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3035/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M. Gnanavel,
378, Big Bazaar St.,
Coimbatore.
- (2) B. Ayyadurai,
432, Big Bazaar St.,
Coimbatore.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 22/372 to 376, Big Bazaar St., Coimbatore.

(Doc. 3035/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 17-1-1981
Seal:

FORM INS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M. Gnanavel.
378, Big Bazaar St.,
Coimbatore.
- (2) B. Ayvanai Achari
432, Big Bazaar St., Coimbatore.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

MADRAS-600006, the 17th January, 1981

Ref. No. 10799—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000 and bearing No. 378A, 378B, Big Bazaar St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3034/80) on May 1980 for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957) :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 378A, 378B, Big Bazaar St., Coimbatore.
(Doc. 3034/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-1-1981
Sd :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, MADRAS-600006

Madras, the 10th January, 1981

Ref No 15412 -Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 511, Mount Road, situated at Madras-18 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc 767/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. Subramaniam,
511, Mount Road,
Madras-18.

(Transferor)

(2) Ammani Ammal
214, Peters Road,
Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 511, Mount Road,
Madras-18.
(Doc. 767/80)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 10-1-81
Seal :

FORM NO ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras, the 12th January 1981

Ref No 9005 Whereas I RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

No 21, 1st Cross St situated at Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc 542/80 on 14/1/1980)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

(1) Dhanalakshmi,
118, Ambalathu Madayyar Madam St,
Pondicherry

(Transferor)

(2) Hajima Bi, Karmara St,
Koonimedu, Dindivanam, Tk

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at 21, 1st Cross St,
Ithalanchavadi, Pondicherry
(Doc. 542/80)RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006Date, 12-1-1981
Seal

FORMS ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006
Madras, the 10th January, 1981

Ref. No. 15414—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21, Sadullah St., Madras-17 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, (Doc. 734/80) on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S.V. Ramadoss,
Chandra,
22, Sadullah St.,
Madras-17.

(Transferor)

(2) K. Vadivelu,
65, Harrington Road,
Madras-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No 21, Sadullah St.,
Madras-17.
(Doc. 734/80)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 10-1-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras, the 20th January, 1981

Ref. No. 10813—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. Nos. 1/1 etc. situated at O' Valley Village Ootacamund (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Gudalur, (Doc. No. 751/80) on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri L. M. Nagaraj,
Royal Valley Estate,
Naduvattam,
Nilgiris.
(Transferor)
- (2) 1. K. Sanchiah & Primrose Cottage, Woodcock Road,
Ootacamund.
2. Mrs. Devirammal. -do-
3. S. Neelakantan. -do-
4. S. Mohan. -do-
5. S. Sivaraj. -do-
6. R. Balakrishnan Deivy Bank Lane, Alms House Road,
Ootacamund.
7. R. Govindaraj, Ranga Nilayam, Alms House Road,
Ootacamund.
8. Mrs. G. Saraswathi. -do-
9. R. Chickaraj. -do-
10. Minor G. Ramesh -do-
11. Minor C. Ananthakrishnan -do-
12. Minor C. Ramakrishnan -do-
13. Minor C. Venugopal. -do-

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 751/80 S.R.O, Gudalur.
Estate Lands 45.91 acres with buildings etc. in R.S. Nos. 1/1, 1/2, 1/3, 1/4, 1/5, 1/6, 1/7, 1/8, and 46/B1/A1/A2 of O' Valley Village Ootacamund.

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 20-1-81

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras, the 20th January, 1981

Ref. No. 10841—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kannamanickanur situated at Udumalpet, Tirupur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalpet (Doc. 1104/80) on May, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) R. Venkatiaman, R. Varadarajan,
R. Srinivasan, R. Govindarajan,
R. Rajagopalan,
30, Ellamuthur Road,
Udumalpet.

(Transferors)

(2) R. Shantha, Ravinchandran,
Vasanthakumar,
C/o Ragupathi Naidu,
Vaianpalayam,
Coimbatore

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No 915 and 916, Kannama Natckanur Udumalpet
(Doc. 1104/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 20-1-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras, the 17th January, 1981

Ref. No. 15415—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Prakasam Road, situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. 733/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
35—466G1/80

(1) Gulabben Vadilal Mehtani & others
Aahar Mahal Flat No. 2,
65, Walkeshwar Road,
Bombay-400006.

(Transferor)

(2) Sevantilal Jivanlal Parekh,
72, Marine Drive,
Bombay-400020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 3, Prakasam Road, T. Nagar,
Madras-17
(Doc. 733/80)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 17-1-1981

Seal:

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras, the 17th January, 1981

Ref. No. 15395—RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, Kasturi Ranga Iyengar situated at Road, Madras-600018 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Madras South (Doc. 877/80) on May, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Manjula Vijay kumari,
R. Vijayakumar,
9, Kasturi Ranga Iyengar Road,
Madras-18

(Transferor)

(2) A. Habeebur Rahman,
T. Ummahani Begum,
51, Santhapet, Gudiyatham,
North Arcot Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 9, Kasturi Ranga Iyengar, Road,
Madras-600018,
(Doc. 877/80)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras

Date : 17-1-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madrass-600006, the 22nd January, 1981

Ref. No. 15388—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 11 (R.S. No. 4287/3 & situated at 4288/7, South Beach Road, Madras-28.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Mylapore, Madras (Doc. No. 970/80) on May 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri C. Suresh Kumar Reddy,
Micafab, Fabricators & Exporters of Mica Insulators,
Gudur, Pin-Code-524102. (Transferor)
- (2) Shri N. K. Mamooty,
21, Lazarus Church Road,
Madras-28. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 970/80 S.R.O. Mylapore, Madras.
Land & Buildings at Plot No. 11, R.S. No. 4287/3 & 4288/7,
South Beach Road, Madras-28.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 22-1-1981
Seal :

FORM ITNB—**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(1) R. Rajalakshmi,
77, Lloyds Road,
Madras-600014.

(Transferor)

(2) A. Rajeswari,
152, Usman Road,
T. Nagar,
Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.**

Madras-600006, the 17th January, 1981

Ref. No. 15386—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 24 (RS 1607), situated at CIT Colony, Mylapore, Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1002/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 24, RS No. 1607 C.I.T. Colony, Madras-4.
(Doc. 1002/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 17-1-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 20th January, 1981

Ref No 10812—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Gudalur, Coimbatore, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gudalur (Doc 979/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons namely —

(1) R Jayalakshmi,
Siddayankottai,
Dindigul Tk

(Transferor)

(2) M M Belli,
S/o M Malle Gowder,
Chettipalayam,
Coimbatore Tk

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Gudalur Village, Coimbatore
(Doc 979/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date 20-1-1981
Seal

FORM ITNS ———

(1) P. Subramanian,
Punthottam,
Tanjore Dt.

(Transferor)

(2) Philip Alexander,
Palampadom,
Kottayam,
Kerala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006
Madras-600006, the 20th January, 1981

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 15378—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

2, II St, Gill Nagar, situated at Choolamedu, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 2253/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land and building at 2, II St, Gill Nagar, Choolamedu, Madras
(Doc 2253/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date 20-1-1981
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600006.

Madrass-600006, the 17th January, 1981

Ref. No. 9006—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 36, Reddiarpalayam, situated at Pondicherry (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. 515/80) on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Saravane Tyagraj,
Sarvane Djea Kumar,
Saravane Satya Kumar,
Mme. Saravane Nittya,
Mme. Saravane Suzanne,
Saravane Anand,
Mme. Saravane Regina,
2/61, Rue Saint Antoine,
Reddiarpalayam,
Pondicherry-605010.

(Transferors)

- (2) Madame Yvonne Marie Artaud,
Identity Research Institute Trust No. 2,
Ranga Pillai St., Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 36, Reddiarpalayam, Pondicherry.
(Doc. 515/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 17-1-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 20th January 1981

Ref. No. 10804—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T.S. 9/287, Ramnagar, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2897/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) N. S. Ramamurthy,
S/o. N. R. Swamynatha Iyer,
64, Sathiamurthy Road,
Ramnagar,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) M. Sundaram,
S/o. N. Muthuswamy,
19, Municipal Office Road,
Tiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 9/287, Ramnagar, Coimbatore.
(Doc. 2897/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 20-1-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

MADRAS-600006, the 17th January, 1981

Ref. No. 8994—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, North Madavilagam St., situated at Karur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karur (Doc. 814/80) on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

3 6—466GI/80

- (1) K. Ramaswamy Chettiar,
Sudarsan,
Balakrishnan,
S/o K. Ramachaswamy Chettiar Bazaar,
Salem.

(Transferor)

- (2) Subramani,
Deiva Senapathy,
S/o V. P. Kuppuswamy Gounder,
Adi Krishnapuram,
Karur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 5, North Madavilagam St., Karur.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 17-1-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

MADRAS-600006, the 17th January, 1981

Ref. No 10797—Whereas, I RADHA BALAKRISHNA N being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17/122, 123, 357 to 363, 363A, situated at Variety Hall Road, Coimbatore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2576/80) on May 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) K. Muniappan,
Narayanaswamy Naidu, & others,
Kalikkanaickenpalayam, Coimbatore Tk.
(Transferor)

- (2) S. Mohammed Nooruddin,
S. Abdul Gafoor,
14F, Ansari St.,
Ramnagar, Coimbatore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the

EXPLANATION :—The terms and expression used therein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 17/122, 123, 357 to 363, 363A, Variety Hall Road, Coimbatore.

(Doc. 2576/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 17-1-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th December, 1981

Ref. No. RAC No. 378/80-81—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe, that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 7/1 situated at Kachiguda, Hyderabad (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Miss Jaya Shree Priya Darshini,
M/o Mrs. Viola Harry,
23-6-850/9 Bela,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Raj Gupta,
W/o Nand Kishore Gupta,
R/o 35/4 RT L.I.G.H.
Barkatpura,
Hyderabad.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 7/1 Rahmat Bagh, Kachiguda, Hyderabad
Extent 505.5 sq. yards registered with Sub Registrar Hyderabad
vide Document No. 5005/May 80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-12-1980

Seal :

FORM I T T S —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th December 1980

Ref. No. RAC No 379/80-81—Whereas, I, S GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing

No. Shop 6 Sagarview situated at Domalguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Kumari Sital Devi (Minor)
Through her father Sri J Shankarlal Agarwal,
15-1-53 Osmangunj,
Hyderabad

(Transferor)

(2) Master Wajid Ahmed Khan (Minor),
Through Father Ashfaq Ahmed Khan,
R/o 12-2-458/16, Mehdiapatnam,
Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 6 (Rear Cellar) Sagarview No 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad area 35 86 sq mts registered vide Document No 4836/80 with Sub-Registrar Hyderabad

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-12-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th December 1980

Ref No. RAC 380/80-81—Whereas, I, S GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Shop No 10 situated at Sagarview Domalguda, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Kumari Sheetal Devi,
Minor by guardian Sri J. Shankarlal Agarwal,
15-1-53, Osmangunj,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt Nathi Bai Soni,
14-2-332/11, Gyanbagh,
Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No R C 10 at Sagarview M No 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad area 349.5 sq ft registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No 4822/80

S GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date 17-12-1980
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 18th December, 1980

Ref. No. RAC No. 381/80-81—Whereas, I, S. GOVINDA
RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-6-200 situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Sri Kundur Venkata Rama Rao
S/o Late K. Lakshmi Narsimha Rao
- (2) Smt. Kundur Venkata Krishna Kumari
W/o K. Venkata Rama Rao
- (3) Sri Kundur Lakshmi Narsimha Reddy,
S/o K. Venkata Rama Rao.
- (4) Sri Kundur Venkata Ramesh Reddy,
S/o K. Venkata Rama Rao,
3-6-200 Himayat Nagar,
Hyderabad-29.

(Transferors)

- (2) M/s Saradaw Construction Private Ltd.,
3-6-200 Himayathnagar,
Hyderabad-29.
Represented by Managing Director Sri Siddharth
P. Hindocha
S/o Paroobhai Devjibhai Hindoch
R/o 11, Nehrunagar,
Secunderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 645 sq. yards (539.22 sq. mts) appertenant to building M. No 3-6-200 Himayathnagar, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 4089/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 18-12-1980

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 31st December 1980

Ref. No. RAC No. 382/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-2-216 situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Punnaswamy Ramalingam,
S/o K. R. M. Punnaswamy Pillai & others,
R/o 5-9-828 Gunfoundry,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. L. K. Murthy,
S/o P. Venkatarathnam Siddanthi & others,
1-2-8/7 Domalguda,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 396 sq. yards in M. No. 1-2-216 Domalguda, Hyderabad registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 4847/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, HyderabadDate : 31-12-80
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st December 1980

Ref No. RAC No. 383/80-81—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2-2-1144/11/6 situated at Nallagunta, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Pritam Ram alias Umakantam,
H. No. 2-2-1144/11/6,
Now Nallagunta,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Narsing Rao,
S/o Late P. Kuppuswamy,
New Nallagunta,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2-2-1144/11/6 New Nallagunta, Hyderabad area 307 sq. yards registered vide Document No. 4825/80 with Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 31-12-80
Seal :

~~FORM ITNS~~

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st December 1980

(1) ~~Smt. G. Mahalakshamma,~~
W/o Late Lakshminarayana,
1-2-593/15 Gaganmahal colony,
Domalguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) (1) Sri T. V. Dev Dutt,
R/o 3-3-891, Qutbiguda,
Kachiguda,
Hyderabad.

(2) Sri P. R. Suharlatha,
Quarter No. C 8,
Govt. colony, Patigadda,
Secunderabad.

(3) A. Anasuya,
3-6-190/3,
Hlmayathnagar,
Hyderabad.

(Transferee)

Ref. No. RAC No. 384/80-81—Whereas, I, S. GOVINDA-
RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. open plot situated at Gaganmahal, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act. to the following
persons, namely :—

37—466GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 31 in Survey No. 183 Gaganmahal, Ashok-
nagar, Hyderabad area 816 sq. yards registered with Sub-
Registrar Hyderabad vide Document No 2314/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 31-12-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st December, 1980

Ref. No. RAC No. 385/80-81—Whereas I. S. GOVINDA
RAJANbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding Rs.
25-000/- and bearing No.No. 4-1-414 situated at Troopbazar, Hyderabad
(and more fully described, in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on May 1980for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
7, Smt. Bimla Kapoor W/o Shri Sardari Lal Kapoor
7, New Vijay Nagar, Jullundur.

(1) Sm. Icharakbai,
W/o Motilal,
581 Bolaram Bazar,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sm. Sabitha Devi,
W/o T. Duleep Singh,
Cheemalkunda village,
Bhongir Taluk,
Nalgonda District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4-1-414 opposite Sagar Talkies, roopbazar
Hyderabad registered with Sub Registrar Hyderabad vide
Document No. 4171/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Dated : 31-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 1st January, 1981

Ref. No. RAC No. 386/80-81—Whereas, I S. GOVINDA-
RAJAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-8-623 & 625 situated at Abid Road, Hyderabad

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Sri V. Madhusudhan Rao,
S/o V. Venkaiah
Purana Haveli,
Hyderabad.
Master S. Sivakumar,
S/o Samudrala Chandraliah
(Minor by Guardian Father)
Feelkhana,
Hyderabad.

(Transferor)

2. (1) Nazeer Ali,
S/o Sadruddin Khajani,
R/o Aghapura,
Hyderabad.
(2) Mohanlal,
S/o Maganlal Lakhani,
Nizamabad.
(3) Gulam Ali,
S/o Maganlal Lakhani,
Nizamabad.
(4) Umed Ali,
S/o Maganlal Lakhani,
Nizamabad.
(5) Badruddin,
S/o Maganlal Lakhani,
Nizamabad.
(6) Pyar Ali,
S/o Khanji Bai,
Nizamabad.
(7) Gulzar,
W/o Basrat Ali Khorani,
Karimabad Housing colony,
Chirag Ali Lane,
Hyderabad.
(8) Parveen,
W/o Anwar Hussain Khorani,
Karimabad Housing colony,
Chirag Ali Lane,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property premises No. 5-8-623 & 625 Abid Road, Hyderabad on land admeasuring 562 sq. yards or 464.67 sq. Mts registered with Sub Registrar Hyderabad vide Document No. 4677/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 1-1, 1981

Seal :

FORM TENS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st January, 1981

Ref. No. RAC No. 387/80-81—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-9-171/1 situated at Chapal Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby institute proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mohd. Sajid Ahmed,
S/o Late Mohd. Sulaiman,
3-5-784/2/2
King Kothi,
Hyderabad

(Transferor)

(2) Mohd. Tiluwat Ahmed,
S/o Mohd. Sulaiman,
3-5-784/2/2,
King Kothi,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"House No. 5-9-171/1 Chapal Road, Hyderabad area 300 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 2330/80.

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 1-1-1981
Seal :

~~FORM TINE~~NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
(TAX ACT, 1961 (63 OF 1961))

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st January, 1981

Ref. No. RAC 388/80-81—Whereas, I S. GOVINDA-
RAJAN

being the Competent Authority under Section
269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Openland situated at Yousufguda, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer at
Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee by
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. P. Kamala Devi,
P & T Colony,
Hyderabad-28.

(Transferor)

- (2) M/s Surwell Co-operative Housing Society,
P & T Colony,
Hyderabad-500028.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land 20 3/4 guntas or 2510.75 sq. yards in Survey No.
129 Yousufguda, Hyderabad registered with Sub-Registrar
Hyderabad vide Document No. 4586/80.

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority),
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 1-1-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 1st January, 1981

Ref. No. RAC 389/80-81—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-10-74/71 situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Velamati Radha Rukmini Sowbhagyavathi,
W/o Sri Velamati Ramesh Chandra Chowdary,
R/o Balusupadu village,
Jaggayyapeta Taluk, Krishna Dt.
Andhra Pradesh.

G. P. A. Velamati Rameshchandra Chowdary,
S/o Padmanabham now residing at
8-3-898/16/2 Nagarjuna Nagar Colony,
Hyderabad.

(Transferors)

2. (1) Monica R. Shah,
D/o Sri Ramesh D. Shah
(2) Ketan R. Shah,
S/o Sri Ramesh D. Shah,
Represented by Father
3-5-1093/20 Sri Venkateswara Colony,
Narayanguda,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with portion of building (Three stories) admeasuring 917 sq. yds or 766.7 sq. mts bearing M. No. 1-10-74/71 (portion) at Begumpet Secunderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 4527/80.

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority),
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 1-1-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 1st January, 1981

Ref. No. RAC No. 390/80-81—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2-2-186/18/2B situated at Bagh Amberpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Mayani Devaiah,
S/o Sri Agalah,
22-1-242 Inside Chadarghat,
Hyderabad.

(Transferor)

2. (1) Mamillapalli Sri Sai Siva Ramakrishna
(2) M. Ravi,
(3) M. V. Vinaikumar
all minors by Guardian father M. V. Raghavulu Naidu,
3-6-584/2 Himayathnagar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 2-2-186/18/2B Bagh Amberpet Hyderabad area 249 sq. yards or 208.16 sq. mats registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 4379/80.

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority),
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 1-1-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 1st January, 1981

Ref. No RAC No. 391/80-81—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-4-522/1 situated at Bholakpur, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property, as, aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

1. (1) Mohd. Ytsuf,
S/o Mohd. Eshaq,
1-4-522/1,
Bholakpur, Hyderabad.
- (2) Smt. Sahnaz Begum,
W/o Azia Ahmed,
R/o Khaderpet,
- (3) Smt. Saheemunisa Begum,
W/o Mohd. Masim,
1-4-522/1, Bholakpur,
Hyderabad,

(Transferor)

2. Mohd. Osman
S/o Mohd. Eshaq,
1-4-522/1,
Bholakpur,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-4-522/1 Bholakpur Hyderabad area 975 sq. yards or 824.10 sq. mts registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 4321/80.

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority),
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 1-1-1981

Seal :

FORM ITNS

1. (1) Sri Humayun Ahmed Khan,
(2) Mrs. Alehtar Begum,
(3) Ahmed Abdullah,
R/o H. No. 11-4-634/1,
A. C. Guards
Hyderabad

(Transferor)

2. Mrs. Rafiq Fathima,
18-8-226/19/B,
Prasanthnagar
Hyderabad

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 1st January, 1981

Re. No. RAC No. 392/80-81—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-4 situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
38—466GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 7-1-4 Begumpet Hyderabad area 300 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 896/80

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 1-1-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd January, 1981

Re No. RAC No 393/80-81 Whereas I S GOVINDA-
RAJAN

being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 5-7 226, 227 situated at Aghapura, Hyderabad
(and more fully described, in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- 1 (1) Smt. Khurunnisa Begum,
W/o Late Syed Ahmed,
- (2) Syed Taimur Ahmed
S/o Late Syed Ahmed,
- (3) Syed Meraj Ahmed,
S/o Syed Ahmed
- (4) Syed Atia Sayeed,
W/o Late Syed Ahmed,
- (5) Smt. Bilquis Sayeed,
S/o Late Syed Ahmed
- (6) Smt. Atia Sayeed,
W/o Late Syed Ahmed,
- (7) Smt. Saheen Sayeed,
W/o Late Syed Ahmed
- (8) Smt. Shakila Sayeed,
W/o Late Syed Ahmed,
- (9) Smt. Nasreen Sayeed,
W/o Late Syed Ahmed,
- (10) Smt. Muhibeen Sayeed
W/o Late Syed Ahmed,
5-7-226 Aghapura,
Hyderabad

(Transferor)

- 1) Smt. Bilquis Sayeed,
W/o Syed Dilwar Shah,
5-7-227, Aghapura,
Hyderabad
- (2) Sri Syed Haroom Shah,
- (3) Syed Farooq,
- (4) Syed Zahir Shah,
- (5) Bushra Syed (Minor Guardian Mother) Smt
Bilquis Sayeed, W/o Syed Dilwar Shah
5-7-227, Aghapura, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

First floor 5-7-226 & 5-7-227 Aghapura Hyderabad area
178 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide
Document No. 4855/80.

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority)

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 3-1-1981
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd January, 1981

Ref. No. RAC No. 394/80-81—Whereas, I S. GOVINDA-
RAJAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10-2-317/51 situated at Vijayanagar colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Smt. Azizunnisa Begum
W/o Risaldar Major Mohd Hafizuddin,
10-2-317/51, Vijayanagar colony,
Hyderabad.
 - (2) Assaraul Hafiz,
S/o Risaldar Major Mohd. Hafizuddin
 - (3) Anwar Alhafiz,
S/o Risaldar Major Mohd. Hafizuddin.
 - (4) Smt. Durdana,
D/o Risaldar Major Mohd Hafizuddin
 - (5) Smt. Aziz Sultana,
D/o Risaldar Major Mohd Hafizuddin
 - (6) Smt. Fajzana,
 - (7) Smt. Nafiza,
 - (8) Smt. Nasirah D/o Major Hafizuddin.
- All residing at 10-2-317/51,
Vijayanagar Colony,
Hyderabad.

(Transferor)

2. Sri Mohd. Wasiuddin,
S/o Mohd. Abdul Aleem,
11-1-267,
Agapura,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10-2-317/51 Vijayanagar Colony Hyderabad. Area 400 sq. yards or 334.40 sq. mts registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 4378/80

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority)
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date 3-1-1981
Seal :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th January, 1981

Ref. No. RAC 395/80-81—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl land situated at Malkajgiri, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. (1) Sri P. V. L. Thimmaraju,
(2) Subba Raju,
(3) Ramakrishna Raju,
(4) Ramachandra Raju,
(5) Jaikumar,
H. No. 1/191,
Lingojiguda,
Secunderabad.

(Transferor)

2. M/s The Modern Co-operative House Building Society Ltd.,
4-1-624,
Troop Bazar,
Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 303/1 extent 1 acre 25 guntas at Malkajgiri Secunderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad east vide Document No. 5223/80.

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-1-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

Hyderabad, the 8th January 1981

Ref. No. RAC 396/80-81—Whereas, I S. GOVINDA-
RAJANbeing the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.7-1-621/371 situated at Sanjeevareddy Nagar, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Khairatabad on May 1980for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Sri B. Radha Rao,
House No. 55,
Sundar Nagar,
Erragadda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. L. Bhavani,
7-1-621/371,
Sanjeevareddy Nagar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 7-1-621/371 Sanjeevareddy Nagar Colony Hydera-
bad area 270 sq. yards registered with Sub-Registrar Khairata-
bad Vide Document No. 923/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-1-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 8th January 1981

Ref. No. RAC 397/80-81—Whereas, I S. GOVINDA-
RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 -

and bearing No. 8-2-684 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mir Mohd Ali
S/o Mir Afzal Ali,
8-2-684, Road No. 12,
Banjara Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mohd Waheed Farooqui,
S/o Mohd Majeed Farooqui,
H. No. 233/2 Rt,
Vijayanagar Colony,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5 in H. No. 8-2-684 Road No. 12 Banjara Hills
Hyderabad area 1000 sq. yards registered with Sub-Registrar
Hyderabad vide Document No. 4812/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-1-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th January 1981

Ref. No. RAC No. 398/80-81—Whereas, I. S. GOVINDA-
RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

16-2-386/D/3/1 situated at Gaddiannaram, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

(1) Smt. Aneesunnisa Begum,
W/o Mirza Kazim Hussam Baig,
22-2-768, Noorkhan Bazar,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Ahmed Mohiuddin,
S/o Nizamuddin,
Red Hills,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 16-2-836/D/3/1 A.P. Government Offi-
cials co-operative Housing Society Gaddiannaram, Hydera-
bad A.P. area 117 sq. yards. registered with Sub-Registrar
Hyderabad vide Document No. 3462/80.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-1-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 9th January 1981

Ref. No RAC No. 399/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16-2-836/D/3/1 situated at Gaddiannaram, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Aneesunnisa Begum,
W/o Mirza Kazim Hussain Baig,
22-2-768, Noorkhan Bazar,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Ahmed Mohiuddin,
S/o Nizamuddin,
Red Hills,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 16-2-836/D/3/1 A.P. Govt. Officials co-operative Housing Society Ltd. Gaddiannaram, Hyderabad area 216.3 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 3250/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-1-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th January, 1981

Ref. No. RAC 400/80-81—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agl. land Sy. No. 263 situated at Village Chilkoor, R.R. Dt.

(und more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Sri Sultanuddin Babu Khan,
S/o Late A. K. Babukhan,
6-3-1111 Begumpet,
Hyderabad.
G. P. A. Sri Ghiasuddin Babukhan,
S/o Late A. K. Babukhan,
6-3-1111, Begumpet,
Hyderabad.
- (2) Sri Ghiasuddin Babukhan,
S/o Late A. K. Babukhan,
6-3-1111, Begumpet,
Hyderabad.
- (3) M/s Mogul Farms,
5-9-58/1-15, Babukhan Estate,
Bashir Bagh,
Hyderabad,
Partner Sri Ghiasuddin Babukhan,
S/o Late A. K. Babukhan.

(Transferors)

2. M/s Decent Poultry Farm,
Chilkoor village,
Vikarabad-Bijapur Road,
Hyderabad west, Hyderabad.
represented by Sri Omer
S/o Ahmed,
21-1-1083 Madina Building Pathergatty,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be, made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 10 acres and 20 guntas or 4.2 hectares situated at village chilkoor Hyderabad west taluk, Vikarabad-Bijapur Road Survey No. 263 Rangareddy District with Poultry shed numbering 7 and other structures registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 5083/80.

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 13-1-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th January 1981

Ref. No. RAC No. 401/80-81—Whereas, I, S. GOVINDA-
RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Agl. land Sy. No. 260 situated at Hayathnagar R.R. Dt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

1. Mohammed Abdul Malik Akbar,
S/o Lt. Col Mohammed Abdus Sattar,
Kamal Manzil,
3-6-290 Hyderguda,
Hyderabad.

(Transferor)

2. (1) Sri K. Kannaiyah Yadav,
S/o K. Babaiah Yadav,
16-10-161 Malakpet,
Hyderabad.
- (2) Sri S. Biksha Pathi,
S/o Kishtiah,
R/o Gurranguda,
- (3) Sri D. Yadaiah,
S/o Rajalingam,
1-4 L. B. Nagar,
Hyderabad.
- (4) R. Sreenivasulu,
S/o R. Narsimlu,
16-11-309 Moosarambagh,
Hyderabad-36.
- (5) M. Janardhan Reddy,
S/o M. Yella Reddy,
16-11-363 Moosarambagh,
Hyderabad-36.
- (6) Syed Ali Asgar,
S/o Syed Mahboob Ali,
Malakpet,
Hyderabad.
- (7) A. Laxminarasimha Reddy,
S/o Late Sarva Reddy,
Old Malakpet,
Hyderabad.
- (8) M. Vinodh,
S/o Sri Papaiah,
16-11-161/3 Malakpet,
Hyderabad.
- (9) S. Narayana,
S/o Kistaiah,
R/o Gurranguda.
- (10) B. Advaiash,
S/o Yenkaiah,
R/o Nagole,
- (11) M. Ramchender,
S/o Rajalingam,
Moosarambagh,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land about 5 acres 10 guntas or 2.10 Hecta-
res in Survey No. 260 at Hayathnagar Grampanchayat, Taluk
Hayathnagar, R. R. District registered with Sub-Registrar,
Hyderabad vide Document No. 4655/80.

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority)

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-1-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th January 1981

Ref. No. RAC No. 402/80-81—Whereas, I S. GOVINDA-
RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agl. Sy 172/2 situated at Kothapet village, R. R. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bader Banu,
702, Mogal Apartments,
Deccan Towers Bashceerbagh,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Hanuman Prasad,
Begumbazar,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 38 guntas 120 sq. yards or 4719 sq. yards in Survey No. 172/2 Kothapet village, Rangareddy District registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 4440/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-1-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th January, 1981

Ref. No. R.A.C. No. 403/80-81—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9/470, A, B, C, D situated at Mydakur Road Proddatur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Proddatur on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Haji Syed Khader Saheb,
S/o Sri Kotagadda Syed Saheb,
9/469 Mydakur Road, Proddatur. (Transferor)
- (2) Sri Kotagadda Mhaboob Basha,
Adopted son of Haji Syed Khader Saheb,
9/469 Mydakur Road,
Proddatur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cinema Theatre bearing No 9/470 and 4 stalls No. 9/470A, 9/470B, 9/470C and 9/470D at Mydakur Road, Proddatur registered with Sub-Registrar Proddatur vide Document No. 1638/80.

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-1-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

Hyderabad, the 8th January, 1981

Ref. No. RAC. No. 1097—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Vacant Site situated at Srinagar, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on May, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Damara Venkata Lalita Devi,
W/o Venkata Range Rayanam,
Srinagar, Kakinada.

(Transferor)

(2) Smt. Chodey Sita Laxmi,
W/o V. S. Chinna Rao,
Srinagar, Kakinada

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The Property was registered by the SRO, Kakinada during the month of May, 1980 vide document no. 3203/80.

S. GOVINDARAJAN,
(Competent Authority)
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-1-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th January 1981

Ref. No. RAC. No. 1098/ Kakinada Squad—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant Site situated at SBI Colony, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on May, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Palla Kanaka Durga W/o Anandam, Bhavaninagar, Tirupathi. (Transferor)
(2) Smt. Vadapally Rama Seethamma, W/o Venkata Rama Raju, Baskarnagar Colony, Kakinada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property was registered by the SRO, Kakinada during the month of May, 1980 vide document no. 3421/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-1-1981
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mother Marie Luce, Kakinada (Transferor)
 (2) Sri K. Satya Bhagavan, S/o Venkanna, Kakinada. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th January 1981

Ref. No. RAC. No. 1099/Kakinada Squad.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door No. 46-13-1 situated at Jaganaicpur Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kakinada on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property as registered by the SRO, Kakinada during the month of May, 1980 document no. 3408/80.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. GOVINDARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-1-1981
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th January 1981

Ref. No. RAC. No. 1100/Kakinada Squad.—Whereas, I
S. GOVINDARAJAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Vacant Site situated at T.S. No. 71, T.P. No. 6/71, Asilimetta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Visakhapatnam on May, 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sri Rambir Singh Varma, S/o Ramdas Varma,
7-1-43B, Visakhapatnam.

(Transferor)

- (2) 1. Sri P. Anand Reddy, S/o Baskara Reddy and
2. Smt. P. Vidya Reddy, W/o Ananda Reddy, 2-12-3,
Venkatnagar, Kakinada.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property was registered by the SRO, Visakhapatnam
during the month of May, 1980 vide document no. 2800/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-1-9181

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th January 1981

Ref. No. RAC. No. 1101/Kakinada Squad.—Whereas, I
S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vacant Site situated at TS. No. 1730/2, Krishnagar (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
40—466G1/80

- (1) Sri Dupaguntla Purushottamdas Gupta,
(2) Sri Dupaguntla Chittarajandas Gupta, Ring Road,
Guntur. (Transferor)
- (2) Sir Maddali Sita Ramanjaneyulu, 6/13,
Brodipeta, Guntur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

The Property was registered by the S. R. O, Guntur during the month of May, 1980 vide document no. 3587/80.

S. GOVINDARAJAN
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-1-1981
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sri Pasumarthi Venkata Kotaiah,
S/o Gopalah, Chilakaluripeta. (Transferor)
- (2) Sri Jampana Baskara Rao, S/o Sankara Lingam,
Chilakaluripeta. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th January 1981

Ref. No. RAC. No. 1102/Kakinada Squad.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door No. 32-73 situated at Asstt. No. 9662 Cinema Hall, Chilakaluripeta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chilakaluripeta on May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

The Property was registered by the SRO, Chilakaluripeta during the month of May, 1980 vide document no. 472/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-1-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 9th January 1981

Ref. No. III-460/Acq/80-81—Whereas, I H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 6, Type B of the colony developed by the Patna Improvement Trust Ward No. 37 Thana no. 7 situated at Mohalla Srikrishnapuri, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna, on 4-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Syed Aziz Mustafa S/o Late Syed Md. Newas resident of Village Kazi Walichak P.O. Bhagalpur City, P.S. Kotwali Dist. Bhagalpur.

(Transferor)

(2) (i) Shri Bijoy Kumar Sinha and (ii) Shri Biplav Kumar Sinha Both sons of Shri Shambhoo Nath, resident of Village Tajpur, P.S. Maner, P.O. Kamla Gupalpur, Dist. Patna.

(Transferee)

(2) Transferees as mentioned above.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half of the building partly constructed and partly under construction on a piece of land measuring 692.44 sq. yards (Six hundred ninety two and point forty four square yards) equal to 4 Kathas, 11 Dhoor 11.25 dhurkies with vacant land situated at Mohalla Srikrishnapuri, Thana No. 7 Revenue Police station Phulwari, Now Kotwali, Dist. Patna being plot No. 6 type 'B' of the colony developed by the then, Patna Improvement Trust, Ward No. 34, within the limits of Patna Municipal Corporation, and within the jurisdiction of sub-Registrar and District Registrar of Patna, measuring 72' (Seventy two feet) on the North and south, and 89' (Eighty nine feet) on the East and 85' 6" (Eighty five and six inches) on the west together with all interest, right and title for the unexpired period of lease in half the portion of the land just described. Property in question has been more fully described in deed no. 3173 dated 4-5-80 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.Date : 9-1-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 20th January 1981

Ref. No. III-461/Acq/80-81—Whereas, I H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. and bearing Tauji No. 5225/14844 Khata No. 77 Plot No. 231 & 232, Ward No. 34 situated at Mohalla Dujra, Patna Town, Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 10-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shambhoo Pd. Singh S/o Late Sri Mathura Pd. Singh,
Resident of Village Bahapur, P.S. Bakhtiarpur,
District, Patna.

(Transferer)

(2) Sri Sanjay Kumar Roy, S/o Sri Brahm Deo Roy,
Nala Road, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Kathas situated at Mohalla Dujra, Patna bearing Tauji No. 5225/14844, Khata No. 77, Survey Plot No. 231 & 232 Ward No. 34, more fully described in deed No. 3370 registered with D.S.R. Patna.

H NARAIN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna.

Date : 20-1-1981

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-

Bangalore-560 001, the 10th November, 1980

Ref. Notice No. 297/80-81 Whereas, I R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 147/118, situated at Ward Angod of Mapusa Sub-District Bardez, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mapusa under document No. 522 on 21-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Mrs. Rosa Flomida Vaz W/o Pedro Vicente Vaz, Mapusa
 - (2) Mrs. Siproda da Costa (nee Vaz) D/o Pedro Vicente Vaz, London.
 - (3) Mr. Amyot Joseph Theotonio da Costa S/o Gabriella Costa, London
 - (4) Mr. Valentino Pedro Joaquim Vaz s/o Pedro Vicents Vaz, Mapusa
 - (5) Mrs. Delia Vaz (nee Lurtado) D/o Graciano Furtado, Mapusa
 - (6) Mr. Hilary Thomas Vaz, S/o Pedro Vicente Vaz, Mapusa
 - (7) Mrs. Juheta Ernestina Vaz (nec Costa) D/o Lourenco da Costa, Mapusa.
 - (8) Mr. Lawrence Vaz, S/o Pedro Vicente, Mapusa.
- Sl. No. 1, 2 & 3 are represented by their attorney the said vendor No. 4 Mr. Valentino Pedro Joaquim Vaz, Mapusa
- (Transferor)
- (2) Shri Suryakant Saunlaram Belegar, Businessman, R/o Moira, Tal: Bardez, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No 522

Dated 21-5-1980

Land and building known as "Casas de Morada" bearing S. No 147/118 situated at Ward Angod of Mapusa, Sub-district Bardez, District Goa.

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Assistant

Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 10-11-1980

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE]

Bangalore-560001, the 10th November 1980

Ref: No. 298/80-81—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 10, Matriz No. 217 situated at Ucassaim, Sub-distt: Bardez, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mapusa under document number 539 on 31-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Miguel Jose Cardado Correia,
(2) Smt. Maria Correia,
(3) Shri Jaime Jose Correia.
R/o Ucassaim, Tal: Bardez, Goa, (Transferor)
(2) Shri Ankush Rajaram Naik,
R/o. Santa Ines, Panaji, Goa, (Transferee)

Objections, if any, to be acquisitions of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 539

Dated 31-5-1980)

Land measuring 500 Sqm. and building thereon bearing survey No. 10, Matriz No. 217 situated at Ucassaim, Sub-distt : Bardez, Dist : Goa.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 10-11-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 5th December 1980

Ref. No. 302/80-81—Whereas, I R. THOTHATHRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal Asst. No. 983 and 984 situated at T.M. Road, Narasimharajapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narasimharajapura under documents 37 on 8-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri H. Bhujabala Shetty,
S/o. Jwalanath Shetty, Bastimath, Agrahara,
Narasimharajapura, (Transferor)
- (2) Shri P. P. Pathrose, S/o Paulo Padhusserry,
RM Road, (RCC Church) Narasimharajapura. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 37 Dated 8-5-1980)
Land and building bearing Municipal Assessment number 983 and 984 situated in T.M. Road, Narasimharajapura, Distt: Chikmagalur.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore
Date : 5-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

BANGALORE-560001, the 9th December 1980

Ref. C.R. No. 62/27082/80-81/Acq/B. Whereas, I

R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 191/42, (old No. 192) situated at 10th cross, Wilson garden, Bangalore-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jayanagar, Bangalore, Doc. No. 1099/80-81 on 30-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri (1) Kyasappa, (2) K. Kayaram, (3) Krishnappa, Residents of Audugodi, Hosur Main Road, Bangalore.
(Transferor)

(2) Shri M. Jayappa, No. 292/22, 12th cross, Wilson garden, Bangalore—27
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1099/80-81 Dated 30-5-1980)
House property bearing No. 191/42 (Old no. 192) situated at 10th cross Wilson Garden, Bangalore-27.
Measuring 80' x 50'

Bounded on :

North by : Private property
South by : Private property
East by : Private property
West by : 10th cross, Wilson Garden.

R. THOTHATHRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 5th December 1980

Ref. No. CR. 62/27210/80-81/Acq. B.—Whereas, I,

R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 86 situated at Gandhibazar Road, Basavangudi, Bangalore-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore, Doc. No. 402/80-81 on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

41—466GI/80

(1) Lakshmidēvi (2) Smt. Swarnalatha, No. 13/73, Pampamahakavi Road, Shankarapuram, Bangalore-4.

(Transferors)

(2) D.R. Aswathamma, No. 79/4, Shankarappa 1 garden, Magadi Road, Bangalore-23.

(Transferee)

(3) Smt. Savitha Agarwal, No. 86, Gandhibazar Rd. Basavangudi, Bangalore-4.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 402/80-81 Dated 5-5-1980)

House property bearing No. 86 (Old No. 85/2) situated at Gandhibazar Road, Basavangudi, Bangalore-4, measuring East to West 8.84 metres and North to South: 38.86 metres, Bounded on :

East by : Dr. K.S. Kuppurao's house
West by : Sri B. Vasudevamurthy's house
North by : conservancy lane
South by : Gandhibazar Road.

R. THOTHATHRI

Competent Authority.¹

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 5-12-1980

Seal ;

FORM IT.N.S.—

(1) Shri Abdul Rasheed,
S/o Mohammed Yousuff, No 94/2,
Infantry Road, Bangalore-560001

(Transferor)

(2) S/Shri (1) O Syed Sulaiman (2) S/n Anwar Begam,
Both residing at No. 38, Standage Road, Civil
Station, Bangalore-560001.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-56 0001

Bangalore-560001, the 9th December, 1980

Ref. C.R. No. 62/28330/80-81/ACQ/80—Whereas, I,
R THOTHATHRI

being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 46 (Old No 1B) situated at Promenade Road, Civil
Station, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer

at Shivajinagar, Bangalore, Doc No 2406/80-81 on 1-10-1980
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publications of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 2406/80-81 Dated 1-10 1980)

A portion of premises No 46 (old No 1 E), situated at
Promenade Road, Civil Station, Division No 47 Bangalore-1
Measuring 951.60 Square Meters.

Bounded on :

North by a portion of premises No 46
South by a Major portion of the property No 46
East by Private property
West by Major portion of property No 46 & promenade
Road

R THOTHATHRI

Competent Authority,

Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bangalore

Dated : 9-12-1980

Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-56 0001

Bangalore-560001, the 10th December, 1980

Ref. C.R. No. 62/27474/80-81/ACQ/B—Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Old No. 2390 and New No. 2390/88 situated at 10th Main Rd. 'E' Block, Subramanyanagar, Rajajinagar, II Stage, Bangalore City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajajinagar Doc. No. 1226/80-81 on 9-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. H.N. Rukanamma, No 611-A II Stage, Rajajinagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. Champabai,
No. 4213, Subramanyanagar Main Rd.
II Stage, Rajajinagar,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1226/80-81 Dated 9-7-1980)

All that house property bearing Old No. 2390 and New No. 2390/88 situated at 10th Main Road 'E' Block, Subramanyanagar, Rajajinagar II Stage, Bangalore City.

Bounded by:

On North : Site No. 2389
On South : Site No. 2391
On East : 10th Main Road
On West : Site No. 2358

R. THOTHATHRI

(Competent Authority)

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 10-12-'80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd December, 1980

Ref. CR. No. 62/26774/80-81/Acq. B.—Whereas, I,
R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5, situated at Hakkim Mohammad Ghouse Lane, Kumbarpet, Gorp. Divn. No. 40, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Document No. 284/80-81 on 14-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Khatumbi w/o, Late Syed Khasim (2) Syed Gaffar, (3) Syed Yusuf (4) Syed Habib (5) Syed Ismail (6) Syed Nazir (No. 2 to 6 are sons of No. 1.)
 - (7) Syed Ahamad, Major son of No. 2, (8) Syed Iliaz (9) Hazira Begum (10) Rasheeda Begum (11) Wahida Begum. No. 8 to 11 are minor children of No. 2.
 - (12) Syed Mohamad (13) Syed Ayub (No. 12 and 13 are minor sons of No. 3)
 - (14) Syed Attaulla (15) Gulnaji Begum (16) Liyakhat (17) Sadakhat (No. 14 to 17 are minor children of No. 4)
 - (18) Syed Rafeeq, (19) Firoz Begum (No. 18 and 19 are minor children of No. 5)
 - (20) Syed Rayaz (21) Farzana (22) Sameemunnisa (No. 20 and 22 are minor children of No. 6)
 - (23) Smt. Zahida Begum (24) Smt. Fathima (No. 23 and 24 are daughters of Late Syed Khasim)
- All are residing at No. 5 Hakkim Mohamad Ghouse Lane Kumbarpet, Bangalore.

(Transferors)

- (2) Sri S.K. Nisar Ahmed, S/o Abdul Jabbar, No. 186, I Main, Albert Victor Road, Chamarajpet, Bangalore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 284/80-81 Dated 14-5-1980)

Premises bearing No. Old 17 then 18, at present No. 5, situated at Hakkim Mohammed Ghouse Lane, Kumbarpet, Corp. Divn. No. 40, Bangalore.

Bounded by :

- On North Road
On South : Property of Abdul Gafar Saheb
On East : Hakkim Mohammad Ghouse Lane,
On West : Property of Akbar Sharief.

R. THOTHATHRI

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-12-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 10th December, 1980

Ref. C.R. No. 62/27011/80-81/Acq./B.—Whereas, I,
R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 535, (Old) and new No. 533/14 situated at 12th cross, Vyalikaval Extn. Bangalore city.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Document No. 593/80-81 on 15-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. S.V. Bhagyalaxmi, W/o No. Vasudev, stenographer, Syndicate Bank, Chamaraipet Branch, Bangalore-18.

(Transferor)

- (2) Shri Malipatel Basavarajappa, S/o N. Shantana Gowda, Secretary, Karnataka Slum Clearance Board No. 112, 11th cross, 5th main, Malleswaram, Bangalore-3

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 593/80-81 Dated 15-5-1980)

All that house property bearing old No. 535 and New No. 533/14, situated at 12th 'C' cross, Vyalikaval Extension Bangalore.

Bounded by :

On North : site No. 534
On South : Main road
On East : Site No. 523
On West : Cross road.

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bangalore

Date : 10-12-1980

Seal :

FORM NO. I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th December, 1980

Ref. C.R. Nh. 62/27087/7/80-81/ACQ/B—Whereas, 1

R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 22, and municipal No. 13, situated at Ganganahally, Bangalore-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar Document No. 685/80-81 on 21-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S.K. Pundarika
S/o Krishnaswamy Naidu,
No. 15, I Main road,
Ganganahally,
Bangalore-560006.

(Transferor)

(2) M/s Modern Chemical Company,
No. 13, Ganganahally, S. No. 22,
Bellary road, Bangalore-6.
represented by
Sri P.A. Patel S/o Ambalal Patel,
No. 96, 12th block, Kumarapark West,
Bangalore-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 685/80-81 dated 21-5-80.)

All that property bearing Survey No. 22, and Municipal No. 13, Ganganahally, Bangalore-6.

R. THOTHATHRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 15-12-80.
Seal :

FORM ITS—

- (1) Shrimati K. Vijayalakshmi, No. 111,
Palace Lower Orchards, Bangalore-560 006.
(Transferor) (s)
- (2) Kumari Kiran Mazumdar, No. 496, 14th Main Road,
III Block, Koramangala Layout, Bangalore.
(Transferee) (s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 22nd December 1980

Ref. C.R. No. 62/26842/80-81/ACQ/B—Whereas, I
R. Thothathri

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Survey Nos. 44/3A, 47/1, 47/2, 49/1, 49/2, 47/4, 47/38 situated at Hebbagodi village, Anekal Taluka, Bangalore District.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Anekal, Document No. 193/80-81, on 3-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 193/80-81, dated 3-5-1980.)

Landed property situated at Hebbagodi village, Attibele Hobli, Anekal Taluka, Bangalore District, as detailed in the schedule of the sale deed as under:

Survey Nos.	Extent.	Kissam.
	A—C.	
44/3A	2—00	Dry land.
47/1	1—20	"
47/2	1—25	"
49/1	3—06	"
49/2	3—09	"
47/4	0—13	"
47/38	0—02	"
Total:—	11—33	

R. THOTHATHRI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-12-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 23rd December, 1980

Ref. C.R. No. 62/27242/80-81/ACQ/B—Whereas, I

R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 51/8 and 51/11, situated at Mudanidambur Village [Udupi (Tq). (S.K.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udupi Document No. 210/80-81 on 14-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Charles Ernest Rodrigues,
S/o Anselm Rodrigues,
Electronic Technician,
Vibudhapriya Nagar,
Shivalli Village,
Udupi (Tq.), (S. K.)
By attorney Smt. Nemesia Rodrigues,
Sheribeedu, Udupi (Tq). (S.K.)

(Transferor) (s)

- (2) Shri M.V. Subramanya
S/o M. Ramachandra Rao,
Officer, Syndicate Bank,
Residing in Narimogaru, Puttur (Tq). (S. K.)

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 210/80-81 Dated 14-5-80
All that property bearing S. No. 51/8 and 51/11, Situated at Mudanidambur Village, Udupi (Tq). (S.K.) (Within Udup Municipality Ward)

(R. THOTHATHRI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 23-12-80.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 23rd December 1980

Ref. C.R. No. 62/26979/80-81/ACQ/B—Whereas, I

R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 168 and T.S. No. 384 and D. No. 15-280 situated at Kadri Village, Kadri Ward, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Document No. 172/80-81 on 31-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

42—466GI/80

(1) Shrimati Naseema Banu, W/o Mohammed Ismail, residing near Government Hospital, Karkala represented by Power Agent: Ashok Kumar K. S/o K. Shivanna, Clerk, Gorigudda, Kankanady Mangalore.

(Transferor)

(2) Kumari Susan D'Souza, D/o Eugene D'Souza, residing at Mohan Bagh, Upper Bandore, Mangalore, Power of Attorney holder : Sri T. Monappa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 172/80-81 Dated 31-5-80)
All that house property bearing R.S. No. 168 and T.S. No. 384, situated at Kadri Village, Kadri Ward, Mangalore, bounded by

On North : Private property
On South : Lane
On East : Private property
On West : Private property

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 23-12-1980.

Seal :

FORM ITNS— — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 23rd December 1980

Ref. C.R. No. 62/27225/80-81/ACQ/B—Whereas, I

R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old No. 3464/5085 and New No. 5085/5319 situated at II Division, Someswara Extension, TUMKUR.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Tumkur Document No. 989/80-81 on 23-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Chandra Singh Bhan,
S/o Narasingh Bhan,
Contractor,
Someswara Extension,
Tumkur.

(Transferor)

(2) Sri K. Vamana Pai,
S/o K. Upendra Pai,
Canara Bank,
Hampanakatte,
Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 989/80-81

Dated 23-5-80.)

All that house property bearing Old No. 3464/5085, and New No. 5085/5319,
Situated at II Division,
Someswara Extension,
TUMKUR.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 23-12-80.
Seal :

FORM 1 T N S

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 23rd December, 1980

Ref. C.R. No. 62/27004/80-81/ACQ/B—Whereas, 1

R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old No. 62 and New No. 4, situated at J. M. Lane, Balepet, 16th Division, Bangalore-53

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar Doc. No. 520/80-81 on 26-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chikkaguriyappa,
S/o Late Sri Hanumappa,
No. old 62 and New No. 4, Jangam Maistry Lane,
Balepet, Bangalore-53

(Transferor)

(2) Shri M. S. Rajaram,
S/o Sri M. Subbarao,
No. K-71, Jangam Maistry Lane,
Balepet, Bangalore-53

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 520/80-81 Dated 26-5-80)

All that house property bearing old No. 62, and New No. 4, situated at Jangam Maistry Lane, Balepet, 16th Division, Bangalore-53

Bounded by

On North :	J. M. Lane,
On South :	Private property
On East :	Road and private property
On West :	Lane/Road.

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 23-12-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 23rd December 1980
Ref. C.R. No. 62/27140/80-81/ACQ/B—Whereas, I

R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 15-B and TS. No. 152/IB2 situated at Attawar Village, 16th Falnir Road, Mangalore City. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Doc. No. 247/80-81 on 22-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri (1) Ramakrishna Mahalingayya, Hoskote
(2) Raghuveera Ramakrishna Hoskote
G.P.A. Holder Shivananda Sathandranath Dharieswar,
"Sea View" 14-A Rd. Khar, Bombay-52. Transferor (s)
(2) Shri Mangalore Soyro Fai,
Shivanandir, 17, New Balmatta Rd. Mangalore-1 Transferee (s)
(3) As per col. 1.
[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 247/80-81 Dated 22-5-1980)

All that house property bearing R. No. 15-1B and TS 152/IB2 situated at Attawar Village, 16th Falnir Ward, Mangalore

Bounded by

On North : TS. No. 152-1B2
On South : Private property
On East : Do.
On West : New Balmatta Road.

R. THOTHATHRI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 23-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 29th December, 1980

Ref. C.R. No 62/27024/80-81/ACQ/B—Whereas, I,
R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 738/33, situated at 12th Main Road, III Block, Rajajinagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New at Rajajinagar Document No. 529/80-81 on 11-6-1980 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri G. Kontharaju
No. 174, 1st Main Road,
Sheshadripuram, Bangalore-20

(Transferor (s))

(2) Shri Y. Thinmarayappa
No. 141-B, 6th Main Road,
IVth Block, Rajajinagar, Bangalore-10

(Transferee (s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 529/80-81

Dated 11-6-80.)

All that site and house property bearing No. 738/33 12th Main Road, III Block, Rajajinagar, Bangalore-10.
(Corporation Division No. 2)

Bounded by	
On North :	Private property
On South :	Private property
On East :	Road.
On West :	Private property.

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore,

Date : 29-12-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 2nd January 1981

Ref. CR. No. 62/27043/80-81/Acq/B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 148 (Vacant site) situated at Yadavagiri, Devaraja Mohalla, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore DOC. No. 502/80-81 on 19-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri H. C. Shankarappa, 1st Cross, Vivekananda Road, Ashoknagar, Mandya.

(Transferor)

(2) Shrimati Subbarathnamma, W/o Shri Dasharatharama Chetty, (2) Shantha Srinivasa, W/o Dr. C. D. Srinivasa Murthy, Door No. 232, Sayyaji Rao Road, Mysore City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[(Registered Document No. 502/80-81 dated 15-8-1980)]
Vacant corner site No. 148, situated at Yadavagiri Extension, Devaraja Mohalla, Mysore City measuring 1226 sq. mtrs. Bounded on :—

East : By site No. 159 & Conservancy
West : By Municipal Road
North : By Municipal Road
South : By Private house in site No. 149

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-1-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th January 1981

Ref. No. C.R. 62/27189/80-81/ACQ/B—Whereas, I, R. THOTHATHRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11/61, (Old No. K-10) situated at Reservoir street, Basavangudi, Bangalore-4,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi Bangalore, Doc. No. 633/80-81 on 19-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri T. Moodaliah S/o Yejman Thimmadanappa, Partner M/s Ramiah & Brother No. 2, D.S. Lane, Chickpet, Bangalore-53.

(Transferor)

(2) Shri B.K. Narayana Swamy, S/o R.K. Murthy, No. 11/6, (Old No. K-10) Reservoir Street, Basavangudi, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 633/80-81 Dated 19-5-1980)

Portion of premises & site No. 11/61 (Old No. K-10), situated at Reservoir street, Basavangudi, Bangalore-4. Measuring 268.31 Square metres.

Bounded on

East by : Reservoir street cross
West by : Property of Sri Shankar
North by : Property of Sri Krishna Iyengar,
South by : Reservoir street.

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-1-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th January 1981

Ref. No. C.R. 62/27190/80-81/ACQ/B—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11/61 (Old No. K-10) situated at Reservoir Street, Basavangudi, Bangalore-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore, Doc. No. 631/80-81 on 19-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri T. Modalaiah, S/o Thimmadhanappa, Partner M/s. Ramaiah Bros., D.S. Lane No. 2, Chickpet, Bangalore-53.

(Transferor)

(2) Shri K. Prakash, S/o R.K. Murthy, No. 11/61, (Old No. K-10) Reservoir Street, Basavangudi, Bangalore-4

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 631/80-81 Dated 19-5-1980)
Portion of site and premises bearing No. 11/61 (Old No. K-10) Reservoir Street, Basavangudi, Bangalore-4 [measuring 282.41 sq. metres.
Bounded on East by Property of T. Moodaljah
West by Private Property
North by Property of Sri Krishna Iyengar
South by Reservoir Street.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 7-1-1981
Seal:

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th January 1981,

Ref. C.R. No. 62/27191/80-81/ACQ/B—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 61 (Old No. K-10) situated at Reservoir street Basavanagudi, Bangalore-4. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Basavanagudi Bangalore, Doc. No. 630/80-81 on 19-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

43—466G1/80

- (1) Shri T. Moodaliah S/o Yejman
Thimmadhanappa, Partner, M/s. Ramiah & Bros.
D.S. Lane, No. 2, Chickpet, Bangalore-53.
(Transferors)
- (2) Shri K. Shankar S/o R.K. Murthy,
No. 61, (Old No. K-10) Reservoir street,
Basavanagudi, Bangalore-4.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 630/80-81 Dated 19-5-80.)

Portion premises bearing No. 61 (Old No. K-10) Reservoir street, Basavanagudi, Bangalore-4, Measuring 367.14 square metres and building 18.94 square metres,
Bounded on:

East : By property of B.K. Narayanaswamy
West : By property of K. Prakash
North : By property of Sri Krishna Iyengar.
South : By Reservoir street.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-1-1981
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 8th January 1981

Ref.C.R.No. 62/27241/80-81/ACQ/B—Whereas, I, **R. THOTHATHRI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Site No. 76, & Sy. No. 41/4, situated at Badagabetti village, Bailoor panchayat, Udupi taluk (D.K.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udupi Doc.No. 209/80-81 on 14-5-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) **Shri M. Devadas Pai**, S/o Malkeputhu alias Narasimha Pai, Near Fish Market Udupi (D.K.) (Transferor)
- (2) **Shrimathi Shecrin Banu** W/o Abdul Hameed, Kukkikatte, No. 76, Badagabettu village, Udupi post, Udupi taluk (D.K.) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 209/80-81)

Dated 14-5-1981)

House site No. 76, & S. No. 41/4, situated at Badagabettu village, Bailoor Panchayat, Udupi taluk (D.K.) with a land area of 50 cents and building thereon.

Bounded on:

North by Road
South by Private property
East by Private property
West by Private property

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 8-1-1981
Seal :

FORM LT.N.S.———

(1) Shri (1) M.G. Diwakar (2) M.G. Ratnakar, S/o M. Gowindiah, No. 5, Sowrashtapet, Bangalore-53.

(Transferor)

(2) Shri K. Shanmugam, No. 29, PVR. Road, Bangalore-53.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 8th January 1981

Ref. No. C.R. 62/27294/80-81/Acq. B.—Whereas, I

R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 35, situated at II Main Road, Hanumanthapura, Srirampuram, Bangalore-21.

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at (Srirampuram, Bangalore, Doc. No. 1102/80-81 on 9-6-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1102/80-81 Dated 9-6-1980)

Portion of premises No. 35, Situated at II Main Road, Hanumanthapura, Srirampuram, Bangalore-21. This includes vacant land of silk factory with servants quarters, godown, wells and overhead tanks.

Bounded on :

East by land belonging to Southern Railway.
West by Corporation channel.
North by Corporation channel.
South by Rainwater channel and remaining property of the Vendors.

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 8-1-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th December, 1980

Ref. No. KNL/4/80-81- Whereas, I G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 11-827, Situated at Chaura Bazar, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Uggar Sain S/o
Shri Vaid Nath,
R/o Karnal.

(Transferors)

(2) Smt. Raj Bala, Advocate,
W/o Shri Prithvi Singh,
R/o 11-827, Chaura Bazar,
Karnal.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 11-827 situated at Chaura Bazar, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 498 dated 1-5-1980 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak,

Date : 6-12-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th December, 1980

Ref. No. BGR/9/80-81—Whereas I G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory building on plot No. 301, Sector 24, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office Registering Officer at Aurangabad on 8-5-80 & 4/80 at Ballabgarh in May, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ishwar Singh S/o Sh. Kripal Singh,
R/o House No. 265, Sector, 15, Faridabad.
(Transferor)
- (2) M/s Pakhtoon Tools,
Plot No. 301, Sector-24,
Faridabad.
(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being factory building situated at plot No. 301, Sector-24, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2380 dated 28-5-1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 4-12-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th December, 1980

Ref. No. DLI/4/80-81—Whereas I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential plot No. A-13, measuring 4000 sq. yards in sector 11, situated at Model Town, Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Delhi in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Tilak Raj & Janak Raj,
Ashoka Estate, 24 Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Aggarwal Steel Traders,
1063, Bartaan Market,
Sadar Bazar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land residential plot) measuring 4000 sq. yards Plot No. A-13 situated in Sector 11, Model Town Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered with the Sub Registrar, Delhi at No. 279 dated 12-5-1980.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 4-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th December, 1980

Ref. No. IND/2/80-81—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 30 Kanal at situated at Vill. Gura Teh. Indir

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indir in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhagwan Dass S/o Smt. Thare Bai
R/o Gura Teh. Indir Distt. Karnal.

(Transferor)

- (2) M/s Shiv Shanker Rice Mills,
Indir Distt. Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 30 kanal situated at Gura and as more mentioned in the sale deed registered at No. 143 dated 8-5-1980 with the Sub Registrar Indir.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 4-12-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 26D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th December 1980

- (1) Shri Dev Raj S/o
Shri Mahtab Ram,
Principal Junior Model School,
Sirsa. (Transferor)
- (2) Shri Kedar Nath S/o Sh. Kundan Lal,
through Satnali Cloth House,
Subhash Chowk, Sirsa. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. SRS/21/80-81—Whereas, I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop on plot No. 8, Additional New Mandi situated at Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being plot No. 8 situated at Additional New Mandi, Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2551 dated 20-6-1980 with the Sub Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-12-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CQUISIT GE, ROHTAK

Rohtak, the 4th December 1980

Ref. No. SPT/15/80-81—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 114-L, Model Town, situated at Sonapat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sonapat in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

44—466GI/80

- (1) Sh. Hari Chand S/o Sh. Tej Bhan,
R/o Model Colony, Yamunanagar,
Distt. Ambala.

(Transferor)

- (2) Smt Kaushal Gupta through
Shri Ram Chand, 7/216, Dhobir Wara,
Purani Mandi, Sonapat City.

(Transferee)

Obj ections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 114-L, Model Town, Sonapat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1847 dated 30-7-1980 with the Sub Registrar, Sonapat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 4-12-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Anand Parkash S/o Sh. P.D. Mathur,
R/o P-II, Green Park Extension, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmal Kaur W/o Sh. Kuldip Singh
R/o G-52, Naraina, New Delhi.
Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Rohtak, the 24th January 1981

Ref. No. BGR/103/80-81—Whereas I, G. S. GOPALA,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 11, Block C-2, measuring 700 sq. yds, situated
at Sector 11, Faridabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Ballabgarh in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immova-
ble property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being plot measuring 700 sq. yards situated in
Sector-11, BLF Model Town, Faridabad as more mentioned
in the sale deed registered at No. 1999 dated 21-5-80 with the
Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 24-1-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th January, 1981

Ref. No. BGR/1/80-81—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 2254 Sector 16, situated at Faridabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Arjan Lal Grover S/o Devi Dass,
H. No. 63, Sant Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Gopi Ram Aggarwal S/o Sh. Nanu Lal Aggarwal,
R/o 2254, Sector 16, Faridabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 2254 situated in Sector No. 16, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1142 dated 2-5-80 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak

Dated : 24-1-1981
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) S. Gurbax Singh S/o Sh. Bhagwan Singh,
8/32, South Patel Nagar, New Delhi
(Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Gupta W/o Sh. G.S. Gupta,
1-C-13, NIT, Faridabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th January, 1981

Ref. No. BGR/6/80-81—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bangla No. B-83, No. 2, Township Faridabad. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being bungalow plot No. B-63, NH-2, NIT Faridabad as more mentioned in the sale deed registered at No. 1699 dated 16/5/1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 24-1-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Lila Jolly W/o Ram Rakha Mal,
R/o 1519/5-A, Vachittar Nagar, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Vijay Gupta W/o Dr. Virender Kumar Gupta,
R o 4515-16, Punjabi Mohalla, Ambala Cantt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th January 1981

Ref. No. AMB/11/80-81—Whereas I, G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 5356/8, Anaj Mandi, situated at Ambala Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 5356/8 Anaj Mandi, Ambala Cantt and as more mentioned in the sale deed registered at No. 936 dated 17-5-80 with the Sub Registrar, Ambala.

G.S. GOPALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 24-1-1981

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

ROHTAK

Rohtak, the 24th January, 1981

Ref. No. RTK 5/80-81—Whereas I, G.S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 76 situated Jhang Colony, Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Chander Sharma, Advocate
S/o Shri Amar Singh Sonapat Road, Rohtak
(Transferor)

(2) Shri Randhir Singh S/o Sh. Rattan Singh
R o Vill. Pali Now,
Executive Engineer, Faridabad Division,
U.D.O., 670, Sector 16-A, Faridabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 76 situated in Jhang Colony, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 728 dated 10-5-1980 with the Sub Registrar Rohtak.

G.S. GOPALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 24-1-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
ROHTAK

Rohtak, the 24th January 1981

Ref. No. RTK/6/80-81—Whereas I G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House on plot No. 235, Subhash Nagar, situated at
Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhim San Bhatia S/o Sh. Mansa Ram,
R/o House No. 242, Subhash Nagar, Rohtak .
(Transferor)

(2) Sh. Rajbir Singh S/o Sh. Sube Singh and
Smt. Suneehri Devi D/o Sh. Baldev Singh,
R/o House No. 235, Subhash Nagar, Rohtak.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being House on plot No. 235, Subhash Nagar, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 733 date 12-5-80 with the Sub Registrar, Rohtak.

G.S. GOPALA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 24-1-1981

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th January 1981

Ref. No. KNL/10/80-81—Whereas I G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. House No. XVIII-503, Avtar Colony, situated at Kunjpura Road, Karnal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nanak Chand S/o Shri Ram Dass R/o XVIII-503, Avtar Colony, Kunjpura Road, Karnal.

(Transferor)

- (2) Shri Vinod Kapoor Ashok Kapoor, Parmod Kapoor sons of Shri Bishan Saroop R/o Model Town, Karnal Now House No. XVIII-503, Avtar Colony, Kunjpura Road Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. XVIII-503, Avtar Colony, situated at Kunjpura Road, Karnal and as more mentioned the sale deed registered at No. 31-5-1980 with the Sub Registrar, Karnal.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 24-1-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 29th November 1980

Ref. No. P. R. No. 1211 Acq 23-I/80-81:—Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. G-4-1 paiki Plan No. 4, Plot No. 20 paiki Sub-Plot No. 20-B Jampuri Estate, Bedi Road, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gulabchand Devraj Shah ;
P. A. Holder of Smt. Sushilaben,
Ranjitkumar Shah Opp. Guru Dattatraya Temple,
Jamnagar. (Transferor)
- (2) Shri Jamnadas Lalaji Patel ;
village : Khadkhambhalia ;
Tal. Lal pur, Dist. Jamnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 6000 sq. ft. bearing S. No. G-4-1, Plan No. 4, Plot No. 20 paiki Sub-plot No. 20B situated at Jampuri Estate, Bedi Road, Jamnagar and as fully described in the sale-deeds registered vide Regn. No. 560 dated 5-5-1980.

MANGI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 29th November, 1980.
Seal :

